3 राजधानी
सड़कों को सजाने के लिए लगेंगे 6.75 लाख गमले

6 अभिमत
अंतरिक्ष में बढ़ते भारत के कदम

10 विदेश
प्रिगोझिन की विमान हादसे में मौत होने की पुष्टि

12 स्पोर्ट्स
भारतीय महिला टीम ने थाईलैंड को 5-4 से हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 291
नई दिल्ली, सोमवार, 28 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत 2047 में दुनिया का नेतृत्व करेगा

राष्ट्रीय-11

चांद पर भी उगते हैं संकल्प के सूरज: मोदी

कहा-चंद्रयान मिशन नए भारत की उस भावना का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना भी जानता है

● जी-20 शिखर सम्मेलन में जनभावना की भागीदारी की भावना को सबसे आगे बताते हुए देशवासियों से देश का मान बढ़ाने के लिए इसे सफल बनाने का आह्वान किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्लीः मन की बात के 104वें एपीसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन चंद्रयान का जिक्र करते हुए कहा कि यह अभियान महिला सशक्तीकरण का जीवंत उदाहरण है। इस मिशन में बहुत सी महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर प्रत्यक्ष रूप से शामिल थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि भारत के इस अभियान ने साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान नए भारत की उस भावना का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है।

आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 104वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने भारत के चंद्रयान अभियान को नारी-शक्ति का भी जीवंत उदाहरण बताया और कहा कि यह सबके प्रयास से ही संभव हो सका। देश के लोगों को परिवार का सदस्य बताते हुए मोदी ने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता ने सावन उत्सव के माहौल को कई गुना बढ़ा दिया है। चंद्रयान को चंद्रमा पर पहुंचे तीन दिन से ज्यादा समय हो रहा है। यह सफलता इतनी बड़ी है कि इसकी जितनी चर्चा की जाए, वह कम है। प्रधानमंत्री ने अपनी लिखी कविता अभी तो सूरज उगा है सुनाते हुए कहा कि 23 अगस्त को भारत ने और भारत के चंद्रयान ने यह साबित कर दिया कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं। उन्होंने कहा, चंद्रयान मिशन नए भारत की उस भावना का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना भी जानता है। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से दिए अपने भाषण में महिला-नीत विकास को सशक्त करने का उल्लेख किया और कहा कि जहां महिला शक्ति का सामर्थ्य जुड़ जाता है, वहां असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, भारत का चंद्रयान मिशन नारी शक्ति का भी जीवंत उदाहरण है। इस पूरे मिशन से कई महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर जुड़े रहे। इन्होंने परियोजना निदेशक, परियोजना प्रबंधन जैसी कई जिम्मेदारियां संभालीं। भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं, तो उस देश को विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने इतनी ऊंची उड़ान इसलिए पूरी की है, क्योंकि आज सभी के सपने भी बड़े हैं और प्रयास भी बड़े हैं। मोदी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता में वैज्ञानिकों के साथ ही दूसरे क्षेत्रों की भी अहम भूमिका रही है। उन्होंने इस अभियान के लिए कलपुर्जों और तकनीकी जरूरत को पूरी करने में देशवासियों के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि सबके प्रयास से ही यह सफलता मिली है। चांद की धरती पर उतरकर भारत ने गत बुधवार को इतिहास रच दिया। चंद्रयान-3 ने बुधवार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की जहां आज तक कोई भी नहीं पहुंचा था।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में जनभावना की भागीदारी की भावना को सबसे आगे बताते हुए देशवासियों से देश का मान बढ़ाने के लिए इसे सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सितंबर का महीना भारत के सामर्थ्यका साक्षी बनने जा रहा है, जिसके लिए देश पूरी तरह से तैयार है। भारत की अध्यक्षता में राजधानी दिल्ली में नौ और 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। मोदी ने कहा कि इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और अनेक वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि दिल्ली आ रहे हैं, जो इस शिखर सम्मेलन के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा, मैं सभी देशवासियों से कहूंगा कि आइए, मिलकर जी-20 सम्मलेन को सफल बनाएं, देश का मान बढ़ाएं। प्रधानमंत्री ने भारत की अध्यक्षा में हो रहे इस शिखर सम्मेलन को पीपुल्स प्रेसिडेंसी करार दिया और कहा कि इसमें जनभागीदारी की भावना सबसे आगे है। उन्होंने कहा, अपनी अध्यक्षता (शेष पेज 9)

विक्रम लैंडर ने चंद्रमा की सतह पर तापमान मापा

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा की सतह पर तापमान भिन्नता का एक ग्राफ रविवार को जारी किया और अंतरिक्ष एजेंसी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने चंद्रमा पर दर्ज किए गए उच्च तापमान को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, चंद्र सर्फेस थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट (चेस्ट) ने चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, दक्षिणी ध्रुव के आसपास चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी का तापमान प्रालेख मापा। इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, यहां विक्रम लैंडर पर चेस्ट पेलोड के पहले अवलोकन हैं। चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, चेस्ट ने ध्रुव के चारों ओर चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी के तापमान प्रालेख को मापा।

मेट्रो के पांच स्टेशनों पर खालिस्तानी नारे लिखे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● एसएफजे की करतूत, दीवारों पर दिल्ली बनेगा खालिस्तान और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिख दिएः पुलिस

● ग्रीन लाइन कॉरिडोर पर स्थित शिवाजी पार्क, मादीपुर, पश्चिम विहार, उद्योग नगर, महाराजा सूरजमल स्टेडियम, पंजाबी बाग, स्टेशन शामिल हैं

सितंबर में होने वाले जी-20 समिट से पहले प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकी संगठन राजधानी दिल्ली का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। इस बार कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बावजूद मेट्रो स्टेशनों की दीवारों समेत कई जगहों पर काले रंग से देश विरोधी और खालिस्तान समर्थित नारे लिखे जाने का मामला सामने आया है।

इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल सहित स्थानीय जिलों की पुलिस मुस्तैद हो गई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अज्ञात लोगों ने पांच दिल्ली मेट्रो स्टेशनों की दीवारों पर दिल्ली बनेगा खालिस्तान और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिख दिए। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) द्वारा जिन मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी नारे लिखे हैं, उनमें ग्रीन लाइन कॉरिडोर पर स्थित शिवाजी पार्क, मादीपुर, पश्चिम विहार, उद्योग नगर, महाराजा सूरजमल स्टेडियम, पंजाबी बाग, नांगलोई मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त (शेष पेज 9)

शोभा यात्रा को लेकर नूंह में कड़ी सुरक्षा

● सर्व जातीय हिंदू महापंचायत ने किया है यात्रा का आह्वान, सुरक्षाकर्मी तैनात, प्राधिकारियों ने नहीं दी यात्रा की अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह में रविवार को विश्व हिंदू परिषद के ब्रज मंडल यात्रा से एक दिन पहले सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकैड लगाकर वाहनों की जांच करते तैनात सुरक्षाकर्मी।

सर्व जातीय हिंदू महापंचायत की ओर से सोमवार को शोभा यात्रा निकालने का आह्वान किए जाने के मद्देनजर हरियाणा के नूंह और अन्य इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्राधिकारियों ने यात्रा की अनुमति नहीं दी है। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी निगरानी रखने के लिए अर्धसैनिक बलों सहित सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

इसके साथ ही अंतरराज्यीय अंतर जिला सीमाओं पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। नूंह जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए सोमवार को शैक्षणिक संस्थानों और बैंकों को बंद रखने का आदेश दिया है। प्रशासन ने मोबाइल इंटरनेट और बल्क (एक साथ काफी संख्या में संदेश भेजने) एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया है। इसने सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा भी लगा दी है। विहिप ने कहा है कि शोभा यात्रा निकाली जाएगी और ऐसे धार्मिक आयोजनों के लिए अनुमति लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नूंह हिंसा का जिक्र करते हुए रविवार को पंचकूला में कहा कि यात्रा की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, यात्रा में भाग लेने के बजाय लोग अपने इलाके के मंदिरों में जलाभिषेक कर सकते हैं।

नूंह निवासी अमित गुर्जर ने कहा कि उन्हें शोभा यात्रा आयोजित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यात्रा के दौरान कोई ऐसे नारे न लगाए जाएं जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों। एक अन्य स्थानीय निवासी नसीम अहमद ने कहा कि यदि अधिकारियों ने अनुमति दी तो वे यात्रा का स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के (शेष पेज 9)

मुंबई बैठक में हो सकता है इंडिया का विस्तार

● कुछ नारों के साथ लोगो का होगा अनावरण आम चुनावों के लिए रणनीति और सीटों के बंटवारे पर होगी चर्चा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा बने रहेंगे या नहीं, इस बारे में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के अस्पष्ट संकेतों के बीच शिवसेना (उद्धव), कांग्रेस और एनसीपी की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने शुक्रवार को मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक की सफलता के लिए सप्ताहांत में सिलसिलेवार बैठक की।

जैसा कि पायनियर ने पहले ही बताया था कि इस बैठक के दौरान कुछ नारों के साथ एक लोगो का अनावरण किया जाएगा, तीसरी बैठक के मेजबान के रूप में एमवीए ने 31 अगस्त और 1 सितंबर को बैठक के विभिन्न पहलुओं की योजना बनाने के लिए कई समितियों का गठन किया है। अब तक 26 विपक्षी दलों के गठबंधन की पुष्टि हो चुकी है, मुंबई बैठक में कुछ और क्षेत्रीय संगठनों के शामिल होने से इसका और विस्तार हो सकता है। इंडिया की पहली बैठक जून में पटना में हुई थी, जबकि दूसरी जुलाई के मध्य में बेंगलुरु में हुई थी। बेंगलुरु बैठक में गठबंध के नाम को अंतिम रूप दिया गया था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कहा कि विपक्षी इंडिया गुट की आगामी बैठक के दौरान कुछ और राजनीतिक दलों के इसमें शामिल होने की संभावना है। भाजपा के विभिन्न विरोधी दलों को एक साथ लाने मे अहम भूमिका निभाने वाले जद (यू) नेता ने संभावित सहयोगियों के नाम का खुलासा नहीं किया। लेकिन कहा कि बैठक में सीट-बंटवारे जैसे चुनाव संबंधी (शेष पेज 9)

पश्चिम बंगाल में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, आठ की मौत

● भाजपा ने एनआईए जांच की मांग की

भाषा। बारासात

बारासात में घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस और आपदा प्रबंधन की टुकड़ी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में रविवार सुबह एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ, जब कोलकाता से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में दत्तापुकुर पुलिस थाना क्षेत्र में नीलगंज के मोशपोल इलाके में कई लोग पटाखा फैक्टरी में काम कर रहे थे।

घायलों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया विस्फोट का प्रभाव इतना जोरदार था कि पड़ोस के 50 से अधिक मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं।पुलिस ने बताया कि फैक्टरी के मालिक का बेटा, जो आज सुबह वहां काम कर रहा था, वह भी विस्फोट में मारा गया। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, मामले की जांच जारी है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे दंडित किया जाएगा।

फिलहाल हम बचाव अभियान चला रहे हैं। पुलिस ने बताया कि इलाके में बचाव और राहत कार्य जारी है और अग्निशमन कर्मी विस्फोट के परिणामस्वरूप लगी आग को बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। उसने बताया कि पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी भी मौके पर मौजूद है। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के बाद स्थानीय लोगों ने फैक्टरी के एक मालिक के घर में तोड़फोड़ की। यह पूछे जाने पर कि क्या फैक्टरी पटाखों की आड़ में बम भी बना रही थी, अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमने (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

नौ तीर्थयात्रियों के शव लखनऊ लाए गए, हादसे की जांच जारी

चेन्नई, लखनऊ। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे यार्ड में खड़ी एक ट्रेन के डिब्बे में आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले नौ यात्रियों के शव रविवार को चेन्नई से लखनऊ लाए गए और उन्हें संबंधित जिलों में भेजा गया है। रेलवे के सूत्रों ने कहा कि मृतकों में टूर संचालक हरीश कुमार भसीन (62) भी शामिल थे और सभी नौ मृतकों की पहचान कर ली गई है। तमिलनाडु शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी पांच यात्रियों से पूछताछ कर रहे है, वहीं रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने मदुरै की घटना को लेकर जांच शुरू कर दी है। जांच में दक्षिण रेलवे के एक अधिकारी और रेलवे बोर्ड के एक सदस्य जांच में शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ के मनोहरमन अग्रवाल (81) और हिमानी बंसल (22), लखीमपुर खीरी की शांति देवी (67), हरदोई के परमेश्वर दयाल गुप्ता (57), सीतापुर के मिथिलेश कुमार (52), शत्रु दमन सिंह (65), अंकुल कश्यप (32), दीपक कश्यप (20) और हरीश कुमार भसीन के शव लखनऊ हवाई अड्डे पर लाए गए। उत्तर प्रदेश के निवासियों के शवों को लेने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राज्य सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ है।

भारतीय पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा

● पहली बार विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में

भाषा। बुडापेस्ट

भारत की पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने दो मिनट 59.05 सेकेंड के समय से एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहली बार विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत के मोहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मोहम्मद अजमल वारियाथोडी और राजेश रमेश की चौकड़ी ने शनिवार को पहली हीट (क्वालीफाईंग रेस) में अमेरिका (2:58.47) के बाद दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। प्रत्एक दो हीट में से शीर्ष तीन पर रहने वाली और अगली दो सबसे तेज रहने वाली चौकड़ी ही फाइनल में पहुंचती है। एशियाई रिकॉर्ड दो मिनट 59.51 सेकेंड का था जो जापान की टीम के नाम था। इससे पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2021 में 3:00.25 के समय से बना था। भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व रिकॉर्डधारी अमेरिकी चौकड़ी को कड़ी चुनौती दी और उनके करीब दूसरे स्थान पर रही। भारत दो हीट में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस तरह वह मजबूत ब्रिटेन (2:59.42) और जमैका (2:59.82) से आगे रहा जिन्होंने क्रमशः तीसरा और पांचवां स्थान हासिल किया।

एक बार फिर प्रशंसकों तक पहुंचेंगे रामानुजन

थ्री हंड्रेड रामायाण निबंध लिखने वाले कवि की अप्रकाशित कविता संग्रह का अगले माह प्रकाशन

● स्पेनिश बुद्धिजीवी गुइलेर्मो रोड्रिग्ज ने तैयार किया कविता संग्रह

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

प्रसिद्ध वामपंथी कवि एके रामानुजन अपने निधन के तीन दशक बाद एक बार फिर पाठकों और प्रशंसकों के बीच अगले माह वापसी करने जा रहे हैं। ज्ञात रहे कि कवि रामानुजन अपने निबंध 'थ्री हंड्रेड रामायाण' (तीन सौ रामायाण) से विवादों में आ गए थे।

अब पेंगुइन रैंडम हाउस रामनुजन की अप्रकाशित कविताओं का एक संग्रह प्रकाशित करने जा रहा है, जिसका साहित्य जगत और उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। 'सोम' शीर्षक नाम के इस कविता संग्रह को स्पेनिश बुद्धिजीवी गुइलेर्मो रोड्रिग्ज ने तैयार किया है। यह कविता संग्रह उस समय तैयार किया गया जब स्पेनिश बुद्धिजीवी दिवंगत कवि रामनुजन के पुत्र कृष्ण रामानुजन के साथ उनके अभिलेखागार का निरीक्षण कर रहे थे। गुइलेर्मो रामानुजन की लेखन शैली से बेहद प्रभावित थे। पेंगुइन रैंडम हाउस के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट पीटर मोडोली ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, रामानुजन की अप्रकाशित कविता संग्रह 'सोम' रामानुजन के पहले कविताओं की श्रृंखला की कार्यशैली और विषय में भिन्न है। सोम एक रहस्यमयी पौधा था जिसका उपयोग वैदिककाल के पुजारी अमृत निकालने में करते थे, जो एक नशीला पेय होता था।

ऋग्वैदिक अनुष्ठान में सोम के महत्व के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। रामानुजन ने संस्कृति को ध्यान में रखते हुए इस पेय को 'दिव्य मिश्रण' की संज्ञा दी है। रामानुजन असाधारण विद्वान थे, जिनको अंग्रेजी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और संस्कृत में समान रूप से दक्षता प्राप्त थी। उन्होंने जो कविताएं लिखीं, वे पारंपरिक साहित्य के साथ-साथ आधुनिक कविता (जहां कई कवि रास्ते से भटक जाते हैं) के माध्यम से सहज रूप से आगे बढ़ीं।

दिवंगत कवि के पास सोम के अलावा, निबंधों का एक संग्रह और मलयालम साहित्य के महान के अयप्पा पणिक्कर के साथ एक साक्षात्कार भी है। यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आजकल साहित्य के पारखी लोगों के लिए भी उत्तर-आधुनिक लेखकों को उनकी मृत्यु के कुछ साल बाद भी याद करना दुर्लभ है। शंकर संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत के सहायक प्रोफेसर श्रीकुमार ने कहा कि रामायण पर उनके रुख के कारण शुद्धतावादियों (प्यूरिटन) द्वारा रामानुजन को अस्वीकार करने की संभावना है, लेकिन सच्चाई यह है कि साहित्य के (शेष पेज 9)

ई-साइकिल योजना चार महीने में फ्लॉप

सालाना 1125 टन कार्बन उत्सर्जन रोकने की थी योजना, नोएडा प्राधिकरण करेगी ब्लैक लिस्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में कार्बन उत्सर्जन को कम कर पर्यावरण सुरक्षा के लिए ई-साइकिल योजना शुरू की थी। ये योजना चार महीने में फ्लॉप होती दिख रही है। इसके जरिए एक साल में करीब 1125 टन कार्बन उत्सर्जन को बचाया जाना था। ये उत्सर्जन कार और अन्य व्हीकल से पैदा होता है। अब प्राधिकरण इस कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने जा रहा है।

कंपनी को एक नोटिस जारी किया है। इसी कंपनी को सिटी बस सेवा का संचालन करने की जिम्मेदारी भी दी जानी थी। लेकिन एक शिकायत के बाद कंपनी को वहां से भी हटा दिया गया।

प्राधिकरण ने एक स्टडी की जिसके मुताबिक एक ई-साइकिल कम से कम दिन में तीन बार प्रयोग में लाई जानी थी। 500 साइकिल प्रतिदिन 1500 चक्कर लगाती। इस स्थिति में सालाना 1125 टन कार्बन उत्सर्जन को बचाया जा सकता। यदि इतनी ही पेट्रोल व डीजल वाहन सड़क पर चले तो इससे कई गुना अधिक कार्बन का उत्सर्जन करेंगे।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान होगा साथ ही यातायात कंजप्शन में बढ़ोतरी होगी। योजना को परवान चढ़ने में चार साल का समय लग गया। लेकिन चार महीने में ये योजना धड़ाम हो गई, जबकि तत्कालीन सीईओ को यह भली भांति पता था कि यह कंपनी ई-साइकिल का संचालन नहीं कर पाएगी, फिर भी इसी कंपनी को संचालन का जिम्मा सौंपा गया।

अधिकारी सिटी बस संचालन की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी सौंपना चाहती थी, कंपनी ने एलवन टेंडर भी हासिल कर लिया था, लेकिन शिकायत के बाद सिटी बस संचालन का टेंडर अलाटमेंट रोक दिया। 17 अप्रैल को नोएडा प्राधिकरण स्थापना दिवस पर दो फेज में ई साइकिल संचालन की जिम्मेदारी कंपनी को सौंपी गई। जिसमें चार माह में कंपनी को प्रथम फेज का सौ प्रतिशत संचालन 31 डाक स्टेशन पर शुरू करना था। लेकिन वह पूरा नहीं कर सकी। अभी सिर्फ 27 डाक स्टेशन पर ई साइकिल संचालन का दावा किया जा रहा है।

दूसरे फेज में अक्टूबर तक 31 और डाक स्टेशन पर ई साइकिल संचालन करना था। लेकिन कंपनी ने पिछले दो माह में दूसरे फेज का काम तक शुरू नहीं किया। डॉक स्टेशन से साइकिल को लेने से पहले टर्बन मोबिलिटी एप को डाउनलोड करना होता है। इसके बाद 299 रुपए सिक्योरिटी मनी जमा करनी होती है।

ये पैसा आपके वॉलेट में वापस आ जाएगा। इसमें मंथली सब्सक्रिप्शन भी है जिसमें एक बार में 1400 के आसपास पैसा जमा करना होता है। इसके बाद वो महीने भर तक साइकिल चला सकता है। लेकिन सब्सक्राइबर भी नहीं बढ़े। अब तक 1200 सब्सक्राइबर हैं।

नोएडा में बनाए गए 62 डॉक स्टेशन

सेक्टर-2 एसबीआई बैंक, सेक्टर-3 भूमिगत वाहन पार्किंग, सेक्टर-6 प्राधिकरण कार्यालय, सेक्टर-12 जेड ब्लॉक मार्केट, सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-16ए एपीजे स्कूल, सेक्टर-18 बहुमंजिला वाहन पार्किंग, सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-20 नोएडा प्राधिकरण कार्यालय, सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-25 मार्केट, सेक्टर-29 गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-29 ब्रह्मपुत्र मार्केट, सेक्टर-30 जिला चाइल्ड अस्पताल, सेक्टर-33 एआरटीओ ऑफिस, सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन बस डिपो, सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-39 सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-39 जिला संयुक्त अस्पताल, सेक्टर-44 महामाया स्कूल सेक्टर-50 मार्केट, सेक्टर-52 मार्केट की अंदरुनी सड़क, सेक्टर-57 एयरटेल ऑफिस, सेक्टर-58 पुलिस चौकी, सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-60 एवीपी रोड, सेक्टर-62 टॉट मॉल मार्केट, सेक्टर-62 बी ब्लॉक मार्केट सेक्टर-62 सैमसंग बिल्डिंग आदि है।

नोएडा में गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए एजुकेशन वैन लगाई जा रही है।

ऑपरेशन में लापरवाही: अस्पताल देगा इलाज का खर्च

● कोर्ट ने दस हजार का जुर्माना लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एक व्यक्ति के पेट दर्द होने पर पित्त की थैली निकलने के लिए ऑपरेशन किया गया जिसमें लापरवाही बरती गई। मरीज की हालत खरीब हो गई कि उसे फौरन दूसरे अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

फिर उस अस्पताल में उस मरीज का ऑपरेशन कराना पड़ा। इस घटना के बाद प्रशासन ने कड़े कदम उठाए और साथ में हर्जाना भी लगाया। अब अगर अस्पताल के किसी भी तरह की लापरवाही की वजह से किसी भी मरीज की जान जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ अस्पताल उठाएगा।

व्यक्ति के परिवार वालो ने जब इस पर आपत्ति जताई तो प्रशासन की चेतना जाग गई। जैसे ही यह घटना चर्चा में आई उसी वक्त जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने अस्पताल को इलाज में खर्च हुए 2.25 लाख रुपये का 30 दिन में भुगतान का आदेश दे दिए।

इतना ही आदेश के बाद तुरंत अस्पताल पर 10 हजार रुपये का हर्जाना भी लगाया गया है। दादरी के फूलपुर गांव निवासी मुनेश के पेट में दर्द होने पर उनको 3 जून 2021 को अस्पताल में दिखाया गया। अल्ट्रासाउंड कराने पर डॉक्टर ने बताया कि उनकी पित्त की थैली में पथरी है। दस दिन के बाद ऑपरेशन की सलाह दी। ऑपरेशन के लिए कुमार अस्पताल में दिखाया था। 6 जून 2021 को ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद 9 जून 2021 को अस्पताल से छुट्टी कर दी। लेकिन उसके बाद भी दर्द ठीक नहीं हुआ। दूसरी जगह अल्ट्रासाउंड कराया गया तो पित्त की थैली में पथरी होना बताया गया।

इसके बाद कैलाश अस्पताल में ऑपरेशन किया गया। ऐसे में पहले ऑपरेशन में लापरवाही बरतने पर कुमार अस्पताल के खिलाफ पीड़ित ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में वाद दायर किया। सुनवाई के दौरान आयोग ने इलाज में खर्च 2.25 लाख रुपये 6 फीसदी ब्याज समेत 30 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अनाधिकृत कार पार्किंग को लेकर चालान काटते पुलिसकर्मी।

जालसाजों ने दो बहनों को बनाया ठगी का शिकार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र में घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी कर लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने दो बहनों से 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता की बहन और उसके मंगेतर से भी पैसे लेकर शिकायतकर्ता ने जालसाजों के बैंक खातों में ट्रांसफर करा दिए। सेक्टर-73 ओटीओ टाउनशिप की शक्ति ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 21 अगस्त को उनके वॉट्सऐप नंबर पर एक मैसेज आया। जिसमें पार्ट टाइम नौकरी देने का प्रस्ताव मिला। इसके बाद आरोपितों ने उन्हें टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ लिया। शुरुआत में टास्क देकर लाभ दिया गया। विश्वास होने पर साइबर ठगों ने युवती को निवेश करने पर 15 से 38 प्रतिशत तक का शुद्ध लाभ होने का झांसा दिया। झांसे में आकर युवती ने विभिन्न बैंक खातों में धनराशि ट्रांसफर कर दी। इसके बाद युवती ने अपनी बहन और उसके मंगेतर से भी विभिन्न बैंक खातों में धनराशि ट्रांसफर करा दी। जालसाजों ने कुल 49 लाख 96 हजार 659 ट्रांसफर करा लिए।

जमीन कब्जाने के आरोपी पूर्व पार्षद पर कसा शिकंजा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पूर्व पार्षद ने नगर निगम की करीब 30 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जा का आरोप लगा है। निगम के संपत्ति अधिकारी ने पूर्व पार्षद के खिलाफ घंटाघर कोतवाली में एफआईआर कराई है। वहीं मेयर ने इस जमीन को कब्जामुक्त कराने का निर्देश दिया है। गाजियाबाद नगर निगम के संपत्ति अधीक्षक भोलानाथ गौतम के अनुसार, पूर्व पार्षद खलील अहमद निवासी कैला भट्टा ने खसरा संख्या.213 की 2.3340 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा करके अस्थायी निर्माण करके उसे किराए पर उठा रखा है। भोलानाथ गौतम की ओर से कोतवाली में शिकायत की गई है। स्थानीय लोगों ने मेयर को बताया, पहले उक्त जमीन पर एक मदरसा बनाया गया। इस मदरसे में मस्जिद स्थापित की गई। मदरसे की जो कमेटी बनाई गई थी, उसमें खलील अहमद मुख्य भूमिका में था। कमेटी पर कब्जा करने के बाद खलील अहमद ने वहां कुछ दुकानें बनाई और उन्हें किराए पर उठा दिया गया।

हिंदू युवा वाहिनी के नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद। हिंदू युवा वाहिनी के वरिष्ठ नेता आयुष त्यागी काकड़ा सहित सात लोगों के खिलाफ पर जलालपुर रोड पर प्लॉट कब्जाने का विरोध करने पर मारपीट करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। नगर की न्यू डिफेंस कॉलोनी निवासी विजय शर्मा ने बताया कि जलालपुर रोड पर मेरा एक प्लॉट है। उनका आरोप है कि ओम सन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अशोक गुप्ता मेरे प्लॉट पर जबरन कब्जा करना चाहते है। कई साल पहले वह प्लॉट पर कब्जा करने के प्रयास में जेल भी जा चुका है। आरोप है कि एक अगस्त को अशोक गुप्ता अपने साथियों के साथ आया और प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया। मेरे पुत्र से कहा कि यहां पर आ भी ना जाना। उनके साथ हिंदू युवा वाहिनी के आयुष त्यागी, सुशील प्रजापति सहित कई लोग साथ थे। पीड़ित ने इसकी तहरीर मुरादनगर थाने में दी। लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। इसके बाद विजय शर्मा ने डीसीपी ग्रामीण को शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई।

दादरी पुलिस ने किए तीन चेन लुटेरे गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रविवार को दादरी पुलिस ने कमाल कर दिया। चेन लूट होने की शिकायत दर्ज करने के कुछ ही घंटों में पुलिस ने चेन लूट की वारदात को अंजाम देने वाली तीन लुटेरों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। दादरी पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, रविवार, 27 अगस्त को ग्रेटर नोएडा के दादरी थाने में एक व्यक्ति ने तहरीर दी थी कि कुछ बदमाशों ने उसकी पत्नी के गले से सोने की चेन लूट ली है। दादरी थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तुरंत ही धारा 392 के तहत मुकदमा दर्ज किया और बदमाशों की तलाश में जुट गई। असल में महिला से चेन लूट की वारदात करीब सात दिन पहले हुई थी और दादरी पुलिस ने इस वारदात को रविवार को पंजीकृत किया। जिसके बाद थाना दादरी पुलिस द्वारा, 3 चेन लुटेरे राहुल पुत्र राकेश, विपिन पुत्र अमर सिंह तथा अविनाश उर्फबिरजू पुत्र महिपाल को मथुरा गोलचक्कर के पास से गिरफ्तार किया गया है।

फ्लैट खरीदार परेशान, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और बिल्डर की मिलीभगत से रजिस्ट्री नहीं होने का आरोप

● ग्रेनो वेस्ट की अलग-अलग सोसाइटियों के लोग हर रविवार एक मूर्ति गोल चक्कर पर कर रहे प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेनो वेस्ट में एक मूर्ति गोल चक्कर पर फ्लैट बायर्स द्वारा लगातार हर रविवार को धरना प्रदर्शन किया जाता है।

37वें हफ्ते भी फ्लैट बायर्स द्वारा रजिस्ट्री और पज़ेशन की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। पिछले कई सालों से बायर्स आशियाना व मालिकाना हक दिलाने के लिए गुहार लगा रहे हैं। होम बायर्स का कहना है कि प्राधिकरण और बिल्डर मिले हुए हैं। ग्रेटर नोएडा की अलग-अलग सोसाइटियों के निवासियों द्वारा हर रविवार की तरह इस हफ़्ते भी घर ख़रीदारों ने एक मूर्ति गोल चक्कर पर प्रदर्शन किया।

घर ख़रीदार लगातार मांग कर रहे हैं कि रुके हुए प्रोजेक्ट में कंस्ट्रक्शन शुरू हो, वहीं जिन प्रोजेक्ट में घर मिल गए हैं लेकिन रजिस्ट्री अभी तक नहीं हुई हैए वहां रजिस्ट्री शुरु हो। 9 महीने से लगातार घर ख़रीदार हर रविवार को धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने प्रदर्शन के दौरान 10 से अधिक सोसाइटी के लोग उपस्थित रहे। सुपरटेक इको विलेज तीन के रहने वाले चेतन कपूर ने बताया कि प्राधिकरण और बिल्डर की मिली भगत से रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है जिसके कारण फ्लैट बायर्स मजबूर होकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

हम ना शीतलहर में रुके, ना ही भीषण गर्मी में यह प्रदर्शन थमा और ना ही यह कारवां बरसात में रुका है। अपने फ्लैट के पजेशन की मांग एवं जिन घरों की अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई है उसे शुरू करवाने के लिए होम बायर्स एकजुट होकर प्रदर्शन में शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक महत्वपूर्ण माँग कब मिलेंगे लोगों के मकान कब होगी रजिट्री और कब होगा इसका समाधान, आंदोलन में इको विलेज 2, इको विलेज 3, अजनारा होम्स, कासा ग्रीन्स, संस्कृति प्रोजेक्ट, एक्वा गार्डन, ऐपेक्स गोल्फ एवेन्यू सहित कई सोसायटियों के लोग शामिल हुए।

यूपी में अपराधियों को सजा दिलाने की सूची में जिला गाजियाबाद टॉप पर

● इस साल 130 अपराधियों को विभिन्न कोर्ट ने सजा सुनाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अपराधियों को सजा दिलवाने के मामले में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट पूरे यूपी में अव्वल रहा है। यहां के पुलिस अधिकारियों ने अभियोजन अधिकारियों के साथ तालमेल बैठाकर प्रमुख आपराधिक मामलों की मजबूती से पैरवी की।

इसका नतीजा ये रहा कि इस साल 130 अपराधियों को यहां की विभिन्न कोर्ट ने सजा सुनाई।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट, हापुड़, कौशांबी, बुलंदशहर, बागपत, जालौन, फतेहपुर, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट, मुरादाबाद और बिजनौर जिले टॉप टेन में क्रमानुसार हैं। वहीं सजा दिलाने के मामले में सबसे खराब जिलों में बहराइच, बलिया, कुशीनगर, संत कबीरनगर, सोनभद्र, संभल, बलरामपुर, रायबरेली और मऊ हैं। 24 अगस्त को गाजियाबाद पहुंचे स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री असीम अरुण के सामने भी जिले के पुलिस अधिकारियों ने आंकड़े प्रस्तुत किए थे।

इस रिपोर्ट के अनुसार, गाजियाबाद में 252 अपराधियों पर जिला बदर की कार्रवाई हुई। 143 इनामी अपराधी पकड़े गए। आठ अपराधियों पर रासुका लगाई गई। दो अपराधियों को फांसी और 46 अपराधियों को कोर्ट से उम्र कैद की सजा हुई। इसके अलावा डायल-112 के रिस्पॉन्स और सभी प्रकार के सत्यापन कार्यों में भी गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट नंबर वन रहा है।

छेड़छाड़ के मामले में खून से सीएम योगी को पत्र लिखेंगी छात्राएं

● स्कूल में कथित तौर पर छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में पकड़ा तूल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के स्कूल में कथित तौर पर छात्राओं से छेड़छाड़ का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। छात्राएं सोमवार को इस प्रकरण में अपने खून से मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखेंगी और पुलिस की कारस्तानी बताएंगी।

छात्राओं में गुस्सा है कि पुलिस ने प्रिंसिपल की शिकायत पर उनके पेरेंट्स पर मारपीट का केस दर्ज कर लिया। ये मामला गांव शाहपुर बम्हैटा का है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल पर छात्राओं ने तीन दिन पहले छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं प्रिंसिपल ने भी पेरेंट्स पर मुकदमा कराया है कि स्कूल में घुसकर मारपीट की गई और सिर फोड़ दिया। इस प्रकरण में रविवार को एक बैठक गांव बम्हैटा में पार्षद प्रमोश यादव के आवास पर हुई।

इसमें गांववाले इकट्ठा हुए और गंगाजल उठाकर सारे मतभेद भुलाकर बेटियों के सम्मान के लिए लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। बैठक में यह भी तय किया गया कि सोमवार को पीड़ित छात्राएं अपने रक्त से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिख पूरे प्रकरण से अवगत कराएंगी और वो ये पत्र स्वयं अपने हाथ से उन्हें देंगी। इस पत्र की कॉपी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग सहित सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी भेजी जाएगी। इस बैठक में महेश यादव, धर्मवीर भगतजी, चतरपाल सिंह, जगत सिंह, हरशरण सिंह, अशोक यादव, रमेश यादव, जयवीर पहलवान, सुदेश यादव, उदय वीर यादव, सुधीर यादव, सलेक यादव आदि मौजूद रहे।

जमानत पर छूटते ही हत्यारोपित को चाकू से गोदा

● हालत गंभीर, मामले में तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चार साल 11 माह बाद जमानत पर छूटे हत्यारोपित पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना प्रताप विहार में 25 अगस्त की है।

आरोपित जिसकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ था, उसके पिता, भाई समेत 15 लोगों ने डंडे, चाकू, चेन व सरिया से हमला कर दिया। गनीमत थी कि पुलिस समय से पहुंची और युवक को हमलावरों के घर से मुक्त करा तीन आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। प्रताप विहार के देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनका साला सन्नी 22 अगस्त को डासना जेल से छूटा था।

उसे सितंबर 2018 में विजय नगर में जे ब्लाक के इस्लाम के बेटे सुहेब की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 25 अगस्त को देवेंद्र सनी के साथ अपना ई.रिक्शा ठीक कराने के लिए गए थे। तभी इस्लाम, उसके बेटे दानिश, मोहम्मद दानिश समेत करीब 15 लोगों ने हमला कर दिया। उन्हें साइड कर सभी ने सनी को पीटना शुरू कर दिया। दो हमलावरों ने चाकू से सनी के सिर, पीठ, पेट व पैरों पर वार कर उसे गोद दिया। बेहोश होकर वह गिर गया तो इस्लाम उसे उठाकर अपने घर ले जाने लगा। देवेंद्र ने स्वजन और पुलिस को सूचना दी और पुलिस के साथ इस्लाम के घर तक पहुंचे।

पुलिस को देख बाकी हमलावर फरार हो गए और इस्लाम, दानिश व मोहम्मद दानिश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कोतवाली निमिष पाटील ने बताया कि हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर छानबीन कर रहे हैं। पहचान कर बाकी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करेंगे।

गिफ्ट के झांसे में आई महिला, लुटा बैठी रकम

गाजियाबाद। बंपर धमाके में 16 लाख के गिफ्ट जीतने का झांसा देकर जलसाजों ने एक महिला से 43 हजार रुपये ठग लिए। साइबर सेल की जांच के बाद थाना वेव सिटी में रिपोर्ट दर्ज की गई है। डासना की तबस्सुम एक अस्पताल में कार्यरत हैं।

तबस्सुम ने दो अगस्त को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखा, जिसमें आइफोन, आइपैड, डालर, एप्पल वाच समेत कई चीजें थीं। इनकी कीमत 16 लख रुपये बताई गई। साथ ही एक नंबर भी दिया गया था। तबस्सुम ने इस पर कॉल किया तो कहा कि लकी ड्रॉ में आप ये सारी चीज जीत गई हैं। साथ ही एक नंबर दिया गया। इस पर कॉल किया गया तो ठगों ने उनका पता पूछकर सामान भिजवाने का झांसा दिया और चार हजार रुपये पेटीएम करा लिए।

रक्षाबंधन: वाटरप्रूफ लिफाफे में राखियां भेज रहा डाक विभाग

● पर्व को लेकर जहां बाजार सज चुके है, वहीं बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए आतुर है

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आधुनिकता के क्षेत्र में भले ही दुनिया ने तरक्की कर ली है। पूरा विश्व ऑनलाइन हो गया है, रूपयों-पैसों से लेकर मैसेज तक भेजने के लिए लोग मोबाइल इस्तेमाल करने लगे हैं लेकिन बावजूद इसके आज भी एक चीज ऐसी है जो मोबाइल से नहीं भेजी जा सकती, वो हैं भाई की कलाई पर बंधने वाली राखी।

इसी के चलते देश-विदेश में रहने वाले अपने भाईयों के लिए बहनें आज भी डाक विभाग के माध्यम से राखी भेज रही है। रक्षाबंधन का पर्व 31 अगस्त को है। इस पर्व को लेकर जहां बाजार सज चुके है, वहीं बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए आतुर है और खरीददारी में लगी हुई है।

बहनें अपने घर से दूर देश में या विदेश में रहने वाले भाईयों को डाक विभाग द्वारा राखियां भेज रही है। इस बार डाक विभाग से मिलने वाले लिफाफे पर जी.20 का लोगो लगा है। इसकी कीमत 10 रुपये रखी गई है। पीले रंग के लेमिनेटेड लिफाफा वाटरप्रूफ है। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए डाक विभाग ने वाटरप्रूफ लिफाफे की बिक्री शुरू कर दी है। जबकि राखी भेजने पर डाक टिकट अलग से लगाना होगा। यह स्पेशल लिफाफा सभी छोटे बड़े डाकघरों में उपलब्ध है। इस बार डाक विभाग ने विदेश में राखी समय पर भिजवाने की व्यवस्था कर रखी है।

यह लिफाफा 10 रुपए में 11 गुना 22 सेंटीमीटर वाटरप्रूफ व रंगीन डिजाइनदार बहनों के लिए डाकघरों में उपलब्ध है। तो वहीं डाकघर से राखियां 72 घंटों में देश के किसी भी कोने में पंहुचा सकते है। जबकि विदेश में भेजने के लिए दस दिन का समय लगता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार भारतीय डाक विभाग से ब्राजील, सऊदी अरब, दुबई, अमेरिका, इटली, चीन, नेपाल, मलेशिया, सिंगापुर सहित खाड़ी देशों में राखियां भेजी जाती है। डाकघरों में स्पीड पोस्ट और रजिस्ट्री से देश से लेकर विदेशों में राखी भेजने की सुविधा मिल रही है। इंटरनेशनल स्पीड पोस्ट के लिए अधिकतम वजन 35 किलों हो सकता है।

इन माध्यमों से भेज सकेंगे राखियां

1. स्पीड पोस्ट: एक ही शहर में 18 रुपये, देश में 41 रुपये और विदेश में एक हजार रुपये।
2. रजिस्ट्री: विदेश में 150 रुपए, देश और शहर में 22 रुपये।
3. साधारण डाक: विदेश में 70 रुपये, देश और शहर में 15 रुपये।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 28 अगस्त, 2023

फूलों के पौने सात लाख गमलों से सजेंगी दिल्ली की सड़कें

61 सड़कों पर 4.05 लाख गमले पहले ही लगाए जा चुके हैं, शेष गमलों में फूल व हरे पौधे सितंबर के पहले सप्ताह में लगाए जाएंगे

जी-20 शिखर सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़ी सड़कों और रास्तों को हरा-भरा करने की कोशिश रफ्तार पकड़ रही है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के निर्देश पर सरदार पटेल मार्ग सहित शिखर सम्मेलन से जुड़ी 61 सड़कों, ऐतिहासिक स्मारकों, होटलों एवं अन्य स्थानों पर फूलों और पत्ते वाले पौधों के कुल 6.75 लाख गमले सजाए जाएंगे। इस सम्मेलन में देश विदेश के राष्ट्राध्यक्ष व प्रतिनिधि शामिल होने राजधानी दिल्ली आ रहे हैं।

उपराज्यपाल की अध्यक्षता में तैयारियों की एक बैठक के बाद, उन एजेंसियों की पहचान करने के निर्देश जारी किए गए जो यह अभियान चलाएंगे। उन्हें ही एक निश्चित संख्या में पौधों वाले गमले खरीदने का काम सौंपा गया था।

इसके परिणामस्वरूप इन गमलों में लगे पौधों की खरीद और प्लेसमेंट करने वाले पांच विभागों या एजेंसियों के बीच सहज समन्वय हुआ। एलजी व्यक्तिगत रूप से काम की प्रगति की निगरानी कर रहे थे और पिछले कुछ महीनों में विभिन्न गलियारों का निरीक्षण कर रहे थे।

जानकारी के मुताबिक वन विभाग और दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसाइटी ने 3.75 लाख पौधे (1.25 पत्ते और 2.5 लाख फूल), पीडब्ल्यूडी ने 50,000 (35,000 पत्ते और 15,000 फूल), डीडीए ने एक लाख (85,000 पत्ते और 15,000 फूल) लगाए हैं। एनडीएमसी ने एक लाख गमले और एमसीडी ने 50,000 गमले लगाए हैं। 61 सड़कों पर 4.05 लाख गमले पहले ही लगाए जा चुके हैं, शेष गमलों में फूल वाले पौधे सितंबर के पहले सप्ताह में लगाए जाएंगे ताकि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पौधे पूरी तरह खिल सकें।

जिन प्रमुख स्थानों को गमले में लगे पौधों से सुशोभित किया गया है उनमें सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्ति मार्ग, धौला कुआं-आईजीआई एयरपोर्ट रोड, पालम तकनीकी क्षेत्र, इंडिया गेट सी-हेक्सागोन, मंडी हाउस, अकबर रोड गोल चक्कर, दिल्ली गेट शामिल हैं। राजघाट, आइटीपीओ आदि में भी पौधे लगाए जाएंगे।

जी-20 शिखर सम्मेलन में रास्तों को हरा-भरा करने की कोशिश रफ्तार पकड़ रही है, उपराज्यपाल ने पटेल मार्ग का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इनसेट में प्रगति मैदान मंडप।

- सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्तिमार्ग, धौलाकुआं-आईजीआई एयरपोर्ट रोड, पालम तकनीकी क्षेत्र, इंडिया गेट सी-हेक्सागोन, मंडी हाउस, अकबर रोड गोल चक्कर, दिल्ली गेट, राजघाट शामिल हैं

दिल्ली सरकार जी-20 से जुड़े कामों का नहीं कर रही भुगतान : बिधूड़ी

- नेता प्रतिपक्ष ने कहा, केंद्र से टकराव के चलते देश के खिलाफ हो रही है साजिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार जानबूझ कर देश की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने की साजिश रच रही है। यह आरोप दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आरोप लगाते हुए कहा कि जी-20 सम्मेलन का काम कर रहे ठेकेदारों का भुगतान नहीं होने पर उन्होंने काम रोकने की धमकी दे दी है। अगर समय पर काम पूरा नहीं हुआ तो पूरे विश्व में भारत की जगहंसाई होगी। केंद्र सरकार से टकराव के कारण दिल्ली सरकार यह साजिश रच रही है।

बिधूड़ी ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने वाली केजरीवाल सरकार केंद्र से टकराव की अपनी नीति पर अमल करते हुए किसी भी स्तर तक जा सकती है।

उन्होंने कहा कि राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन के कार्य पूरे करने की डेडलाइन कब की समाप्त हो चुकी है लेकिन दिल्ली सरकार को जो काम सौंपे गए हैं, वे अभी तक जारी हैं। दिल्ली सरकार के ये सारे काम पीडब्ल्यूडी को सौंपे गए हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी के 300 से 400 ठेकेदारों को पिछले काफी समय से भुगतान नहीं किया जा रहा जिससे वे जी-20 से जुड़े काम अभी तक पूरे नहीं कर पाए।

बिधूड़ी ने बताया कि दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी का रवैया अत्यंत ही निराशाजनक है और वह इन ठेकेदारों से मिलने का समय तक नहीं दे रहीं। नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर जी-20 सम्मेलन से जुड़े कार्य समय पर पूरे नहीं होना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता ऐसी सूरत में केजरीवाल सरकार को कभी माफ नहीं करेगी।

किसानों के साथ भेदभाव बंद करें सरकार : पंचायत संघ

नई दिल्ली। कृषि भूमि के बढाए गए सर्किल रेट को जल्द से जल्द लागू करवाने के लिए नजफगढ़ गौशाला नंबर 1 दिल्ली गेट में जय किसान आंदोलन द्वारा पंचायत बुलाई गई।

पंचायत की अध्यक्षता चौधरी जगत सिंह नीलवाल ने की इसमें सर्व सम्मति से सर्किल रेट को लागू करवाने के लिए प्रस्ताव पास किया गया। जय किसान आंदोलन के अध्यक्ष राजीव यादव ने कहा कि एक से 15 सितंबर तक इस मुद्दे को लेकर सभी गांवों में हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे व हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन को उपराज्यपाल कार्यालय को सौंपेंगे। इसके बाद 15 अक्टूबर तक नए सर्किल रेट को पास नहीं किया गया तो नजफगढ़ गौशाला से पैदल चलकर उपराज्यपाल निवास तक जाएंगे।

ओखला में मजदूरों की मौत मामले में मुआवजे की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ओखला में निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट की दीवार ढह जाने के बाद इमारत के मालिक ने घटना में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। पुलिस का कहना है कि मृतकों के परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए सहमति नहीं दी और मुआवजे की मांग की।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी के मुताबिक, यह घटना बृहस्पतिवार को उस समय हुई, जब ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 की संजय कॉलेनी में एक इमारत में बेसमेंट बनाने के लिए खुदाई का काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। अधिकारी के अनुसार, घटना के बाद निर्माणाधीन इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि इमारत के मालिक ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए का अंतरिम मुआवजा देने पर सहमति जताई है।

फाइल फोटो

ओखला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने में संपत्ति के मालिक तरुण गर्ग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। निर्माण की अनुमति सहित इमारत से जुड़े विभिन्न दस्तावेजों की जांच की जा रही है। ज्ञात हो राजधानी में लगातार बिल्डिंग का गिरने का सिलसिला रूक नहीं रहा है।

- निर्माणाधीन इमारत के मालिक ने मृतकों परिजनो को दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान किया

सदर बाजार में गला रेतकर महिला की हत्या, घर में मिला शव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सदर बाजार इलाके में एक महिला का शव उसके घर में पड़ा मिला है। उसकी गर्दन पर चोट के निशान पाए गए थे। मृतका का शव बेड पर पड़ा हुआ पाया था।

महिला की पहचान नाजिया के रूप में हुई है । पुलिस ने इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि घटना की सूचना रविवार रात 12 बजकर 28 मिनट पर फोन पर मिली। पुलिस जब सदर बाजार के गली दर्जियान स्थित मकान में पहुंचने पर नाजिया नाम की महिला का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ पाया। उसकी गर्दन पर चोट के निशान थे। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम को साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया गया। नाजिया के परिवार में उसका पति, और दो बच्चे सात साल का बेटा और तीन साल की बेटी हैं।

भाजपा का दावा: प्रिंसिपलों की भर्ती में घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा की गई 334 प्रिंसिपलों की भर्ती वर्ष 2000 में हरियाणा में हुए जेबीटी भर्ती घोटाले की तरह ही दागदार है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लिखे एक पत्र में चुने जाने वाले सभी प्रधानाचार्यों के दस्तावेजों के सत्यापन का अनुरोध किया है। इसके अलावा उन्होंने आम आदमी पार्टी के एजेंडे के राजनीतिक प्रचार के लिए राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद फंड का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

भाजपा अध्यक्ष ने उपराज्यपाल को लिखा है कि मेरी जानकारी में आए तथ्यों के अनुसार दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों में 334 प्रधानाचार्यों की भर्ती के लिए अनुरोध लोक सेवा आयोग को भेजा पर भर्ती प्रक्रिया में बहुत सारी खामियां हैं। चयनित प्राचार्यों में से एक तिहाई से अधिक प्राचार्यों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में विसंगतियां हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशी और दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत के कारण कई चयनित प्रधानाचार्यों द्वारा फर्जी दस्तावेज जमा किए गए हैं।

- दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने चुने जाने वाले सभी प्रधानाचार्यों के दस्तावेजों के सत्यापन का किया अनुरोध

वीरेन्द्र सचदेवा

आरोपी की पहचान के लिए साक्ष्य नहीं सौंपने पर लगाई फटकार

दिल्ली दंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों के सिलसिले में आरोपी की पहचान से संबंधित वीडियो नहीं सौंपे जाने पर यहां की एक अदालत ने अभियोजन पक्ष को फटकार लगाई है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) पुलस्त्य प्रमाचला ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अभियोजन पक्ष अदालत को मूर्ख बना रहा है। उन्होंने जांच एजेंसी को भविष्य में ऐसा आचरण दोबारा ना करने की चेतावनी भी दी। यह मामला दयालपुर पुलिस थाने में मोहम्मद फारूक और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले से संबंधित है।

अदालत ने अभियोजन पक्ष को आरोपी की पहचान के लिए एक वीडियो सौंपने के लिए कहा था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज तक विशेष लोक अभियोजक और उप-निरीक्षक राजीव (जांच अधिकारी) एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री) के पास इस वीडियो और रिपोर्ट के लंबित रहने के नाम पर अदालत को मूर्ख बना रहे हैं, वास्तव में उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अब तक कोई ठोस कार्वाई नहीं की गई है, लेकिन यह उम्मीद की जाती है कि कम से कम अब थानाध्यक्ष (एफएसएल से) इसकी प्रति यथाशीघ्र लेने की कोशिश करेंगे।

- अदालत ने अभियोजन पक्ष को आरोपी की पहचान के लिए एक वीडियो सौंपने के लिए कहा था

पर्यावरण मंत्री ने शुरू किया 7वां वन महोत्सव

- गोपाल राय ने वन्यजीव अभयारण्य की जानकारी के लिए लांच किया पोर्टल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने रविवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा के बाबरपुर से सातवें वन महोत्सव की शुरूआत पौधरोपण करके की। इस दौरान दिल्ली के नोटिफाई वन क्षेत्र और वन्यजीव अभयारण्य की जानकारी के लिए एक पोर्टल लांच किया।

मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पोर्टल से राजधानी के उन क्षेत्रों का पता चलेगा जहां वन विभाग और अन्य हरित एजेंसियां हरियाली का काम कर रही हैं।

यह पोर्टल दिल्ली में वन क्षेत्रों की धोखाधड़ी से बिक्री को भी रोकेगी। उन्होंने कहा कि आगे दिल्ली के विधायक एवं पार्षदों की सहभागिता से मुफ्त औषधीय पौधे पूरे 70 विधानसभाओं में वितरित करने का अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण कर जरिये वन महोत्सव को पूरी दिल्ली के साथ मिलकर मना रही है। इस नेक पहल में सरकार का साथ देने के लिए प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से विभिन्न स्कूलों के बच्चे और अध्यापक भी आगे आ रहे है। प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन एक्शन प्लान के तहत राज्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। कार्यक्रम में उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप पांडे, राजेंद्र पाल गौतम, अब्दुल रहमान, हाजी यूनुस, सुरेंद्र कुमार, पूर्व विधायक सरिता सिंह, श्रीदत्त शर्मा, हाजी इशराक खान, डैम के सदस्य आदिल अहमद खान, पर्यावरण मित्र, आरडब्ल्यूए के सदस्य, विभिन्न स्कूलों के ईको क्लब के बच्चों और शिक्षकों ने भाग लिया। गोपाल राय ने बताया कि वन महोत्सव कार्यक्रम का लक्ष्य जनभागीदारी बढ़ाना है ताकि राज्य को हरा भरा रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए । सरकार के साथ दिल्ली वासियो का भी इस वन महोत्सव में सहयोग रहे, इसीलिए 14 सरकारी नर्सरियो से नि:शुल्क औषधीय पौधे भी बाटें जा रहे है, ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षारोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे। पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण की महत्ता समझाते हुए शपथ ग्रहण करवाई और अपील करते हुए कहा कि हरा भरा रखने के लिए पौधे लगाए ।

बाबरपुर से सातवें वन महोत्सव की शुरूआत करते पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय। फोटो: रंजन डिमरी

पोर्टल पर निम्न सूचनाएँ उपलब्ध होगीं

1. अवर्गीकृत वन क्षेत्र
2. वे सभी क्षेत्र जहां पेड़ काटने की अनुमति दी गई है
3. सभी क्षेत्र जहां वृक्षारोपण और वनरोपण प्रस्तावित है
4. सभी क्षेत्र जहां हरित एजेंसियों द्वारा वृक्षारोपण होगा
5. गैर-वानिकी कार्यों के लिए आवश्यक परमिशन
6. मृदा नमी संरक्षण के प्रयास
7. भारतीय वन राज्य रिपोर्ट के अनुसार हरित आवरण

बारिश न होने से बढ़ा प्रदूषण

नई दिल्ली। राजधानी की हवा पर अच्छी बारिश नहीं होने का असर दिखने लगा है। हवा में प्रदूषक कणों के स्तर में लगातार इजाफा देखन को मिल रहा है। रविवार को दिल्ली के 11 इलाकों की हवा खराब श्रेणी में पहुंच गई है। इन सभी जगहों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 के अंक को पार कर चुका है। जून और जुलाई मेंअच्छी बारिश हुई थी। इसके चलते वायु गुणवत्ता साफ-सुथरी हो गई थी। अगस्त के पहले पखवाड़े में यूं तो बहुत अच्छी बारिश नहीं हुई थी लेकिन थोड़े-थोड़े अंतराल पर होने वाली हल्की बारिश और तेज हवाओं के चलते हवा की गुणवत्ता साफ-सुथरी रही थी। सीपीसीबी के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 186 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है।

फिशिंग घोटाले में दो गिरफ्तार

- आरोपियों ने फर्जी पहचान के साथ 10 से अधिक बैंक खाते खोले थे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने रविवार को बताया कि एक कथित ई-मेल फ़िशिंग गिरोह के दो सदस्यों को राष्ट्रीय राजधानी और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली के सराय जुलेना निवासी जबर पाल और उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी राहुल शर्मा के रूप में हुई है। अजय खंडेलवाल नामक व्यक्ति से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी ने ई-मेल फिशिंग के माध्यम से उनसे 3,64,560 रुपए की धोखाधड़ी की है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वह कोलकाता स्थित एक फर्म का ग्राहक हैं जो उनकी कंपनी को परिवहन सेवाएं प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि वे दोनों बिल भुगतान और परिवहन बुकिंग के लिए ई-मेल के माध्यम से बातचीत किया करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ट्रांसपोर्ट कंपनी की ई-मेल आईडी से मिलती-जुलती एक ई-मेल आईडी का इस्तेमाल करते हुए भुगतान के संबंध में खंडेलवाल को कई फर्जी ई-मेल भेजे। शिकायतकर्ता ने आरोपी द्वारा निर्दिष्ट खाते में पैसे भेज दिए।

अधिकारियों ने बताया कि फर्जी ई-मेल के रिवर्स आईपी एड्रेस का पता लगाया गया तो यह जानकारी मिली कि मेल नाइजीरिया से आई है।

उन्होंने बताया कि जिन खातों में कथित राशि हस्तांतरित की गई, वे फर्जी पहचान पर खोले गए थे। पुलिस ने कॉल विवरण और पैसे के लेनदेन का विश्लेषण किया तथा फर्जी ई-मेल के आईपी एड्रेस को रिवर्स किया। बाद में आरोपी की लोकेशन बरेली में मिली। पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि इस मामले में छापेमारी की गई, जिसमें जबर पाल को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रोहिणी में आयोजित शिविर में रक्तदान करते लोग।

रोहिणी, करोलबाग में रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के मार्गदर्शन में रोहिणी और करोलबाग में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मिशन के 160 भक्तों ने नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान किया गया। रक्त संग्रहित करने हेतु हिन्दू राव अस्पताल की टीम शिविर में पहुंची। रोहिणी शिविर का उद्घाटन संत निरंकारी मिशन की उप प्रधान राजवासदेव सिंह ने किया। उन्होंने रक्तदान शिविर में आए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया और जनकल्याण को समर्पित उनकी निस्वार्थ सेवा एवं बहूमूल्य योगदान हेतु प्रशंसा करी। करोलबाग शिविर का उद्घाटन अशोक मनचंदा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविर में उपस्थित सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की रक्तदान सबसे श्रेष्ठ दान है। इन शिविरों में डॉक्टर नरेश अरोड़ा मौजूद थे। मिशन द्वारा अभी तक 7927 रक्तदान शिविरों के आयोजन से 12,98,971 युनिट रक्त एकत्रित किया जा चुका है।

डूसू चुनाव के लिए अभाविप प्री-कैंपेन आज से

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है, ये नाम तुषार डेढ़ा, वैभव चौधरी, सुशांत धनकड़, आशीष सिंह, अंकिता बिश्वास, मुस्कान बेदी, अपराजिता, राहुल डेढ़ा, अमन कपासिया, हिमांशु नागर, सचिन बैसला,भानु प्रताप सिंह, सारांश भाटी, बालकिशन चौधरी,रिषभ चौधरी, ऋषिराज सिंह, आकाश यादव हैं, इन्हीं नामों में से डूसू सेन्ट्रल पैनल के अन्तिम चार नाम तय होंगे। इन छात्र नेताओं को अलग-अलग समूहों में बांटकर एक साथ सभी कॉलेजों में सोमवार से प्री-कैंपेन शुरू होगा।

हर स्वस्थ व्यक्ति 3 महीने में एक बार रक्तदान जरूर करे: सुंदर लाल यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गढ़ी-हरसरू गांव में सरपंच ने किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ

रविवार को गांव गढ़ी-हरसरू में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन सरपंच एसोसिएशन गुरुग्राम के संयोजक सरपंच सुंदर लाल यादव ने किया। इस शिविर में 43 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि इंसान का रक्त ही इंसान के काम आता है। इसलिए अधिक से अधिक रक्तदान की जरूरत है। हर स्वस्थ व्यक्ति की हर 3 महीने में एक बार जरूर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त सड़कों पर नहीं बहकर किसी के शरीर में बहना चाहिए। रक्तदान करके हम किसी बीमार, सड़क हादसों में घायलों का जीवन बचाने का काम कर सकते हैं। सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि रक्त दान शिविर लगातार लगाए जाते रहने चाहिए, ताकि रक्त की पूर्ति में किसी तरह की बाधा ना आए। रक्त कम ना पड़े। उन्होंने कहा कि अब सरकारी अस्पताल में रक्त के बदले रक्त देने की जरूरत नहीं पड़ती। मरीजों, घायलों को बिना किसी सिफारिश, बिना बदले का रक्त दिए ही रक्त मिल जाता है। वर्तमान सरकार ने इस व्यवस्था को बेहतर कर दिया है।

गुरुग्राम के गांव गढ़ी हरसरू में सरपंच सुंदर लाल का रक्तदान शिविर के शुभारंभ पर स्वागत करते ग्रामीण।

सरकार का मानना है कि जब रक्तदान शिविरों में लोग बिना किसी स्वार्थ के रक्त दान करते हैं तो अस्पताल में बदले का रक्त देने की व्यवस्था सही नहीं है। उन्होंने कहा कि शिविर में 43 यूनिट रक्तदान हुआ है, यह आंकड़ा आगे के शिविर में बढ़ना चाहिए। युवाओं को इस कार्य के लिए आगे आना चाहिए। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हम रक्त दान करके लोगों का जीवन बचाने में सहभागी बनें। आज हम रक्त दान करके किसी के काम आ रहे हैं तो कोई दूसरा भी हमारे लिए रक्तदान करता है। वह भी कभी हमारे बीमार होने पर काम आता है। रक्तदान ऐसा काम है, जो बिना किसी स्वार्थ के किया जाता है। इस अवसर पर समाजसेवी संजय कुमार, अमित यादव, मानवेन्द्र यादव, नरेंद्र कुमार, बजरंग लाल, देवेंद्र शर्मा, मनीष यादव, पंकज यादव, राजेंद्र, वीरेंद्र यादव, पप्पू यादव, राहुल काकरान, राकेश यादव, जितेंद्र राय, दीप नारायण, अनिल, सुनील झा, राजेश कुमार, विनोद यादव, साहिल यादव, योगेंद्र पाठक समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

ब्रजमंडल यात्रा: सरकार कर रही शांति की अपील संगठन यात्रा निकालने पर अड़े

पायनियर समाचार सेवा। नूंह/गुरुग्राम

सरकार की तरफ से नूंह में यात्रा की अनुमति नहीं

ऐहतियात : नूंह जिला में बंद किए गए हैं इंटरनेट, स्कूल, कॉलेज

ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा निकालने को लेकर एक बार फिर से प्रदेश में विशेषकर नूंह, गुरुग्राम जिला में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार सभी को अपने आसपास के मंदिरों में जलाभिषेक, पूजा-अर्चना की सलाह दे रही है तो वहीं हिंदू संगठन नल्हड़ स्थित मंदिर में ही जलाभिषेक पर अड़े हैं। वे हर हाल में यात्रा निकालने की बात कह रहे हैं। इसे लेकर नूंह जिला में ऐहतियातन इंटरनेट सेवाओं के अलावा स्कूल, कालेज बंद कर दिए गए हैं।

31 जुलाई को नूंह के नल्हड़ स्थित शिव मंदिर में ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा पर हुए हमले के बाद शांति बहाली में जुटे सरकार और प्रशासन अब कोई रिस्क नहीं लेना चाहिए। हिन्दू संगठनों ने घटना के करीब एक महीने बाद फिर से नल्हड़ में जलाभिषेक करने के लिए निर्णय लिया है। इससे शासन, प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए हैं। सरकार का पूरा प्रयास है कि किसी भी सूरत में फिलहाल तो ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए, जिससे कि तनाव और अधिक बढ़े। सीएम मनोहर लाल ने कहा कि 28 अगस्त को नूंह में ब्रजमंडल यात्रा को अनुमति नहीं दी गई है। एक महीना पहले जो हिंसक घटना हुई, उसे ध्यान में रखते हुए सावधानी रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि सुरक्षा रखना सरकार का दायित्व है। लॉ एंड ऑर्डर बना रहे, यह सरकार की कोशिश है। इससे पहले प्रशासन भी यात्रा को परमिशन से इनकार कर चुका है। नूंह में धारा 144 लगा दी गई है। स्कूल-कॉलेज और इंटरनेट 28 अगस्त तक बंद किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर व सीआईडी चीफ एडीजीपी आलोक मित्तल के साथ भी बैठक करके नूंह जिला को लेकर मंथन किया। नूंह में मौजूदा हालात और यात्रा निकलने की सूरत में खुफिया इनपुट पर चर्चा की गई है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने 5 राज्यों के साथ बैठक करके सीमाओं पर विशेष चौकसी रखने को कहा है। सोशल मीडिया पर नियमित तौर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश हरियाणा पुलिस को दिए हैं। पुलिस ने यूपी, राजस्थान के अलावा जिला पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम, तिजारा व भरतपुर से आने वाले लोगों पर विशेष नजर रखने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है।

31 जुलाई को नूंह हिंसा में जलायी गयी गाड़ियां। फाइल फोटो।

नूंह में 57 स्पेशल डयूटी मजिस्ट्रेट किए गए हैं तैनात : हर हाल में ब्रज मंडल यात्रा निकालने के बयानों के बीच पुलिस ने नूंह की सभी सीमाओं को सील कर दिया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 57 स्पेशल डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जिले की सीमाओं पर पुलिस के अलावा आरएएफ और पैरामिलिट्री को जवान तैनात किए हैं। बैंकों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। डीसी धीरेंद्र खड़गटा के मुताबिक 28 अगस्त को संभावित जलाभिषेक यात्रा के दौरान सतर्कता के चलते यह निर्णय लिया गया है।

नूंह में तैनात की गई पुलिस फोर्स।

क्या कुंभ के लिए अनुमति ली जाती है: उधर, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा है कि 28 अगस्त को सुबह 11 बजे यात्रा की शुरुआत करेंगे। यात्रा की अनुमति लेने का कोई मतलब नहीं है। सावन का आखिरी सोमवार है। हर श्रद्धालु का अधिकार है कि वह अपने ईष्ट का जलाभिषेक करे। उन्होंने कहा कि हमारे देश एक धर्मपरायण देश है। यहां किसी भी यात्रा के लिए अनुमति नहीं ली जाती। उन्होंने कहा कि क्या कभी कुंभ के लिए अनुमति ली जाती है।

31 जुलाई की हिंसा में हुई थी 6 मौतें : गौरतलब है कि 31 जुलाई 2023 को नूंह के नल्हड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में ब्रज मंडल यात्रा निकालकर जलाभिषेक करने हरियाणा के अलग-अलग स्थानों से लोग पहुंचे थे। इसी दौरान उन पर पथराव, गाड़ियों में आगजनी की घटना भड़क गई। देखते ही देखते हिंसा ने विकराल रूप ले लिया। पुलिस और प्रशासन को भी यह अंदेशा नहीं था कि यह हिंसा इतना विकराल रूप ले लेगी। इस हिंसा में मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी का नाम ज्यादा उछला। मोनू मानेसर के एक वीडियो को भड़काने का कारण माना गया। हालांकि बजरंग दल से बिट्टू बजरंगी भी रडार पर रहे। मोनू मानेसर को लेकर पुलिस ने कोई ऐसा कार्यवाही नहीं की है, जिससे कि मोनू मानेसर का नूंह दंगों में होना माना जाए। बिट्टू बजरंगी को तो पुलिस गिरफ्तार करके फरीदाबाद की नीमका जेल भेज चुका है। सुरक्षा के लिहाज से उसे नूंह जेल में नहीं रखा गया। नूंह की हिंसा में दो होम गार्ड के जवान, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं समेत छह की मौत हो चुकी है। हिंसा के आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस दिन-रात एक कर रही है।

नूंह में जलाभिषेक से 36 घंटा पहले इंटरनेट हुआ प्रभावित, पुलिस मुस्तैद

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जिला नूंह से लगता सोहना शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में भी इंटरनेट सेवा शनिवार की रात से प्रभावित हो गई। जिससे इंटरनेट कब कहा समाप्त हो जाए और कब कहा से शुरु हो जाए। यह सब देख क्षेत्र के नागरिक असमंजस की स्थित प्रभावित हो रहे है। सोमवार को जिला नूंह में निकालने जाने वाली बृजमंडल यात्रा को देखते हुए शनिवार की रात 12 बजे से इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी गई है।

वहीं जिला नूंह से लगता सोहना शहर व ग्रामीण क्षेत्र के लगते गांवों में इंटरनेट सेवाएं शनिवार की रात से प्रभावित हो रही है। सोहना शहर का वार्ड-6, 8, 12, 13 की दर्जनभर कॉलोनियों में इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हो रही है। कितने कदम पर नेट बंद हो जाए और किस कदम पर नेट चल जाए। यह सब देखकर नागरिक शनिवार की रात से ही असमंजश के दौर से गूजर रहे है। सभी नेटवर्क कंपनी का इंटरनेट प्रभावित हो रहा है।

सोहना से तावडू जाने वाले मार्ग के अंसल मोड़ पर जिला नूंह के सीमा शुरुआत पर लगा नाका पर तैनात पुलिस कर्मी।

सुरक्षा के मुख्ता प्रबंध : पुलिस प्रशासन ने सोमवार को नूंह में निकाली जाने वाली बृजमंडल यात्रा का से 19 किलोमीटर पहले सोहना से तावडू व नूंह जाने वाले मार्ग पर बने नाकों पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। दोंनों की नाकों पुलिस कर्मियों को पूरी तैयारी के साथ तैनात करते हुए रविवार को वाहनों की जांच या अन्य किसी प्रकार की आदेश नहीं दिए गए है। सूत्रों के अनुसार सोमवार की सुबह या रविवार की देर रात से नाकों से जिला नूंह जाने व वहा से आने वालों वाहनों को शक के दायरे में आने पर जांच किए बिना नहीं नाके से निकलने नहीं दिया जाएगा।

डीसीपी साउथ ने दिए सुझाव : शनिवार को गुरुग्राम डीसीपी साउथ सिद्वार्थ जैन ने शहर थाना सोहना में हिन्दु व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक करते हुए उन्हे फेशबुक व वट्सअप पर किसी प्रकार की अफ्वाह से बचने तथा अपने बच्चों को दूर रहने की सलाह दी। उन्होने कहा कि सोमवार को बृजमंडल यात्रा में किसी भी प्रकार से गैरकानूनी कदम कोई न उठाए। पुलिस की सुरक्षा को लेकर पूरे सख्ती बरते हुए है।

नूंह में ब्रज मंडल यात्रा का दिल से करें स्वागत

गुरुग्राम। विश्व शांति के नेता इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में काम करने वाले मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने ब्रज मंडल यात्रा को लेकर बड़ा दिल दिखाया है। मंच के संयोजक खुर्शीदा राजाका ने बयान जारी कर कहा है कि नूंह में ब्रज मंडल यात्रा का हर मुस्लिम दिल से स्वागत करें। यह हर मेवाती की जिम्मेदारी है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं मेवात डेवलपमेंट एजेंसी के पूर्व चेयरमैन खुर्शीद राजाका कहते हैं कि ब्रजमंडल यात्री मेवात के मेहमान हैं। हमें सामाजिक एकता, भाईचारे की भावना को बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि 31 जुलाई को शरारती तत्वों की ओर से अप्रिय घटना को अंजाम दिया गया। यात्रा पर हमला प्रत्येक मेवाती के लिए अशोभनीय घटना रही। इस दुखद घटना ने मेवात की हिंदू-मुस्लिम एकता को कलंकित किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ब्रजमंडल यात्रा निकालने की इजाजत देता है तो मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता भी ब्रजमंडल यात्रा का स्वागत करेंगे। खुर्शीद राजाका ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार प्रकट किया।

आज सोहना-नूंह मार्ग पर बसें हालात के आधार पर चलेंगी

रविवार को सोहना के सामान्य बस स्टैंड से नूंह हरियाणा रोडवेज की बसें चली।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोमवार को नूंह और सोहना के बीच हरियाणा रोड़वेज की बसें हालात के अनुसार चलाई जाएगी। रोडवेज के उच्चाधिकारियों ने सोहना बस स्टैंड प्रभारी को आदेश जारी कर दिए है।

31 जुलाई के बाद सामान्य हालत होने के पर ही नूंह मार्ग पर रोडवेज बसों का चलाना धीरे-धीरे शुरु किया गया था। अभी चार गुरुग्राम की डिपो की बसों समेत नूंह मार्ग पर कुल 15 बसें चल रही है। यें बसें सोहना से नूंह, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना आदि को जा रही है। सोमवार को नूंह के बृजमंडल मंदिर पर होने वाले जलाभिषेक के माध्य नजर हरियाणा रोडवेज विभाग ने सोहना सामान्य बस स्टैंड प्रभारी गोविन्द सिंह को लिखित में आदेश जारी कर दिए है। रोडवेज विभाग के उच्चाधिकारी के आदेशानुसार जैसे हालत नूंह में होंगे। उसके मध्यनजर रोडवेज की बसें चलेंगी। बस स्टैंड प्रभारी गोविन्द सिह ने बताया सोमवार की सुबह भी रोजाना की तरफसे बसों को नूंह से आना व जाना रहेगा। उन्होने बताया कि नूंह के हालातों के आधार पर सुबह के बाद दिन में बसों को चलाया जाएगा। इस मार्ग पर रविवार को यात्रियों का आना जाना सामान्य ही रहा है।

बेहतर जीवनशैली के लिए पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता हो मिशन: नवीन गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवीन गोयल ने गांधी नगर, शिवजी पार्क में किया जनसंपर्क अभियान

पर्यावरण और स्वच्छता हमारे जीवन से जुड़े विषय हैं। इन दोनों विषयों में सुधार करने की हर कदम पर जरूरत है। हर उम्र के व्यक्ति को जरूरत है। कड़वा सच यह है कि इन्हें प्रदूषित, खराब करने में भी हम सबकी किसी न किसी रूप में भूमिका होती है या हो चुकी है। ऐसे में जरूरी है कि इनमें सुधार के लिए भी हमारी भूमिका हो। यह बात पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा के प्रदेश प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल ने कही।

रविवार को नवीन गोयल ने गांधी नगर, शिवजी पार्क क्षेत्र में उन्होंने जनसम्पर्क कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सभी लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आने की अपील की। नवीन गोयल ने कहा कि हमारा लक्ष्य गुरुग्राम को स्वच्छता के मामले में देश के टॉप 10 शहरों में लेकर आना है, इसके लिए जन भागीदारी जरूरी है। स्वच्छता के मामले में कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने पर्यावरण में सुधार के लिए पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी लोग दो-चार पौधे लगाकर उनका पालन-पोषण करें। अपने घर और आसपास के पर्यावरण में सुधार के लिए हम अपने घरों की छतों को भी हरियाली का रूप दे सकते हैं। इस अवसर पर सुरेंद्र कुंडू, अमित, पीपी सिंह, सिद्धू, हलीम, विनोद यादव, होती राम, निर्मल सिंह, राजेश कुमार, कृष्ण मुरारी, ललित कुमार शर्मा, डीपी सिंह, बृजेश, संजय कुमार, प्रीतम, सुनील चौहान, कुमेर सिंह, अनुज कुमार, जितेंद्र कुमार, नकुल, लीलू यादव, यादराम, जेपी शर्मा, रघुबीर, विनोद यादव, सोनू कुमार, प्रवीण कुमार, सोनी, वेदप्रकाश शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, अशोक शर्मा, संजय, सोनू, भीम, गोलू, मोनू आदि लोग मौजूद रहे।

गुरुग्राम के गांधी नगर में लोगों को पर्यावरण के लिए जागरुक करते नवीन गोयल।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय सामूहिक गान प्रतियोगिता में 200 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

गुरुग्राम। भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय सामूहिक गान प्रतियोगिता का रविवार को आयोजन किया गया। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-50 में आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित से व वन्दे मातरम से की गई। कार्यक्रम में ईश्वर मित्तल, मनीष राव, संजय भसीन, दिनेश अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष तरुण त्यागी, पूजा शर्मा अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम में हिंदी गान, संस्कृत गान, लोकगीत गान में 15 स्कूल की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। लगभग 200 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसमें हिंदी एवं संस्कृत की संयुक्त प्रतियोगिता में आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-50 गुरुग्राम प्रथम, लॉर्ड जीसस स्कूल द्वितीय, ज्ञान देवी स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संयोजक श्रीचंद गुप्ता व प्रदीप जैन ने विशेष योगदान दिया। सुमित सिंगला, डॉ. मनदीप किशोर गोयल, संदीप गुप्ता, बीएन लाल, नरेश शर्मा, राम गोपाल मित्तल, प्रतिमा गुप्ता और मीना गर्ग ने भी शिरकत की। गुरुग्राम शाखा के अध्यक्ष देवेश गुप्ता और सचिव सुनील गर्ग ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम जिले स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर होते रहने चाहिए, जिससे बच्चों में छिपी प्रतिभाएं बाहर आ सकें। उन्होंने कहा कि बच्चों में बहुत प्रतिभा है। हर विद्यार्थी अलग प्रतिभा का धनी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में समय-समय पर प्रतिभा खोज कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने चाहिए। बच्चों को स्कूलों में ऐसा मंच दिया जाना जरूरी है, जहां वे खुलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

पान का खोखा चलाने वाले दुकानदार से मांगी तीन युवकों ने रंगदारी

सोहना। सोहना ढाणी में सड़क किनारे पनवाड़ी का खोखा चलाकर मजदूरी करने वाले से रंगदारी मांगने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज। रंगदारी न देने पर आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पनवाड़ी को जान से मार देने की धमकी दी। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी सुमित ने शहर थाना पुलिस को बताया कि उसने सोहना ढाणी में सडक किनारे पान का खोखा रखा हुआ है। वह उक्त पान के खोखा पर पूरा दिन बैठकर अपनी मजदूरी करता है। शुक्रवार को तीन युवक उसके खोखा पर आए और उससे एक हजार रुपये रंगदारी मांगने लगे। जिनमें से एक युवक को वह पहले से ही जानता है। जिसका नाम दीपक और पास के गांव धुनेला का निवासी है। दीपक ही अपने साथ दो अन्य युवकों को लेकर आया था। दीपक पहले से उससे रंगदारी मांगता रहा है। रंगदारी न देने पर उसके खोखा से सामान उठाकर ले जाता है। शहर थाना पुलिस ने मजदूर की शिकायत पर एक नामजद समेत तीनों युवकों के खिलाफ रंगदारी मांगने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करेगी।

तीरंदाजी प्रतियोगिता के विजेताओं का मेडल से किया सम्मान

सोहना। स्थानीय देवीलाल खेल स्टेडियम में चल रही जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता रविवार को समाप्त हो गई। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी अब राज्य स्तरीय पर अपना निशाना साधेंगे। शनिवार को शुरु हुई स्थानीय देवीलाल खेल स्टेडियम में जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में अपने शानदार निशाने को साधते हुए खिलाड़ियों ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रांस मेडल पर निशाना साधा। रविवार को विजेता खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में नॉडल अधिकारी रहे राजकीय संस्कत मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र वर्मा ने मेडल दिए। इस अवसर पर नॉडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा ने सभी कोच और अभिभावकों को आभार प्रकट करते हुए प्रतियोगिता को सफ्ल का श्रेय दिया। उन्होने प्रतियोगिता में खेल रहे करीब 150 खिलाड़ियों के हौसले की तारीफ करते हुए उनकी लगन और मेहनत को सहराया। वर्मा ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अपना बेस्ट प्रदर्शन दिया। सभी खिलाड़ियों ने खेल नियमों की पालना करते हुए प्रतियोगिता को सफ्ल बनाने में अपना योगदान दिया। नॉडल अधिकारी ने प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को जीत का श्रेय देते हुए हारने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होने कहा कि खिलाड़ी कभी हारते नहीं है। हार से उन्हे जीतने का जज्बा मिलता है। हार कर जीतने वाला ही सिकन्दर बनता है। प्रतियोगिता की रिकर्व राउंड में अंडर-19 गर्लस में श्वेता प्रथम, द्वितीय स्थान पर उमंग यादव, तीसरे स्थान पर कोमल व चौथे स्थान पर निहारीका। लड़को के पूल में यश प्रथम, इन्द्रजीत द्वितीय व लक्ष्य तीसरे नंबर पर रहा। कंपाउंड राउंड अंडर-19 गर्ल्स में खुशी प्रथम, वदना द्वितीय व जीया कपूर तीसरे स्थान पर रही। कंपाउंड राउंड लड़कों की प्रतियोगिता में आदित्य प्रथम, सोमेश द्वितीय, धीरज तीसरे व आदित्य कपूर चौथे स्थान पर रहा। अंडर-19 इंडियन राउंड लड़कों की प्रतियोगिता में जोनी प्रथम, अंकित द्वितीय, जगत तीसरे व विकास चौथे नंबर पर रहा। अंडर-19 गर्ल्स इंडियन राउंड में अंजल प्रथम, महक द्वितीय, योगिता तीसरे व सालिनी ने चौथा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 रिकर्व राउंड लड़कों में अखिल प्रथम, सिद्वार्थ द्वितीय, लवखेडिया तीसरे तथा मोहित चौथे नंबर रहा। अंडर-17 गर्ल्स रिकर्व राउंड में अयशा यादव प्रथम, कनिका द्वितीय, त्रितीय यादव ने तीसरा और कनिशका ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

लक्ष्यवर्धन बने भाजपा जवाहर कॉलोनी मंडल अध्यक्ष

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ और प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा से विचार विर्मश और सहमति के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, प्रदेश सचिव व जिला प्रभारी फरीदाबाद मनीष यादव, भाजपा जिला महामंत्री डॉक्टर आरएन सिंह, मूलचंद मित्तल ने भाजपा संगठन के लिए दिन रात काम करने वाले युवा मेहनती लक्ष्यवर्धन सिंह को जवाहर कॉलोनी भाजपा का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि लक्ष्यवर्धन सिंह पार्टी की नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। लक्ष्यवर्धन सिंह ने अपनी इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुझ जैसे युवा कार्यकर्ता को इतनी अहम जिम्मेवारी देने पर में वरिष्ठ नेताओं का तहे दिल से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा ही है जो युवाओं को मान सम्मान देती है। इस मौके पर जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, वरिष्ठ नेता शेर सिंह भाटिया, यशवीर डागर, कविंद्र फागना मंडल अध्यक्ष नंगला, भगवान सिंह जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, राजेश डागर, मनोज बालियां, संजीव सोम मंडल अध्यक्ष डबुआ, मुकेश डागर, सुरेंद्र भड़ाना, प्रकाश वीर नागर एडवोकेट (प्रदेश सह संयोजक विधि प्रकोष्ठ भाजपा), राजकुमार तंवर (जिला संयोजक विधि प्रकोष्ठ), विपिन यादव एडवोकेट (जिला सह संयोजक विधि प्रकोष्ठ) उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी करने वाला आरोपी धरा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी प्रभारी नरेंद्र कुमार की टीम ने गांजा तस्करी करने वाले आरोपी को गाड़ी सहित काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम गौरव है। आरोपी फरीदाबाद के गांव बदरोला का रहने वाला है। आरोपी को क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम के सुरेश मलिक, महेश, संदीप, विकास, नरेश द्वारा सेक्टर-58 के एरिया से गाड़ी में गांजा पत्ती ले जाते हुए काबू किया है। गाड़ी की तलाशी लेने पर आरोपी से 5.132 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-58 में अवैध नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

आज से कई कॉलोनियों में 48 घंटे ठप रहेगी पेयजल आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान रेनिवेल लाइन नंबर दो को सड़क के दूसरी तरफ स्थानांतरित किया जा रहा है।

पाइप लाइन कार्य के कारण फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने 28 से 30 अगस्त तक पानी सप्लाई बंद करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर 28 अगस्त सुबह नौ बजे से 30 अगस्त सुबह नौ बजे तक सेक्टर-तीन, छह, सात, आठ, 24, तिरखा कॉलोनी, शिव कॉलोनी आदि में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस लाइन से पानी प्राप्त करने वाले लोगों से अपील की है कि वे दो दिन के लिए पानी स्टोर करके रखें। एक्सप्रेसवे के नीचे से रेनिवेल की

900 एमएम की लाइन आ रही है। भविष्य में रेनिवेल लाइन को क्षति न पहुंचे, इसलिए लाइन को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार पाइप लाइन के कनेक्शन के बाद 48 घंटे तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। रेनिवेल लाइन नंबर दो से सेक्टर-3, सेक्टर-7, सेक्टर-8, सेक्टर-24, तिरखा कॉलोनी, शिव कॉलोनी, चावला कॉलोनी, पंचायत भवन और मुजेसर क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति ठप रहेगी। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम ने बताया कि इस दौरान ट्यूबवेल की मदद से पानी की सप्लाई उपलब्ध कराई जाएगी। यदि जरूरत पड़ी तो टैंकर की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसे लेकर एसडीओ व जेई को जरूरी कदम उठाने को कहा गया है।

एसडीओ के मोबाइल नंबर से मिलेगी जानकारी

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण ने लाइन स्थानांतरित की जानकारी के लिए एसडीओ असर खान का मोबाइल 9215573949 जारी किया है। लोग यहां फोन कर पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

-ओपी कर्दम, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम

दंगा नियंत्रण के लिए बनाई दो कंपनियों की पुलिस लाइन में हुई ड्रिल

पत्थरबाजों से निपटने, फायरिंग करने व आंसू गैस छोड़ने के बताए तरीके

एसपी लोकेंद्र सिंह ने निरीक्षण कर 28 अगस्त के लिए दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दंगा नियंत्रण के लिए बनाई गई रैपिड एक्शन पुलिस फोर्स की पुलिस लाइन पलवल में ड्रिल की गई। जिसमें पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों के इक्विपमेंट चेक कर उन्हें निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ एडिशनल एसपी जसलीन कौर, डीएसपी हेडक्वार्टर पलवल साकिर हुसैन, डीएसपी हथीन सुरेश कुमार, डीएसपी ट्रैफिक संदीप सिंह मोर, डीएसपी क्राइम पलवल नरेश कुमार एवं डीएसपी शहर पलवल विजय पाल सिंह तथाा अन्य संबंधित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दंगा नियंत्रण के लिए गठित की गई दो कंपनियों की पुलिस लाइन पलवल में ड्रिल आयोजित की गई। जिसमें पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों को अहम निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह के निर्देशानुसार दो कंपनियों का गठन किया गया। जिसमें प्रत्येक कंपनी में 100 से अधिक जवान होंगे और प्रत्येक कंपनी में तीन प्लाटून बनाई गई हैं। एक कंपनी डीएसपी ट्रैफिक पलवल तथा एक कंपनी डीएसपी क्राइम के अधीन कार्य करेगी। प्रत्येक कंपनी का कमांडर डीएसपी रैंक तथा सेकेंड कमांडर इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी होगा। प्लाटून कमांडर सब इंस्पेक्टर तथा सेकेंड कमांडर एएसआई होगा। केंपनी के जवान लाठी डंडा, टियर गैस और सक्षम आधुनिक हथियार के साथ एक कॉल की तैयारी की पोजिशन में रहेंगे। पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने रैपिड एक्शन पुलिस फोर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फोर्स के सभी जवानों को इक्विपमेंट दुरुस्त रखने की हिदायत दी गई। सभी जवान स्मार्ट, अलर्ट और डिसिप्लिन में रहेंगे। ये कंपनी किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक या जातिगत हिंसा या किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर तुरंत कार्य करेगी। सभी जवानों को एक साथ संदेश पंहुचाने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप के अलावा एक सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जिससे सभी जवानों को एक समय पर निर्देश दिए जा सकेंगे। जिससे सभी जवानों को तुरंत पता चल जाएगा कि किसी स्थान पर किसी प्रकार की विपरीत परिस्थितियों को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकेगा। पुलिस अधीक्षक ने जवानों को ड्रिल के दौरान अहम निर्देश दिए और जवानों से उनकी ड्यूटी के बारे में समझाया गया। छोटी-मोटी कमियों को दूर करने को कहा। उन्होंने कहा कि जवान किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी के जवान स्मार्ट, अलर्ट और अनुशासन में रहेंगे।

अवैध पटाखों से भरा केंटर पकड़ा, 195 पेटियां बरामद

यूपी से पंजाब जा रहा था, खरीदार और ड्राइवर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अवैध पटाखे भरकर यूपी से पंजाब जा रहे एक केंटर को डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने नेशनल हाईवे पर शुगर मिल के निकट काबू में लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एक्सप्लोसिव एक्ट सहित अनेक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

डिटेक्टिव स्टाफ प्रभारी हनीश खान ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि एक केंटर में भारी मात्रा में पटाखे के लिए इस्तेमाल होने वाला बारूद भरा हुआ है। यूपी से पंजाब जाने के लिए पलवल से गुजरेगा। सूचना पर उन्होंने टीम का गठन कर नेशनल हाईवे-19 पर शुगर मिल के निकट नाकाबंदी कर दी। उसी दौरान उन्हें तेज रफ्तार से एक केंटर होडल की तरफ से पलवल की तरफ आता हुआ दिखाई दिया। जिसको न रोकने की सूरत में उन्होंने हाईवे पर जाम लगाकर केंटर को रुकवा लिया। केंटर के रुकते ही उसमें से परिचालक सीट पर बैठा हुआ एक शख्स उतरकर भागने लगा, जिसे पुलिस कर्मियों ने मौके पर काबू कर

लिया। केंटर से उतरकर भागने वाला व्यक्ति माल को खरीदने वाला पंजाब के संगरूर निवासी भूषण था। जिसके बाद पुलिस ने केंटर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

उसने अपनी पहचान जिला रोपड़ पंजाब निवासी दर्शन के रूप में बताई। पुलिस टीम ने जब कैंटर की तलाशी ली तो उसमें से 195 पेटियां पटाखों से भरी हुई थीं। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और केंटर से बरामद बारूद को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ सदर थाना में एक्सप्लोसिव एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करा दिया। आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों पर भी शिकंजा कसा जा सके।

बैठक में योगी नाथ समाज की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

पलवल। रेस्ट हाउस में योगी सुखबीर की अध्यक्षता में देश के कई राज्यों से योगी नाथ समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई। जिसमें गुरु गोरखनाथ को श्रद्धा सुमन अर्पित करके बैठक का शुभारंभ किया। देश के विकास में योगी नाथ समाज की लोकतांत्रिक भूमिका और भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। योगी समाज के विभिन्न संगठनों के आपसी तालमेल और ज्यादा से ज्यादा युवाओं की भागीदारी के लिए एक नए संगठन नाथ योगी युवा महासंघ के गठन को लेकर प्रस्ताव पास हुआ। सभी लोगों ने सर्व सम्मति से प्रदीप जोगी करनाल को राष्ट्रीय संयोजक के रूप में नेतृत्व के लिए स्वीकार किया। पश्चिम बंगाल, आसाम, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, आंध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात, छत्तीसगढ़ और अन्य कई प्रदेशों से आए जोगी नाथ समाज के प्रतिनिधियों ने अपने विचारों के साथ संगठन के गठन को लेकर सहमति जताई। जल्द नाथ योगी युवा महासंघ जोगी नाथ समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए क्षेत्रीय संगठनों के सहयोग से देश के सभी राज्यों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

शिविर में 150 मरीजों ने अपनी जांच कराकर दवाई ली

मैगपाई में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को फरीदाबाद के मैगपाई कांपलेक्स में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान सरिता विहार नई दिल्ली के चिकित्सकों द्वारा किया गया। इस शिविर में संस्थान के 10 डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और दवाई दी गई।

शिविर का आयोजन डॉक्टर दीपक व डॉक्टर गीतिका आहूजा की देखरेख में किया गया। यह शिविर समाजसेवी एके शर्मा व मुकेश मलिक के सहयोग से किया गया। शिविर में करीब 150 मरीजों ने अपनी जांच करवाई।

इस अवसर पर मरीजों के कमर दर्द, पेशाब में जलन, पेट दर्द, जोड दर्द, सांस फूलना, शुगर, हाई ब्लैड प्रेशर, लो ब्लड प्रेशर, सिर दर्द, चमड़ी के संबंधित रोगों की जांच की। इस अवसर पर डॉक्टरों ने लोगों को स्वस्थ रहने के लिए उपाय भी बताए।

डॉक्टर दीपक ने कहा कि सभी लोगों को स्वस्थ रहने के लिए खान-पान का ध्यान रखना जरूरी है। रोगों से बचने के लिए लोगो को अधिक तैलिय खाद्य पदार्थों का उपयोग नहीं करना चाहिए।

अधिक मात्रा में चीनी व नमक का उपयोग भी शरीर के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए अधिक मसालों का उपयोग न करें। डॉक्टर गीतिका पाहूजा ने बताया कि लोगों को स्वस्थ रहने के लिए बैलेंस डाइट का प्रयोग करें। तीन चार तरह के मिलाए आटे की रोटियां ही खाएं। उन्होंने कहा कि फल, सब्जियों व दालों का प्रयोग उचित मात्रा में करना चाहिए। इसके अलावा दही, लस्सी का प्रयोग करें। जिससे वे बीमारियों से दूर रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को सुबह-शाम को घूमना चाहिए। ऐसा करने से लोगों का स्वास्थ्य सही रहेगा। इससे वे बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

आयुर्वेद रोगों को पूरी तरह से जड़ से खत्म करता है। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए आयुर्वेद शिविर लगाए जा रहे। वहीं इन शिविरों में लोगों को दवाइयां भी मुफ्त दी जा रही हैं, जिससे लोग स्वस्थ रह सकें। आयुर्वेद दवाइयों का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता है। इस शिविर में फरीदाबाद के अलावा बल्लभगढ़, तिगांव, मोहना, पाखर, पाली, खेड़ी, बड़खल, चावला कॉलोनी, सेक्टर-28, सेक्टर-21, सेक्टर-16 आदि क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई व दवाई ली-**मुकेश मलिक, समाजसेवी**

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने लोगों को गिनवाईं सरकार की उपलब्धियां

सफल आयोजन के लिए भाजपा नेता राजन मुथरेजा की पीठ थपथपाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल विधानसभा क्षेत्र के एनएच मंडल में भाजपा नेता राजन मुथरेजा द्वारा संपर्क से समर्थन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में गुरु गोंसाइयों सहित बड़खल विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मौजूद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप से मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सचिव अजय गौड़, विधायक सीमा त्रिखा, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, पूर्व मेयर सुमनबाला, धनेश अदलक्खा आदि उपस्थित रहे। जबकि गोस्वामी श्यामलाल, हरीश बाली, नंदलाल, योगेश, भूषण बाली, महंत ललित गिरी, महाराज बसंत, प्रकाश महाराज, श्याम सुंदर कपूर, देव सिंह गोंसाईं, मोहन सिंह भाटिया, रेनू भाटिया, गुलशन भाटिया राजमंदिर, अंजू भड़ाना, कौशल बाठला, श्यामसुंदर मुथरेजा, अमित आहुजा, अशोक मुथरेजा, बलविंदर खत्री, संजय शर्मा, सुरेंद्र बजाज, राजकुमार वोहरा आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर राजन मुथरेजा ने बड़ी माला व पगड़ी से अपने सहयोगियों के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री का स्वागत किया। कृष्णपाल गुर्जर ने बड़खल विधानसभा क्षेत्र में इस सफल आयोजन के लिए भाजपा नेता राजन मुथरेजा की पीठ भी थपथपाई। उन्होंने जनसमूह को भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए विपक्ष की पोल खोली। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि लोगों को इतना अपार

समर्थन है कि देश व प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी, इसमें कहीं कोई संशय नहीं है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही आयुष्मान योजना को लेकर कहा कि आज देश के 50 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा ले रहे हैं। वहीं, हरियाणा सरकार द्वारा चिरायु योजना चलाई गई है, जिसमें सालाना तीन लाख की आमदनी वाले लोगों को पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध करवाया जा रहा है।

वहीं, उन्होंने चंद्रयान-3 की कामयाबी को लेकर कहा कि चंद्रयान की सफल लैंडिंग के बाद भारत दुनिया का चांद पर परचम लहराने वाला चौथा देश बन गया है। इस सफलता को लेकर पूरे भारतवर्ष में हवन यज्ञ और दुआएं की गई थीं। इस मौके पर कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेसी नाम बदलकर अपना शीशा साफ करने में लगे हुए हैं, जबकि उनके चेहरे ही काले हैं। इनके पास अगर कुछ है तो अतीत में किए गए काले कारनामे और घोटाले हैं, जिसे कांग्रेस छिपाना चाहती है। नाम बदलने से उनके काले कारनामे और घोटाले छिपने वाले नही हैं। 12 लाख करोड़ के घोटाले उन्होंने यूपीए की सरकार में किए थे, लोग आज तक उसको भूले नहीं। इस मौके पर भाजपा नेता अजय गौड़, जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य जनों ने संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता राजन मुथरेजा ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्ज करवाने पर बड़खल विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें लोगों को जो अपार समर्थन, स्नेह व आशीर्वाद मिल रहा है, उसके वे सदा उनके ऋणी रहेंगे। विशेष रूप से उन्होंने गुरु गोसाइयों का आभार जताया।

पॉलिसी मैच्योरिटी का पैसा दिलाने के नाम पर 27 लाख की ठगी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

साइबर ठगों ने जीवन बीमा की पॉलिसी मैच्योरिटी का पैसा दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 27 लाख रुपये की ठग लिया। आरोपियों ने पैसा दिलाने के लिए प्रोसेस फीस के नाम अपने अलग-अलग खातों में पैसे जमा करा दिए, जिससे की किसी को जल्द ही ठगी का शक न हो। साइबर सेंट्रल थाना ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

मूलरूप से केरल निवासी प्रदीप पिशारोडी ने बताया कि परिवार समेत ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-81 स्थित वीआइपी फ्लोर सोसाइटी में रहते हैं। गुरुग्राम की एक कंपनी में एकाउंटेंट हैं।

उन्होंने साल 2011 में जीवन बीमा कंपनी से 11-11 लाख के दो और ढाई-ढाई लाख रुपये तीन-तीन बीमा पालिसी ली थी। इनकी मैच्योरिटी अवधि 20 वर्ष है। दोनों पॉलिसी ऑनलाइन कराई थी। अप्रैल 2023 में उनके पास एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम बलराज कौर बताया। उसने पीड़ित को पॉलिसी मैच्योरिटी का पूरा पैसा दिलाने का झांसा दिया। विश्वास दिलाने के लिए कि वह सही व्यक्ति है और कंपनी का एजेंट है। इसके लिए बलराज कौर ने वाट्सएप नंबर के साथ अपना आईडी कार्ड फोटो भी पीड़ित को भेजी। जानकारी लेने के बाद 15 मई 2023 को बलराज कौर ने फोन करके बताया कि उसका तबादला मुंबई हो गया है। ऐसे में उन्हें देवेंद्र मिश्रा और अरविंद श्रीवास्तव से बात करनी होगी। इसके बाद इन दोनों से बात होने लगी। दोनों ने पॉलिसी मैच्योरिटी के पैसे दिलाने के एवज में प्रोसेस फीस की मांग की और पैसा चार बैंक खाते भेज दिया। इसके बाद दोनों ने अपने सीनियर से बात कराई।

आरोप है कि 24 अप्रैल से 14 जुलाई 2023 तक आरोपियों ने पॉलिसी मैच्योरिटी दिलाने का झांसा देकर प्रोसेस फीस के नाम करीब 27 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा कराए। जब पैसे नहीं मिले तो उन्हें शक हुआ। पहले आरोपी टालते रहे और बाद में मोबाइल बंर कर लिया। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद के मां पथवारी मंदिर में होगा प्राचीन पंखा मेले का आयोजन

फरीदाबाद। मां पथवारी प्राचीन पंखा मेला का आयोजन 30 अगस्त को किया जाएगा। इस बार मेले का आयोजन पहली बार रात की जगह दिन में किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर होंगे। विशिष्ट अतिथि मूलचंद शर्मा केबिनट मंत्री हरियाणा सरकार होंगे। समारोह की अध्यक्षता फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता करेंगे। इसकी जानकारी मेला कमेटी प्रधान पंडित कृष्ण पहलवान ने दी। उन्होंने बताया कि इस बार मेले की झांकियां 30 अगस्त को दोपहर 12 बजे पथवारी मंदिर से शुरू होकर बाजार से गुजरकर मंदिर पर ही समाप्त होंगीं। पथवारी मेले का दंगल 31 अगस्त को सेक्टर-16 अनाज मंडी में आयोजित किया जाएगा। इस बार मेले के दंगल में लाखों के इनाम विजयी पहलवानों को दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 30 व 31 अगस्त की रात को अनाज मंडी ओल्ड फरीदाबाद में सांग भी आयोजित किया जाएगा। एक सितंबर को पथवारी मंदिर के आंगन में सुंदर कांड आयोजित किया जाएगा। मंदिर के आंगन में ही विजय खिलाडियों को 10 बजे इनाम वितरित किए जाएंगे व 12 बजे एक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मेले में हरियाणा, उतर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब व राजस्थान के काफी संख्या में लोग भाग लेते है। इस मेले में विधायक सीमा त्रिखा, विधायक राजेश नागर, विधायक नयनपाल रावत, अजय गौड़ पूर्व राजनैतिक सचिव, ओपी शर्मा एडवोकेट, यादवेंद्र सिंह संधु पौत्र शहीदे आजम भगत सिंह आदि को विशेष अतिथि बनाया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान टोनी पहलवान, बिल्ला पहलवान, शिव शंकर भारद्वाज, संजीव पाराशर, संतराम शर्मा, नीरज चावला आदि मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर में 31 अगस्त तक आवेदन

पलवल। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर पलवल के सत्र 2024-25 में कक्षा छह में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दी गई है। अब विद्यार्थी 31 अगस्त तक अपने आवेदन जमा करवा सकते हैं। जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर के प्राचार्य डीके सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार के नियमानुसार छात्र-छात्राओं का आरक्षण आरक्षित होगा। सत्र 2023-24 में पलवल जिला में कक्षा पांचवीं में पढाई कर रहे सरकारी, मान्यता प्राप्त एवं गैर सरकारी संस्थान के विद्यार्थी जिनकी जन्म तिथि एक मई 2012 से 31 जुलाई 2014 के बीच है, वह आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा आगामी 20 जनवरी 2024 को आयोजित की जाएगी। कक्षा छह में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

वाहन चोर गिरफ्तार, कई मामलों का किया खुलासा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने चोरी के वाहन खरीदने के आरोपी ताज मोहम्मद को सेक्टर-17 बाईपास रोड से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया। इस दौरान उसने चोरी की कई वारदातों का खुलासा किया। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव प्रभारी राकेश ने बताया कि आरोपी ताज मोहम्मद मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के पटवारी का रहने वाला है। पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। आरोपी से पूछताछ में चोरी के एक अन्य मामलों का भी खुलासा हुआ, जिसमें उसने जुलाई में सेक्टर-3 क्षेत्र से एक ट्रक को चोरी किया था। चोरी किया गया ट्रक हासी ट्रांसपोर्ट नगर से बरामद किया गया है। चोरी की मोटरसाइकिल को आरोपी ने पांच हजार रुपये में अज्ञात व्यक्ति से चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए खरीदा था। एक अन्य चोरी के मामले का खुलासा हुआ, जिसमें आरोपी ने एक टाटा 407 गाड़ी को थाना मुजेसर के क्षेत्र से चोरी किया था। जिसे उसने 60 हजार रुपये में बेच दिया था। खरीदने वाले व्यक्ति ने आरोपी को 10 हजार रुपये नकद दिए थे। बाकी के पैसे अभी लेने बकाया हैं। वाहन खरीदने वाले आरोपी की क्राइम ब्रांच की टीम तलाश कर रही है। आरोपी पर वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश में एक और फरीदाबाद के थाना सेक्टर-8 में 2 मामले दर्ज हैं। आरोपी अदालत से जमानत पर चल रहा है। पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

दिल्ली से कनाडा की टिकट बुक करने के नाम पर 95 हजार ठगे

फरीदाबाद। एक ट्रैवल एजेंट से दिल्ली से कनाड़ा फ्लाइट की टिकट बुक कराना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। बुकिंग के नाम पर आरोपी 95 हजार रुपये ठग लिए। एनआईटी साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-21सी निवासी पवन पुष्करण ने बताया कि एक ट्रेवल एजेंट के माध्यम से अपने पुत्र प्रतीक की कनाडा स्थित बैंकूवर से दिल्ली व वापसी की दिल्ली से बैंकूवर-कनाडा की टिकट बुक कराई थी। इसका सात-आठ नवंबर 2022 को ऑनलाइन भुगतान कर कर दिया। टिकट में यात्रा की तिथि बैंकूवर से दिल्ली एक मई 2023 व वापसी की तिथि दो सितंबर 2023 थी। ट्रेवल एजेंट ने इस बाबत 95 हजार रुपये भी लिए। कनाडा वापस जाने के लिए एजेंसी से टिकट नंबर लिया, जो फर्जी निकला। ऑनलाइन जांच करने पर ये अमान्य पाया गया। साथ ही ट्रेवल एजेंट का मोबाइल नंबर भी बंद जा रहा था। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

शोलाका रेलवे स्टेशन पर मिला युवक का शव, नहीं हुई पहचान

पलवल। शोलाका रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई बेंच पर एक युवक के मृत पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी चंद्रपाल के अनुसार, उन्हें सूचना मिली कि शोलाका रेलवे स्टेशन की बेंच पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही उन्होंने टीम को मौके पर भेज दिया। टीम ने देखा तो वहां बेंच पर एक युवक मृत पड़ा हुआ था, जिसकी पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पहचान नहीं होने पर उसकी तलाशी ली गई, लेकिन उसकी जेब से न तो कोई कागजात मिला और न ही मोबाइल फोन मिला। जीआरपी के प्रयास के बाद जब मृत युवक की पहचान नहीं हुई तो उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पहचान व पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक युवक की उम्र करीब 40 वर्ष है। वह मानसिक बीमारी से पीड़ित प्रतीत हो रहा है। मृतक ने केवल काले रंग की पेंट पहनी हुई है। उसकी मौत शायद किसी बीमारी के चलते हुई है।

17 सितंबर को आयोजित किया जाएगा हरियाणा श्रमिक दिवस

पलवल। हरियाणा के श्रमायुक्त मनीराम शर्मा ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के परिसर में 17 सितंबर को चौथे राज्य स्तरीय विश्वकर्मा दिवस को हरियाणा श्रमिक दिवस के रूप में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम स्थल का दौरा कर जायजा लिया। इस अवसर पर श्रम आयुक्त मनीराम शर्मा ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मीटिंग हॉल में जिला प्रशासन, पुलिस व श्रम विभाग के अधिकारियों की एक बैठक लेकर हरियाणा श्रमिक दिवस की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए। मनीराम शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम स्थल की लेवलिंग, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था, टेंटेज व स्टेज आदि आवश्यक तैयारियों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सीटीएम द्विजा, अतिरिक्त श्रमायुक्त एनसीआर कुशल कटारिया आदि मौजूद रहे।

ब्रिक्स का विस्तार

महत्वपूर्ण परिघटना

ब्रिक्स में 6 अन्य देशों के शामिल होने के बाद यह संगठन दुनिया की एक प्रमुख शक्ति बन जाएगा। हाल ही में ब्रिक्स, 2023 शिखर सम्मेलन समाप्त हुआ जिसने ब्राजील, रूस, भारत, चीन व दक्षिण अफ्रीका के सहयोगी प्रयासों में मील के एक और पत्थर का काम किया। यह सम्मेलन जटिल भू-राजनीतिक परिवर्तनों व वैश्विक चुनौतियों के बीच हुआ। उसने बेहतर दुनिया बनाने के लिए सामूहिक कार्रवाई तथा राजनयिक संपर्कों का महत्व प्रदर्शित किया। ब्रिक्स सम्मेलन का प्रमुख निर्णय 6 नए सदस्यों-अर्जेन्टाइना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात-यूएई को संगठन में शामिल करना है। अब यह 11 देशों का मजबूत समूह बन जाएगा जो भविष्य में जी 20 जैसा बन सकता है। लेकिन उसके पहले इसे अपने सदस्यों के बीच मतभेद दूर करने तथा साझा दृष्टिकोण व रोडमैप तैयार करने की एक व्यवस्था बनानी होगी। सम्मेलन का महत्वपूर्ण क्षण भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन तथा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात रही। दोनों में मतभेदों के बावजूद सहयोग व समझदारी की संभावनायें तलाशने पर जोर रहा। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स के अन्य नेताओं से भी मुलाकात की। मोदी ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में एलएसी पर लंबित मुद्दों पर शी जिनपिंग के समक्ष अपनी चिन्ता प्रकट की। दोनों नेताओं ने सहमति प्रकट की कि वे अपने अधिकारियों को तनाव घटाने व टकराव से बचने के प्रयास करने को कहेंगे। फिलहाल यह कहना कठिन है कि जमीनी स्तर पर इसका कहां तक क्रियान्वयन होगा, लेकिन

फिलहाल इस दिशा में कम से कम थोड़ी प्रगति हुई है। ब्रिक्स सम्मेलन को प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में संगठन के मूल सिद्धान्तों-सहयोग, एकजुटता व परस्पर सम्मान पर जोर दिया गया। उन्होंने जोर दिया कि ब्रिक्स देशों को अपनी शक्तियां व संसाधन एकजुट कर साझा चुनौतियों का सामना करना चाहिए जिनमें जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और कोविड-19 वैश्विक महामारी जैसी स्थितियां शामिल हैं। मोदी ने खोज व साझा प्रगति के प्रति भारतीय प्रतिबद्धता को प्रकट करते हुए ज्यादा तकनीकी सहयोग तथा टिकाऊ विकास पर जोर दिया। लेकिन मोदी-शी द्विपक्षीय बैठक पर सबका ध्यान लगा रहा। भारत-चीन संबंधों के इतिहास व जटिलताओं को देखते हुए यह चर्चा अत्यधिक महत्वपूर्ण है। ऐसे माहौल में जहां भू-राजनीतिक तनावों ने अक्सर इन संबंधों पर दबाव डाला है, नेताओं के बीच मुलाकात संवाद, समझदारी व रचनात्मक संपर्क का मंच प्रदान करती है। इस बैठक में दोनों नेताओं की राजनयिक इच्छाशक्ति भी प्रदर्शित हुई। मतभेदों के बावजूद खुले संवाद के प्रति उनकी इच्छा ने विवाद समाधान के स्वाभाविक दृष्टिकोण का प्रदर्शन तथा यह स्पष्ट किया है कि तनाव घटाने में संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है। हालांकि, इस बैठक से सभी लंबित मुद्दों के समाधान की आशा नहीं है, पर इससे भावी वार्ताओं तथा विश्वास बहाली उपायों का रास्ता खुला है। नेताओं के बीच संबंधों से दोनों देशों की जनता के बीच संपर्क तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान का रास्ता खुलता है। इससे यह भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि दोनों देशों के बीच समझदारी का स्तर काफी गहरा है और वे दीर्घकालीन सहयोग व सद्भावना को बढ़ावा दे सकते हैं। इस शिखर सम्मेलन से ब्रिक्स देशों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में समझदारी और सामूहिक कार्रवाई का केन्द्रीय स्थान बना हुआ है।

राज्यसभा से मंत्रिमंडल में प्रवेश

प्रधानमंत्री का यह कहना उचित है कि राज्यसभा से उनके मंत्रिमंडल में शामिल सदस्य 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ें। इससे राजनेताओं को प्रशासक व जन-नेता की भूमिकाओं में समन्वय का अवसर मिलेगा।

टी.एस. रामकृष्णन
(लेखक, सार्वजनिक नीति विश्लेषक हैं)

प्रधानमंत्री ने संकेत किया है कि उनके मंत्रिमंडल के जो सदस्य राज्यसभा में अपने दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं, उनको पहले से 2024 के आम चुनाव में उतरने के लिए अपनी पसंद की लोकसभा सीटें चुन लेनी चाहिए। हमारे संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री और उनके मंत्रि परिषद सदस्यों के लिए केवल लोकसभा सदस्य होना जरूरी नहीं है। हालांकि, किसी विधेयक को पास करने के लिए लोकसभा व राज्यसभा की स्वीकृति जरूरी होती है, पर केवल लोकसभा के सदस्य ही 'विश्वास' या 'अविश्वास' प्रस्ताव पर मतदान कर सकते हैं। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को देखते हुए प्रधानमंत्री के इस संकेत के व्यापक अर्थ हैं। सभी दृष्टिकोण से भाजपा एक कैडर-आधारित पार्टी है तथा उसके वर्तमान व भूतपूर्व नेताओं ने कभी मतदाताओं का सामना करने में हिचक नहीं दिखाई है, भले ही इसका नतीजा कुछ भी हो। यह स्थिति कैडर-आधारित वामपंथी पार्टियों से अलग है। वामपंथी पार्टियों के पोलिटब्यूरो सदस्य या बुद्धिजीवी अनेक कारणों से मतदाताओं का सामना करने से हिचकते हैं। वे रिमोट कंट्रोल से पार्टी, उसकी विधायिका व मंत्रियों पर नियंत्रण करना चाहते हैं और इस प्रकार वे बिना किसी जवाबदेही के सत्ता का आनन्द उठाते हैं। प्रधानमंत्री के कथन के अनेक नतीजे निकाले जा सकते हैं। भाजपा में बुद्धिजीवियों, प्रशासकों व पार्टी सदस्यों के लिए वामपंथी पार्टियों की तरह अलग शाखायें नहीं हैं।

ऐसे कोई कठोर 'खांचे' नहीं हैं जिनके अंतर्गत पार्टी सदस्य अलग-अलग रहें और काम करें। हालांकि, आरएसएस भाजपा का वैचारिक संरक्षक है, पर आरएसएस के कार्यकर्ता न चुनाव लड़ते हैं और न ही वे विधायक या मंत्री बनना चाहते हैं। ऐसा उस समय तक होता है जब तक आरएसएस उनको भाजपा में शामिल होने या पार्टी में काम करने का निर्देश नहीं देता है। भाजपा के लिए काम करते समय भी वे बिना चुनाव मुकाबलों के फल, विजय या मंत्रिमंडल में स्थान की चिन्ता किए बिना काम करते हैं। हालांकि, भाजपा अनेक कारणों से पार्टी में प्रवेश करने वाले नए लोगों को टिकट देती है। इनमें उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता, चुनाव जीतने की क्षमता तथा चुनावों के दौरान मुद्दे उठाने की क्षमता शामिल है।

भाजपा बादशाह अकबर की मनसबदारी व्यवस्था की तरह काम करती है। मनसबदारी व्यवस्था में पहले हर व्यक्ति सैनिक होता था और उसके बाद ही कुछ और। इसका अर्थ था कि सिविल पद पर होने के बावजूद उनको साम्राज्य की ओर से सैनिक पदों पर भेजने तथा युद्ध लड़ने के लिए कहा जा सकता था। प्रत्येक मनसबदार से एक सेना बनाए रखने तथा बादशाह की इच्छा पर अकबर की सेना की एक बटालियन की तरह सहभागिता करने की आशा की जाती थी। किसी क्षेत्र पर युद्ध की स्थिति में ऐसा होता था। मनसबदारों को उनको आबंटित जमीन-जागीरदारी पर राजस्व संग्रह के अधिकार होते थे तथा उनको अमीर, अमीर-अल-कबीर, अमीर-अल-उमरा और राजा जैसी सम्मानित उपाधियां दी जाती थीं। वे अकबर के दरबार के सदस्य भी बन जाते थे। अकबर के वित्त मंत्री राजा टोडरमल तथा अदालत में मुख्य सेनापति और बुद्धि-विवेक से संपन्न बीरबल के बीच कोई अंतर नहीं था। जब अकबर ने बीरबल और उनकी सेना को यूसुफजई अफगान कबीले का विद्रोह रोकने के लिए भेजा तो युद्धकला से अपरिचित ब्राह्मण बीरबल व उनके 8000 सैनिकों का जीवन मलंदारी दर्रे की लड़ाई में समाप्त हो गया। लोकतंत्र में चुनावों में सफलता और विफलता प्रक्रिया का अंग है और इसमें किसी का जीवन नहीं समाप्त होता है। भाजपा में हर व्यक्ति कार्यकर्ता है, फिर चाहे वह प्रधानमंत्री हो अथवा मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद का सदस्य। आमतौर से विधायी या सरकारी जिम्मेदारियों की तुलना में पार्टी कार्य को वरीयता मिलती है। यह बात चुनाव के समय ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। किसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना पार्टी के काम में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। पार्टी के सभी सर्वोच्च नेताओं ने बार-बार मतदाताओं का सामना किया है। इनमें अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, नरेन्द्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह व योगी आदित्यनाथ शामिल हैं।

यह सवाल महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री का संकेत भाजपा के लिए अच्छा क्यों है? इसका पहला कारण यह है कि भले ही लोकसभा सांसदों में मंत्रिमंडल के प्रमुख स्थान राज्यसभा सदस्यों को देने से कोई असंतोष नहीं है, पर भीतर-भीतर असंतोष हो सकता है। ऐसे में समय रहते संकट के संकेतों का अनुमान लगाना अच्छा है जिनसे पार्टी में समस्या पैदा हो सकती है। दूसरा कारण यह है कि लोकसभा के माध्यम से चुने गए प्रशासक अपना ध्यान जमीन पर रखते हैं और वे अपने अनेक मतदाताओं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं की बात समझते हैं। वे यह भी जानते हैं कि प्रशासक के रूप में किए जाने वाले उनको कौन से कार्य जनता में पसंद किए जाएंगे और कौन से कामों को जनता नापसंद करेगी। हालांकि, प्रशासक के रूप में उनका कार्य मंत्रियों की सहायता करना है, पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, क्षेत्र विशेषज्ञों, नीति विशेषज्ञों, यूनियनों और बिजनेसमैनों से संपर्क के माध्यम से वे मंत्रालय के बारे में काफी चीजें सीख जाते हैं।

लेकिन यह उनके अनुभव का केवल एक हिस्सा होता है। केवल चुनाव लड़ने पर ही उनका पार्टी सदस्यों तथा आम जनता से बेहतर संपर्क हो सकता है। तीसरा कारण यह है कि प्रशासक की भूमिका मस्तिष्क को उर्वर बनाती है और सीधे चुनाव लड़ने से दिल मजबूत होता है। इसमें एक भूमिका दूसरी भूमिका को निभाने में सहायता करती है तथा इस प्रकार एक राजनेता व प्रशासक के बीच संतुलन विकसित होता है। इससे प्रशासनिक कौशल भी सुधरता है। चौथा कारण यह है कि भले ही राज्यसभा में चुनाव परोक्ष रूप से होता है, पर यह राज्य विधायिकाओं में पार्टी की शक्ति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में कोई पार्टी राज्यसभा में एक सदस्य केवल तभी भेज सकती है जब उसके पास कम से कम 35 विधायक हों। यह संख्या एक राज्य से दूसरे राज्य में बदलती है। इस प्रकार राज्यसभा सदस्य किसी पार्टी के लिए 'मुफ्त भोजन' जैसा नहीं होता है, हालांकि यह उस व्यक्ति के लिए मुफ्त भोजन हो सकता है जो राज्यसभा में निर्वाचित होता है। इसलिए प्रशासकों के लिए महत्वपूर्ण है कि वे पूरी गहराई से चुनावी राजनीति में शामिल हों तथा इसमें समुचित योगदान करें। सबके लिए यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य है कि प्रशासन का अवसर प्राप्त करने के लिए पार्टी का चुनाव में जीतना जरूरी है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है कि प्रधानमंत्री राज्यसभा से मंत्रिपरिषद में आने वाले अपने सदस्यों को लोकसभा चुनाव लड़ने तथा चुनाव जीत कर आने की इच्छा प्रकट कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं अपने उदारहण से सिद्ध किया है कि वे अत्यन्त उत्कृष्ट प्रशासक हैं। इसके साथ ही देश के किसी भाग में चुनाव होने पर वे भाजपा की रक्षा व आक्रमण पंक्ति में पहले स्थान पर होते हैं। हालांकि, इस तथ्य का दूसरा रूप भी उतना ही सच है। किसी चुनाव में हार जाने का यह अर्थ नहीं होता कि कार्यकर्ता या नेता की प्रशासन करने की छवि प्रभावित होती हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दृष्टिकोण से भी विचार करते हैं। जब अरुण जेटली तथा हरदीप सिंह पुरी 2014 व 2019 में लोकसभा चुनाव हार गए तो भी प्रधानमंत्री मोदी ने उनको पूरी सज्जनता के साथ राज्यसभा के माध्यम से अपनी कैबिनेट में स्थान दिया। इस तथ्य को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह पूर्ण अधिकार है कि वे राज्यसभा से मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सदस्यों को लोकसभा चुनाव में उतरने को कहें। उन्होंने दो कार्यकाल राज्यसभा में बिता चुके अपने मंत्रिमंडल सदस्यों को अपनी पसंद की सीटों से लोकसभा चुनाव में उतरने को कहा है। इससे अनेक राजनेता अपने सुरक्षित व आरामदेह क्षेत्र को छोड़ कर लोकसभा चुनाव में विजय के सर्वोत्तम प्रयास करने को प्रेरित होंगे।

अंतरिक्ष में बढ़ते भारत के कदम

भारत को अंतरिक्ष में महाशक्ति बनाने के लिए इसरो की सफलता और निजी क्षेत्र की ताकत साथ-साथ चल सकती है।

बिशल कुमार साहा
(लेखक वैज्ञानिक शोधकर्ता हैं)

चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण की शानदार सफलता ने एक बार फिर अंतरिक्ष अन्वेषण में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की क्षमता को रेखांकित किया है, जिससे भारत की ब्रह्मांडीय आकांक्षाएं नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई हैं।

यह मिशन भारत में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती प्रमुखता को भी उजागर करता है, जिसमें अनंत टेक्नोलॉजीज, स्काईरूट एयरोस्पेस और ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। हैदराबाद स्थित अनंत टेक्नोलॉजीज ने पावर-स्विचिंग मॉड्यूल और नेविगेशन सिस्टम जैसे आवश्यक घटक प्रदान करके चंद्रयान -3 मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह, हैदराबाद स्थित कंपनियां स्काईरूट एयरोस्पेस और ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है। पिछले नवंबर में लॉन्च किए गए स्काईरूट के विक्रम-एस रॉकेट ने सरकार के लंबे समय से चले आ रहे एकाधिकार को बाधित कर दिया, जिससे अंतरिक्ष बाजार में निजी खिलाड़ियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हो गया। वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग, जिसका मूल्य वर्तमान में 500 बिलियन से अधिक है, पर संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे भारी खर्च करने वालों का प्रभुत्व है।

1960 के दशक से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की उपस्थिति के बावजूद, इसकी वर्तमान हिस्सेदारी मामूली 2 प्रतिशत, लगभग 9.6 बिलियन डॉलर है। हालांकि, देश ने 2025 तक 12.8 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। वैश्विक अंतरिक्ष प्रक्षेपण सेवा बाजार का अनुमान, 2029 तक दोगुना होकर 31.9 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो इस क्षेत्र की तीव्र विकास क्षमता को इंगित करता है। अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यापक अवसर उपलब्ध होने के साथ, भारत को अपनी अंतरिक्ष

क्षमता को पूरी तरह से अनलॉक करने के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना चाहिए। स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन और वर्जिन गैलेक्टिक जैसी कंपनियों ने लागत और टर्नअराउंड समय को काफी कम करके अंतरिक्ष क्षेत्र के परिदृश्य को बदल दिया है।

2020 में, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के गठन ने इसरो और निजी क्षेत्र के बीच की खाई को पाटने में मदद की, जबकि नियमों में ढील ने निजी खिलाड़ियों को बाजार में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर भारत के फोकस के कारण 100 से अधिक स्पेसटेक स्टार्टअप का उदय हुआ है, जिससे 200 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग जुटाई गई है। आईएनसी 42 के अनुसार, स्पेसटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम में अवसर 2030 तक 77 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, निजी खिलाड़ियों के सामने एक चुनौती उनकी एंड-टू-एंड क्षमताओं की कमी है, जिससे उन्हें सक्षम करने के लिए राज्य सरकारों और नीति निर्माताओं से अधिक समर्थन की आवश्यकता होती है। तेलंगाना सरकार ने अपनी स्पेसटेक नीति का अनावरण करके हैदराबाद को भारत की स्पेसटेक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में पहले ही कदम उठाए हैं। इस नीति का उद्देश्य स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल माहौल बनाना और विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाना है, जिससे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र को और बढ़ावा मिलेगा। यूके स्थित वनवेब के 36 इंटरनेट उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने और मंगल ग्रह पर पहले अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की दृष्टि से आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने जैसे सफल मिशनों के साथ, इसरो की उपलब्धियां राष्ट्रीय सीमाओं से परे तक फैली हुई हैं।

नासा जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ सहयोग पर भी काम चल रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों का एक संयुक्त मिशन भी शामिल है। पूर्व इसरो वैज्ञानिक नंबी नारायणन का यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समान एक एशियाई अंतरिक्ष एजेंसी स्थापित करने का प्रस्ताव, बड़े अंतरिक्ष अभियानों के संचालन के लिए सहयोगात्मक प्रयासों और साझा संसाधनों की आवश्यकता पर जोर देता है। अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए इसरो की क्षमताओं को मजबूत करना और देश भर में नवप्रवर्तकों को बढ़ावा देने वाले वातावरण को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा।

चंद्रयान-3 की सफलता ने न केवल इसरो की शक्ति को प्रदर्शित किया है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी खिलाड़ियों की बढ़ती भूमिका को भी उजागर किया है। सही पारिस्थितिकी तंत्र, समर्थन और सहयोग के साथ, भारत में वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की क्षमता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। भारत के अंतरिक्ष उद्योग का भविष्य रोमांचक संभावनाओं से भरा है, जिसमें सरकारी और निजी दोनों खिलाड़ियों के लिए हाथ से काम करने और अंतरिक्ष अन्वेषण को वैज्ञानिक उपलब्धि की नई सीमा बनाने के अवसर हैं।

आप की बात

संग्रहालय में चोरी

ब्रिटेन की राजधानी लंदन स्थित 270 साल पुराने ब्रिटिश संग्रहालय सेए सैकड़ों की संख्या में दुर्लभ वस्तुओं, धरोहरों एवं आभूषणों के गायब होने का पुख्ता समाचार सामने आया है। 8 लाख 7 हज़ार वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस संग्रहालय की 94 दीर्घाओं में करीब 80 लाख दुर्लभ वस्तुएं, लोगों की दर्शनार्थ प्रदर्शित की गई हैं। यहाँ से क्या क्या और कितनी वस्तुएं गायब हुए हैं इसका हिसाब-किताब पूरा नहीं हुआ है। लेकिन प्रारंभिक जांच में 935 के करीब रत्न गायब पाए गए हैं जो 200 से लेकर 500 वर्ष पुराने थे। चोरी की इस घटना के बाद ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक हार्टविग फ्शिर के साथ साथ उप-निदेशक जोनाथन विलियम्स ने भी इस्तीफे की घोषणा की है। इनमें से अधिकांश वस्तुएं संभवत: ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपने गुलाम देशों की लूट का नतीजा हैं, पर इसके बावजूद इस विश्वविख्यात संग्रहालय में इतने बड़े पैमाने पर चोरी ब्रिटेन में बढ़ रही अव्यवस्था और अराजकता का नतीजा है। इससे ब्रिटेन की छवि और खराब हुई है जो पहले से ही अनेक समस्याओं का सामना कर रहा है। इससे दुनिया भर में संग्रहालयों की सुरक्षा पर भी सवाल उठते हैं जिनसे पुरातात्विक वस्तुओं के व्यापारी जुड़े हो सकते हैं।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

ब्रिक्स का आकर्षण

ब्रिक्स देशों के संगठन विस्तार की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। अंतत: छ: नए राष्ट्रों को इसमें शामिल करने की सहमति हुई है जबकि कई अन्य राष्ट्र भी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन कर चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय हालात दिन-ब-दिन तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। इन दो देशों के युद्ध से विश्व के अन्य देशों को भी बिना वजह परेशानियां उठाना पड़ रही है। इस युद्ध के शीघ्र समाप्त न होने का एक कारण विश्व में ऐसे प्रभावशाली संगठन की कमी है जो इस युद्ध को रोकने में अपनी भूमिका निभा सके। ब्रिक्स के विस्तार से एक नये अंतरराष्ट्रीय संगठन का उदय हो रहा है। ब्रिक्स के विस्तार में भारत को अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए उसी के अनुसार चलना होगा। चीन या रूस का ब्रिक्स पर दबदबा ना बनने पाए, इसके लिए संतुलन बनाए रखने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। ब्रिक्स को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसे पश्चिम-विरोधी या चीन-समर्थक संगठन न समझ लिए जाए। विभिन्न देशों में ब्रिक्स का आकर्षण बनाए रखने के लिए जरूरी है कि उसे तटस्थ, गरीब व विकासशील समर्थक संगठन समझा जाए।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

अल्पसंख्यकों की स्थिति

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ता भेदभाव भारतीय मुस्लिम नेताओं व कथित सेक्युलर नेताओं को यह दिखाने का प्रयास करता है कि भारत में अल्पसंख्यक कितने सुरक्षित व स्वतंत्र हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान और भारत की शासन व्यवस्था में मूलभूत अन्तर के चलते 1947 के समय पाकिस्तान का 20 प्रतिशत अल्पसंख्यक आज 3 प्रतिशत और भारत का 7 प्रतिशत अल्पसंख्यक आज 18 प्रतिशत क्यों हो गया? इसका कारण पाकिस्तानी शासन के साथ वहां के बहुसंख्यक समाज की कट्टरता व असहिष्णुता भी है जो उन्हें गैर मुस्लिमों से घृणा की सीख देता है। आज पूरे विश्व में फैला आतंकवाद मज़हब की दुहाई देकर पनपा है। यदि इस्लाम किसी अन्य के प्रति घृणा करने की अनुमति नहीं देता तो फिर पाकिस्तान सहित अनेक इस्लामिक राष्ट्रों में ईशनिंदा कानून अस्तित्व में क्यों है? जिसकी आड़ में कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों की हत्या तक कर देते हैं और उस देश का कानून हाथ पर हाथ धरे रहता है। यहां मानवाधिकार संगठन भी कट्टरपंथियों के डर से कुछ नहीं कर पाते। वैश्विक संगठनों को इस स्थिति पर विचार करना चाहिए।

- **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

मोदी-जिनपिंग मुलाकात

ब्रिक्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात से दोनों देशों के बीच मधुरता की शुरुआत हो सकती है। भले ही यह छोटी सी मुलाकात हो, पर इससे दुनिया में बेहतर सन्देश जा रहा है। इसका सबसे अधिक असर पड़ोसी पाकिस्तान पर पड़ सकता है। हमें सीमा पर शांति की सबसे ज्यादा जरुरत है जो संभवत: ब्रिक्स में शी-जिनपिंग मुलाकात से संभव हो सकती है। हालांकि, अभी शी-जिनपिंग मुलाकात के जमीनी असर पर नजर रखनी जरूरी है। चीन ने अब तक अपने अनेक वादे पूरे नहीं किए हैं और वह भारत-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। लेकिन चंद्रयान-3 की सफलता से भारत का दुनिया में कद जिस प्रकार बढ़ा है, वह चीन के लिए भी चिन्ता का विषय हो सकता है। ऐसे में शायद लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था व दुनिया भर में सम्मान में कमी के चलते शी जिनपिंग भारत से झगड़ा बढ़ाने के बजाय उसके साथ शांति स्थापित करना ज्यादा अच्छा समझें। ऐसे में विपक्षी दलों को मोदी-विरोध में चीन पर बयानबाजी में संतुलन बरतना चाहिए।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

विरोधियों के हर कुचक्र व झूठ का पूरी ताकत से दें जवाबः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आईटी और सोशल मीडिया विभाग की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में सम्पन्न हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में हुई। कार्यशाला में भाजपा के 'शंखनाद अभियान' का भी उद्घोष हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'शंखनाद अभियान' की कार्यशाला में भाजपा सोशल मीडिया टीम से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने के लिए विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों का भरपूर उपयोग करने के लिए कई टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि विरोधी दल के किसी भी झूठ का जवाब योजना के लाभार्थियों के जरिये दिलाएं। इससे ना सिर्फ विरोधियों के झूठ का पर्दाफाश होगा, बल्कि इससे उन्हें मुंहतोड़ जवाब भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नकारात्मक सूचनाओं का सही समय पर जवाब देना जरूरी है। सही और तार्किक जवाब दें, साथ ही भाषाई मर्यादा का भी विशेष ध्यान रखें। योजनाओं की जानकारी रखें। इस समय विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं है।

अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरे विश्व में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। इस नये भारत की ताकत आज हर कोई महसूस कर रहा है। एक ओर हम आजादी के अमृत काल को मना रहे हैं तो वहीं भारत के सामर्थ्य का प्रदर्शन दुनिया भी देख रही है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चल रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं, फिर चाहे वो गरीब कल्याण को समर्पित हों, महिलाओं को समर्पित होंए उद्योंग धंधे के लिए अनूकूल वातावरण बनाने के लिए हों, रोजगार के नये अवसर सृजन करने की दिशा में हुए अभूतपूर्व कार्य हों, खेल हो, देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा हो या फिर अंतरिक्ष में चंद्रयान 3 के जरिए हमारी ऊंची छलांग हो, ये सभी कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और उनके महान विजन को मिशन के रूप में लेते हुए क्रियान्वित करने से साकार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ आज हर किसी के लिए गौरव की बात हो चुकी है। बड़े-बड़े हाईवे, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, वाटरवे और रेलवे एक बड़ा उदाहरण है, जहां हर तरफ व्यापक पैमाने पर बदलाव नजर आ रहे हैं। हमें इन्हीं उपलब्धियों को देश और प्रदेश की जनता के बीच सकारात्मक भाव से ले जाना है। आज तकरीबन हर इंसान स्मार्टफोन यूजर है, जिसके पास देश और प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलाव की सच्ची तस्वीर हर हाल में पहुंचनी ही चाहिए। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ज्यादा ताकतवर मंच और कोई नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आईटी और सोशल मीडिया के सदस्यों को टीम भावना के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आईटी और सोशल मीडिया विभाग के सदस्य जोरदार तरीके से शंखनाद अभियान चलाएं और विरोधियों के हर कुचक्र और झूठ का पूरी ताकत के साथ जवाब दें, इसके लिए योजनाओं के लाभार्थियों से बात करें और उनके अनुभव को रिकॉर्ड करें और झूठा आरोप लगाने वालों को टैग करें। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक तक ये संदेश पहुंचना चाहिए कि मोदी राज में किस तरह से देश ना सिर्फताकतवर हुआ हैए बल्कि इसके सामर्थ्य का लोहा भी आज पूरी दुनिया मान रही है। इसके लिए हम सभी को खुद को अपडेट रखना होगा।

वर्तमान दौर युवा शक्ति का हैः भूपेन्द्र चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने आईटी एवं सोशल मीडिया की कार्यशाला में कहा कि वर्तमान दौर युवा शक्ति का दौर है। आज का युवा सोशल मीडिया के अनेको प्लेटफार्म पर सक्रियता के साथ जुड़ा हुआ है। उन्होने कहा अपनी बात, अपनी विचारधारा और सरकार के कार्यो को आमजनमानस तक सहजता और सरलता के साथ शीघ्रता से पहुंचाने में सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने यह बात रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में भाजपा के सोशल मीडिया 'शंखनाद अभियान' कार्यशाला के दौरान कही।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कई बार ऐसे प्रकरण सामने आते है कि जब विपक्षी दल झूठे आरोपो और घटनाओं को तोड़-मोड़ कर मनगढ़त ढ़ग से प्रस्तुत करके सोशल मीडिया पर हमारी सरकार और संगठन के खिलाफ दुष्प्रचार करता है। ऐसे में हम सभी कार्यकर्ताओं का यह दायित्व बनता है कि वे सजगता के साथ ऐसे दुष्प्रचार का तुरन्त तार्किक ढ़ग से तथ्यपरक जवाब दे। इसके लिए आवश्यक है कि हम हमेशा अपडेट रहे।

उन्होंने कहा सोशल मीडिया का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा है। ऐसे में हमें अपनी बात को और सरकार के कार्यों का बेहतर ढ़ग से प्रचार-प्रसार करने के लिए बेहद सजगता के साथ संगठन की योजनानुसार कार्य करना

- **लोकसभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया के योद्धाओं को अपनी भूमिका का प्रभावी ढ़ग से निर्वहन करना होगाःभाजपा प्रदेश अध्यक्ष**
- **सोशल मीडिया पर चुनौतियां और बढ़ेंगीःधर्मपाल**

है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी लोकसभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया के योद्धाओं को अपनी भूमिका का प्रभावी ढ़ग से निर्वहन करना होगा।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से सोशल मीडिया और आइटी विभाग के कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ी हैं। उन्होंने कहा सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं को पूरी सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 24 घंटे सजग रहते हुए सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर सक्रिय रहना होगा।

उन्होंने कहा हम सबको सोशल मीडिया के प्रत्येक प्लेटफार्म पर न सिर्फविपक्षी दलों द्वारा फैलाये जा रहे दुष्प्रचार को तथ्यात्मक ढ़ग से जवाब देना है बल्कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का भी प्रचार प्रसार करना है।

उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही विपक्षी दल अफवाहें फैलाएगें, षड़यंत्र करेंगे जिसका हम सभी को डटकर मुकाबला करना है। उन्होंने कहा कि फेक आईडी को विपक्षी दल हथियार बनाकर काम कर रहे हैं। हमें ऐसे फेक आईडी वालों की पहचान उजागर करना है। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि सिर्फ पैकिंग चेंज हुई है, माल वही पुराना है।

तुष्टीकरण, जातिवादी, भ्रष्टाचारी, परिवारवादी तथा अपराधी संरक्षण के ऐजेंडे पर चलने वाले विपक्षी दल अब नए नाम से नया गठबंधन बनाकर आए है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया में भारतीय जनता पार्टी की प्रभावी पक्ष के लिए शंखनाद अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। आगामी दिनों में जिलों की कार्यशाला होगी।

भाजपा ने स्मार्ट सिटी के नाम पर जनता को धोखा दिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता को स्मार्ट सिटी के नाम पर धोखा दिया है। स्मार्ट सिटी और गंगा सफाई के नाम पर जबर्दस्त भ्रष्टाचार हुआ है। केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें मिलकर अभी तक उत्तर प्रदेश में एक भी स्मार्ट शहर नहीं बना पायीं। शहरो का यातायात व्यवस्था चौपट हैं। सड़कों पर सांड घूमते हैं। सांडो के हमले से अब तक सैकड़ों की जान जा चुकी है। बरसात में सड़कें जलमग्न हो जाती है। सीवर सफाई का बुरा हाल है। न पीने का स्वच्छ पानी मिल रहा है और नहीं कूड़ा निस्तारण की सुचारू व्यवस्था बन पाई है।

अखिलेश ने कहा कि राजधानी लखनऊ हो, प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी अथवा मुख्यमंत्री जी का गृहनगर गोरखपुर हर महानगर का बुरा हाल है। मुख्यमंत्री जी गोरखपुर को लेकर बड़े.बड़े दावे करते हैं। लेकिन वहां की जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बरसात में सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। स्मार्ट सिटी के नाम पर बजट का बंदरबांट हुआ है। अखिलेश ने कहा कि पर्यटन नगरी आगरा में जल भरावए प्रदूषण और सड़कों पर सांडों का आतंक है। इसी तरह से गंगा सफाई के नाम पर हजारों करोड़ रूपयों को बहा दिया गया लेकिन मां गंगा साफ नही हुई। गंगा नदी की स्थिति आज भी जस की तस है। प्रदेश की अन्य नदियों का भी बुरा हाल है। भाजपा ने लखनऊ में गोमती नदी की स्थिति खराब कर दी है। नदी में अब भी नाले की गंदगी गिर रही है। समाजवादी सरकार में गोमती नदी पर सुन्दर रिवर फ्रन्ट बनाया गया लेकिन भाजपा सरकार ने उसे भी बर्बाद कर दिया। सड़कों की दशा खराब हैए जगह.जगह गड्ढे है। भाजपा सरकार के सात साल होने को है लेकिन सड़कों के गड्ढे नही भर पायी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में स्मार्ट सिटी जैसी योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। आम जनता की गाड़ी कमाई की लूट हुई। ठेकेदार मालामाल हो गये हैं जनता को सिर्फ सपने दिखाए जा रहे हैं।

प्रदेश की सड़कों पर अब नजर नहीं आएंगे निराश्रित गोवंश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की सड़कों पर अब निराश्रित गोवंश भटकते नजर नहीं आएंगे। योगी सरकार ने इनकी सुरक्षा और देखभाल के लिए कड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निराश्रित गोवंश को पहले से संचालित गो सरंक्षण केंद्रों तक पहुंचानेए उनके लिए हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने और समय.समय पर स्वास्थ्य प्रशिक्षण के लिए निर्देश दिये हैं। साथ ही जिलाधिकारियों को इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लगातार प्रदेश भर में सड़कों पर निराश्रित गोवंश की तादाद बढ़ने की शिकायतें मिल रही थीं। इस पर सीएम योगी ने पहले भी अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई थीए जिसके बाद काफी सुधार भी देखने को मिला है और अब योगी सरकार ने इस दिशा में और तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये हैंए ताकि प्रदेश की सड़कों पर एक भी निराश्रित गोवंश न दिखे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निराश्रित गोवंश की सुरक्षा और देखभाल का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में गो आश्रय स्थल बढ़ाने को कहा है। मालूम हो कि वर्तमान में प्रदेश भर में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए 6889 आश्रय स्थल संचालित हैंए जिसमें 6346 ग्रामीण और 543 शहरी क्षेत्रों में मौजूद हैं। इन आश्रय स्थलों

- **मुख्यमंत्री योगी ने निराश्रित गोवंश की सुरक्षा और देखभाल के लिए जिलाधिकारियों को दिये निर्देश**
- **निराश्रित गोवंश को प्रदेश में संचालित गो संरक्षण केंद्रों तक पहुंचाने और हरे चारे की व्यवस्था करने के आदेश**

में वर्तमान समय में 1182949 निराश्रित गोवंश की देखभाल की जा रही है। सीएम योगी ने विभाग को प्रदेश में गो आश्रय स्थल बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का आदेश दिया है ताकि इसे कैबिनेट में शामिल कर बजट जारी किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने गोवंश आश्रय स्थलों के वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन मजबूत करने को भी कहा हैए जिससे आश्रय स्थल की स्थिति में सुधार आ सके। वहीं सीएम योगी ने हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए गोचर भूमि की जियो टैगिंग एवं कब्जा मुक्त करा कर नेपियर घास लगवाने को कहा है।

अपर मुख्य सचिव पशुधन डॉ. रजनीश दुबे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक निराश्रित गोवंश की गो आश्रय स्थलों पर रहने की उचित व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के टूटे हुए कैटल शेड की मरम्मत कराने के साथ खडंजा इंटरलॉकिंग की व्यवस्था की जा रही है। वहीं यहां काम करने वाले मजदूरों के मानदेय बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। साथ ही आश्रय स्थल से संबंधित सभी जानकारियों को पोर्टल पर अपडेट करने पर जोर दिया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि किस गो आश्रय स्थल पर कितने निराश्रित गोवंश को संरक्षित किया गया है और वहां पर और कितने गो वंश को संरक्षित किया जा सकता है। इतना ही नहीं जिलाधिकारी द्वारा समय.समय पर आश्रय स्थल का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच की जाएगी। वहीं अधिकारियों द्वारा ऐसे हॉट स्पॉट का भी चिन्हांकन होगा जो निराश्रित गोवंश के लिए अत्यंत जोखिम वाले हैं। इनमें नगरीय मंडी और नदी तट आदि शामिल हैं।

मतदाता वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों से भी कर सकते हैं मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार 354 घोसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन के लिये 05 सितम्बर 2023 को होने वाले मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत कर सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने बताया कि मतदाता वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र ध्राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसद/विधायक/एमएलसी/विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत कर मतदान कर सकते है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने बताया कि एपिक के संबंध में लेखन अशुद्धि वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजरअंदाज कर देना चाहिये, बशर्ते निर्वाचक की पहचान ऐपिक से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते उस निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदान केन्द्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। यदि फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना सम्भव न हो, तब निर्वाचक को वैकल्पिक फोटो दस्तावेजो मे से एक को प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रवासी निर्वाचकों को जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा.20 क के अधीन निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत हैं, मतदान केन्द्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं के आधार पर ही पहचाना जायेगा।

भाजपा ने तेलीय समुदाय को उपेक्षित रखाः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजस्थान सरकार द्वारा तेली समुदाय के सामाजिकए शैक्षणिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए राजस्थान राज्य तेली घाणी विकास बोर्ड की स्थापना करने पर राजस्थान प्रदेश की कांग्रेस सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु आज पूर्व विधायक कांग्रेस नेता राकेश राठौर के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उत्तर प्रदेश तैलिय महासंघ द्वारा आभार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से तैलिय महासंघ के सैकड़ों पदाधिकारी एवं हज़ारों कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस तैलिय समाज के सामाजिक विकास और उत्थान के लिए हमेशा समर्पित रही हैए आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सबसे ज्यादा नुकशान छोटे व्यापारियों का हुआ है जो बड़ी तादात में तैलिय समाज से आते हैंए क्योकि भारतीय जनता पार्टी पूंजीपतियों के साथ खड़ी है। कांग्रेस पार्टी सदा छोटे और मध्यम व्यापारियों के समर्थन में रही है और सरकार में रहते हुए छोटे मझोले व्यापारियों के हित में नीतियां बनाई लेकिन आज भाजपा उन कानूनों को समाप्त कर छोटे व्यापारी को समाप्त करने में लगी हैए हम आप सभी को भरोसा दिलाते हैं कि कांग्रेस की केंद्र में 2024 में सरकार बनने पर पुनः आप सभी के हित में नीतियां बनाई जाएगी क्योंकि आप ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि केन्द्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर राजस्थान सरकार द्वारा बनाये गये तेली घाणी विकास बोर्ड की भांति केन्द्रीय बोर्ड स्थापित कर पूरे देश में तैलिय समाज के लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशासन प्रभारी दिनेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी समुदायों की पार्टी हैए वह सभी लोगों के उत्थान के लिए काम करती है। राजस्थान प्रदेश सरकार द्वारा बनाया गया राज्य तेली घाणी विकास बोर्ड इसी का परिणाम है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन सचिव अनिल यादव ने कहा कि हम लोग लगातार जातीय जनगणना के सवाल को उठा रहे हैंए उसमें तैलिय समुदाय के महासंघ से समर्थन की उम्मीद करते हैं। हम लोग मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फैंकेगे। भाजपा सिर्फ अपने नेताओं की जातियों के बारे में बताती है लेकिन जाति जनगणना पर मौन धारण कर रखा है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, राकेश राठौर, नितान्त सिंह नितिन, रवीन्द्र राठौर आदि सम्मिलित हुए।

केसीआर और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू : डॉ. राजेश्वर सिंह

- **लखनऊ सरोजनीनगर विधायक ने तेलंगाना के नरसापुर में किया विजय का शंखनाद, भव्य रैली में उमड़ा जनसैलाब**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नरसापुर

तेलंगाना की मेडक जिले के नरसापुर में रविवार को अनोखा नजारा देखने को मिला। यूपी की राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में नरसापुर विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक रैली का आयोजन किया गया। नरसापुर के साईं कृष्णा फंक्शन हॉल से आरंभ हुई इस भव्य रैली में जनसैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही। इस रैली के माध्यम से डॉ. राजेश्वर सिंह ने भाजपा की विजय का शंखनाद किया।

22 किमी से अधिक लंबी रैली की भव्यता देखते ही बन रही थी। कड़ी धूप और भीषण गर्मी में भी ऊर्जामयी कार्यकर्ताओं का जोश बिल्कुल भी कम नहीं हुआ। क्या बच्चे, क्या बूढ़े, क्या जवान, इस रैली में शामिल हर किसी का उत्साह चरम पर था। भाजपा और पीएम मोदी के जिंदाबाद के नारे लगाती हुई यह रैली जहां जहां से गुजरी, अपनी छाप छोड़ती रही।

भव्य रैली का समापन मंडल हतनूरा के ग्राम पंचायत मधुरा स्थित दत्तात्रेय मंदिर में भगवान ?दत्तात्रेय के दर्शन.पूजन कर किया गया। यहां डॉण् राजेश्वर सिंह ने मंदिर में सुविधाओं के प्रसार हेतु अंशदान अर्पित किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह अप्रतिम है, जनता का अभूतपूर्व समर्थन इस बात का साक्षी है कि इस बार तेलंगाना में कमल खिलना तय है। एमएलए प्रवास पर तेलंगाना पहुंचे डॉण् राजेश्वर सिंह राज्य के मेडक जिले की नरसापुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर रहे हैं, साथ ही जनता के बीच जाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों को भी पहुंचा रहे हैं।

रैली से पहले डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रेस वार्ता भी की। इस दौरान उन्होंने केसीआर और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा साथ ही केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान भी किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार की परिवारवाद व तुष्टिकरण की राजनीति और भ्रष्टाचार ने तेलंगाना के विकास को रिवर्स गियर में डाल दिया है। उनका जनता या राज्य की प्रगति से कोई सरोकार नहीं है। केसीआर ने नौजवानों के विश्वास से छल किया, राज्य लोकसेवा आयोग के पर्चे लीक हुए, मेडिकल सीट आवंटन में घोटाला हुआ।

हर खेत तक पानी पहुचांने के नाम पर अन्नदाताओं के साथ धोखा हुआ, धान की खरीद में घोटाला हुआ, किसानों को केंद्र सरकार की फसल बीमा से भी वंचित रखा गया। बीआरएस सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त है, हैदराबाद साइबर सिटी है लेकिन देश का 15 जी साइबर क्राइम यहीं हो रहे हैं।

भारत में 52 हजार साइबर क्राइम होते है, इसमें से 12 हजार तेलंगाना में ही हो रहे हैं। महिलाओं.बच्चों-वृद्धों के विरुद्ध अपराध निरंतर बढ़ रहे हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराध 17 हजार से बढ़कर 20 हजार तो बच्चों के विरुद्ध प्रतिदिन 17 क्राइम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना में 2500 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण करवाया, 1ण्95 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन का लाभ दिया, 40 लाख किसान भाइयों को सम्मान निधि प्रदान की।

इस दौरान नगर अध्यक्ष मुरली यादव, विधानसभा संयोजक वी. मल्लेश गौड़, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश गौड़, मंडल अध्यक्ष रवि गौड़, रघुवीर रेड्डी सहित मंडल के सभी नेता, मंडल प्रभारी, शक्ति केंद्र के प्रभारी, भाजपा के विभिन्न मोर्चा के प्रभारी, बूथ अध्यक्ष सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में जनता भी उपस्थित रही।

भव्य रैली के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने नरसापुर विधानसभा में शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज एक बहादुर, बुद्धिमान और निडर शासक, धर्मनिष्ठ, न्यायप्रिय योद्धा थे। शिवाजी महाराज की वीरता की कहानियां आज भी लोगों में उत्साह का संचार करती हैं, राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत करती है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण के तहत उच्चाधिकारियों द्वारा किया गया भ्रमण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता। शाहजहांपुर

जनपद शाहजहांपुर में, श्रीमती सौम्या अग्रवाल, आयुक्त, बरेली मंडल बरेली व डॉ राकेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, बरेली परिक्षेत्र, बरेली ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ के भ्रमण कार्यक्रम से पूर्व स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने व आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। दिनांक 28.08. को शिव मंगल सिंह डिग्री कॉलेज, मिर्जापुर, शाहजहांपुर में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इस कार्यक्रम दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण एवं राहत सामग्री का वितरण किया जाएगा। सौम्या अग्रवाल, कमिश्नर बरेली मंडल बरेली, एवं डॉ राकेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, बरेली परिक्षेत्र, बरेली ने श्री उमेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी शाहजहाँपुर व श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर के साथ मुख्यमंत्री के आगमन हेतु प्रतावित कार्यक्रम स्थल शिवमंगल सिंह डिग्री कॉलेज, मिर्जापुर, का स्थलीय निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने बनाए जा रहे हेलीपैड के चिन्हित स्थान को देखा तथा समस्त किए गए सुरक्षा के प्रबंध की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए। साथ ही श्री राकेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, बरेली परिक्षेत्र, बरेली ने भी सुरक्षा के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने हेतु पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर को निर्देशित किया।

कमिश्नर बरेली मंडल, बरेली सौम्या अग्रवाल ने कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता की तथा सुरक्षा के दृष्टिगत कड़े इंतजाम करने हेतु सभी अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी एसबी सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पांडे, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉक्टर सुरेश कुमार, उपजिलाधिकारी कलान महेश कुमार कैथा, अपर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण संजीव कुमार वाजपेयी, जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस राठौर, बीजेपी जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजुद रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

बरेली। प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करने वाले एक युवक की बीती रात फैक्ट्री से घर वापस लौटते समय रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शाही थाने के गांव पऊनगला निवासी 25 वर्षीय पवन पुत्र रामाश्रय की बीती रात लगभग 8 बजे शाही में पेट्रोल पंप के पास हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि पवन सीबी गंज के परसाखेड़ा स्थित एक प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करता था और बीती रात लगभग 8 बजे वह मोटरसाइकिल से फैक्ट्री में ड्यूटी पूरी होने के बाद घर लौट रहा था लेकिन शाही चौराहा पर पेट्रोल पंप के सामने तेजी से आ रहे एक रफ्तार टैंकर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन का चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करने की कोशिश की लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो चुकी थी और अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक चार भाई बहनों में सबसे छोटा था उसकी मां का नाम टिकोली देवी है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बच्चों ने सुन्दर-सुन्दर राखियां बनाईं और झंडों का चित्रण किया

संवाददाता। शाहजहाँपुर

पुलिस लाइन शाहजहाँपुर मे वामासारथी द्वारा राखी व झण्डा प्रतियोगिता को आयेजित किया गया। भारती सिंह मीणा, अध्यक्ष, वामासारथी द्वारा पुलिस लाइन सभागार में जिसमे पुलिस परिवार के घरैया लाइन के बच्चों द्वारा सुन्दर-सुन्दर राखीया बनाई व झण्डो का चित्रण किया गया। प्रतियोगिता मे बच्चो ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया तथा बच्चो को उम्र के हिसाब अलग-अलग वर्गो मे विभाजित किया गया, जिसमे झण्डा प्रतियोगिता मे दो वर्ग सिनियर व जूनियर वर्ग बनाये गये। सिनियर वर्ग झण्डा प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान मो. रेहान, द्वितीय स्थान प्रशान्त यादव व तीतृय स्थान वेदान्त विराज को प्राप्त हुआ।

जूनियर वर्ग मे प्रथम स्थान असित, द्वितिय स्थान यश प्रताप व तीतृय स्थान तनिष को प्राप्त हुआ। इसी क्रम मे राखी प्रतियोगिता मे भी दो वर्ग बनाये गये सिनियर वर्ग व जूनियर वर्ग, सिनियर वर्ग मे प्रथम स्थान मनीषा यादव, द्वितिय स्थान चाँदनी व तीतृय स्थान खुशबू को प्राप्त हुआ तथा जूनियर वर्ग मे प्रथम स्थान नेतिका, द्वितिय स्थान प्रज्ञा व तीतृय स्थान तानिया को प्राप्त हुआ। बच्चो द्वारा अपनी रचनात्मक शैली का अच्छा प्रयोग करते हुये सुन्दर सुन्दर राखीया व झण्डो का सुन्दर चित्रण किया गया। जिसमे भारती सिंह मीणा, अध्यक्ष, वामा सारथी द्वारा बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये बच्चो को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान, सतीश चन्द्र, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, महिला सहायता प्रकोष्ठ प्रभारी, वन्दना सिंह, का. रुबी व अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

सीएससी से आवेदन करें परम्परागत कारीगर, शिल्पकार, उठाएं पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की आजीविका की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित पीएम विश्वकर्मा योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित पारंपरिक कारीगर एवं शिल्पकार के माध्यम से भारत सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उक्त आशय की जानकारी उपायुक्त उद्योग संजय सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 18 प्रकार के व्यवसाय से सम्बन्धित परम्परागत कारीगरों/ शिल्पकारों यथा बढईए नाव निर्माताएअस्त्र निर्माताए लोहारए हथौडा एवं टूलकिट निमार्ताए ताला बनाने वालाए मूर्तिकारए सोनारए कुम्हारए मोचीए राजमिस्त्रीए टोकरीध्चटाईध्झाडू एवं जूट बुनकरए गुडियाए खिलौना निर्माताए नाईए माला बनाने वालाए धोबीए दर्जीए मछली पकड़ने का जाल बनाने वालों के कौशल वृद्धि के लिए उन्हें पांच दिवसीय कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षणए प्रशिक्षणोंपरान्त सम्बन्धित ट्रेड की टूलकिट प्रोत्साहन के लिए ई.वाउचर ध्ई.रूपे प्रदान किए जाएगा। साथ ही रू एक लाख का ऋण 05 प्रतिशत व्याज पर प्रथम बार प्रदान किया जाएगा। यदि 18 माह में अदा कर देते हैं, तो दूसरी बार रू0 दो लाख का ऋण कम ब्याज पर प्रदान किया जाएगा।

योजना के लाभार्थियों की पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त 18 परम्परागत व्यवसाय से सम्बन्धित होना चाहिएए आवेदक की आयु आवेदन की तिथि को कम से कम 18 वर्ष होना चाहिए। परिवार का एक ही व्यक्ति आवेदन हेतु पात्र होगा तथा यदि परिवार में कोई सरकारी सेवा में है, तो वह योजना का पात्र नहीं होगा। योजनान्तर्गत कौशल उन्नयन प्रशिक्षणए टूलकिटए कम ब्यज दर पर ऋणए डिजिटल लेन देन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता का लाभ परम्परागत कारीगरों को प्राप्त होगा। योजनान्तर्गत आनलाईन पंजीयन 25 अगस्त 2023 से शुरू है। योजनान्तर्गत पात्रता का चयन जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति द्वारा किया जाएगा।

दो गैंगस्टर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

संवाददाता। शाहजहांपुर

पुलिस ने अवैध शराब बनाकर बेचकर धन कमाने वाले दो गैंगस्टर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अपराधियों ने अवैध धन प्राप्त कर पीलीभीत जिले में दो मकान, तीन प्लाट और बाइक खरीदी थी।

कांट पुलिस और बीसलपुर एसडीएम ने मोहल्ले में जाकर पहले डुग-डुगी बजवाई। ऐलान किया कि इस संपत्ति को बेचने और खरीदने वाले खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जो भी व्यक्त इसमें प्रवेश करने की कोशिश करेगा। उसके खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। क्योंकि इस संपत्ति को डीएम के आदेश पर कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्ति की कीमत एक करोड़ रुपए है। थाना कांट क्षेत्र के गांव चकसफौरा निवासी राजेंद्र सिंह के बेटे विनोद और कमलेश पिछले काफी समय से अवैध शराब बनाकर उसका कारोबार कर रहे थे। अवैध शराब के कारोबार से दोनों ने करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति बना ली थी। खास बात ये है कि दोनों अपराधियों ने शाहजहांपुर जिले को छोड़कर पीलीभीत जिले के थाना बीसलपुर क्षेत्र में दो मकान, तीन प्लाट खरीदे थे। साथ ही बीसलपुर में ही उनकी एक बाइक भी मकान के अंदर मिली थी। इधर अवैध कारोबार से धन अर्जित करने वाले अपराधियों के खिलाफडीएम उमेश प्रताप सिंह ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई कर उनकी बनाई गई।

संपत्ति को कुर्क करने के निर्देश दिए थे। कांट थाना प्रभारी जय शंकर सिंह ने पुलिस बल के साथ बीसलपुर के प्रशासन के सहयोग से मोहल्ले डुग-डुगी बजवाकर पहले मोहल्ले वासियों को चेतावनी दी। अब इस संपत्ति को नहीं खरीदेगा। अगर किसी ने इसको बेचने की या फिर इसमें प्रवेश करने की कोशिश की तो, उसके खिलाफ कानून कार्रवाई की जाएगी। इस संपत्ति को शाहजहांपुर डीएम के आदेश पर कुर्क किया जा चुका है। मोहल्ले भर में पुलिस बल ने डुगडुगी बजवाकर माइक पर ऐलान किया गया। दोनों गैंगस्टर की कुर्क की गई संपत्ति की कीमत एक करोड़ रुपये है। कांट थाने की पुलिस दोनों गैंगस्टर अपराधियों की अन्य संपत्तियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।एसपी सिटी सुधीर जायसवाल ने बताया कि अवैध शराब का कारोबार कर संपत्ति बनाने वाले गैंगस्टर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दोनों ने पीलीभीत के बीसलपुर में संपत्ति बनाई थी। संपत्ति कुर्क करने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक

शाहजहांपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक बरेली मोड़ स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पदम सिंह जी की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री कुंवर मुनीश सिंह परिहार(एडवोकेट) के संचालन में संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए पदम सिंह ने कहा कि आज क्षत्रिय समाज को एकता के साथ साथ नई पीढ़ी को परंपरागत संस्कार दिए जाने की आवश्यकता है इसकी लिए महासभा न्याय पंचायत स्तर से लेकर ब्लाक स्तर पर कार्यशालाओ का आयोजन करेगी जिसमें क्षत्रिय समाज अग्रणी लोगों को विचारों के लिए आमंत्रित किया जाएगा साथ ही कार्यशाला में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक क्षेत्र में विशेष पहचान बनाने वाले लोगों को क्षत्रिय समाज के युवाओं को प्रेरणा देने के लिए सम्माननीत किया जाएगा आज बिखरते परिवारों तथा जलवायु परिवर्तन को देखते हुए नई पीढ़ी को संस्कार के साथ साथ प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया बैठक को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री कुंवर मुनीश सिंह परिहार एडवोकेट ने कहा कि क्षत्रिय समाज के नौजवान आगे आएं और अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी ख्याल रखें और समाज और देश के नवनिर्माण में अपनी महति भूमिका का अपने कार्यों से समाज और राष्ट्र को एहसास कराएं समाज की युवा पीढ़ी ही क्षत्रिय समाज और देश का मजबूत भविष्य है इसलिए हमें युवा शक्ति को अपने महापुरुषों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में आगे बढ़ना और बढ़ाना चाहिए इस मौके पर प्रमुख रूप से पवन कुमार सिंह, ठाकुर ओमकार सिंह (सिंधौली) विजय प्रताप सिंह, निलय सिंह,वीरेंद्र सिंह, महिपाल सिंह चौहान,अमित प्रताप सिंह, उदित प्रताप सिंह, रविन्द्र सिंह, गिरंद सिंह, अजय पाल सिंह बरुआ,राघवेंद्र प्रताप सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

आला हजरत का उर्स बरेली में 10 सितंबर से आरंभ होगा

संवाददाता। बरेली

- उर्स-ए-रजवी के संबंध में दरगाह का प्रतिनिधिमंडल मिला बरेली मेयर से

उर्स-ए-रजवी के सम्बंध में आज दरगाह आला हजरत के एक प्रतिनिधिमंडल दरगाह प्रमुख हजरत मौलाना सुब्हान रजा खान(सुब्हानी मियां) व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी(अहसन मियां) की ओर मेयर उमेश गौतम से मिला। मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल में शामिल हाजी जावेद खान,परवेज नूरी,अजमल नूरी,औररंगजेब नूरी व ताहिर अल्वी ने दरगाह प्रमुख की ओर से एक पत्र उमेश गौतम को सौपा।

पत्र द्वारा मांग की गयी कि आला हजरत का उर्स बरेली में 10 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। जिसमें देश ही नही बल्कि विदेशो से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद बरेली आते है। शहर भर में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत काम होने के चलते जगह जगह खुदाई की गई। सड़को पर बड़े-बड़े गड्ढे जो गहरे भी है। उर्स शहर की चारों दिशाओं से चादरों के जुलूस् भी आते है। जायरीन को किसी तरह की परेशानी न आये इसके लिए जहाँ गड्ढे है उनको जल्द से जल्द भरवाने व जहाँ रोड पर काम चल रहा है उसको भी जल्द पूरा कराने की मांग की। साथ ही नगर निगम द्वारा उर्स स्थल इस्लामियां ग्राउंड से लेकर दरगाह आला हजरत तक जो काम कराए जाते है उनको कराने की मांग की। मेयर श्री गौतम ने आश्वासन दिया कि नगर निगम द्वारा उर्स में बेहतर इंतजाम किये जायेगें।

वही दूसरी तरफआज नूरी लंगर की जानिब से ठिरिया निजावत खान से 105 वे उर्स की मौके पर गौहर खान के नेर्तत्व में 105 फूल की टोकरी का जुलूस आया। जिसे दरगाह पर पेश कर उर्स की कामयाबी की खुसूसी दुआ की गई। दरगाह प्रमुख हजरत सुब्हानी मियां व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां को उर्स की मुबारकबाद पेश की। इस मौके पर मुफ्ती सय्यद कफील हाशमी ने दुआ की। मुफ्ती अफरोज आलम, मुफ्ती जमील, मौलाना रौनक अली, मोहम्मद अली, असगर अली, तुफैल खान, मंजूर रजा, इशरत नूरी, सय्यद एजाज आदि लोग मौजूद रहे।

बेस्ट स्कूल ऑफ द वीक खिताब से अलंकृत हुआ सोनौरी परिषदीय विद्यालय

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

- प्रिंसिपल संदीप की कोशिशों ने बदली स्कूल की तस्वीर, वाल पेंटिंग, क्यारियों में सजे रंगबिरंगे फूल लोगों को कर रहे आकर्षित

ब्लॉक बेहजम के ग्राम खरगपुर बिलरिया में स्थित पीएस सोनौरी एक ऐसा विद्यालय है, जो निजी स्कूलों को कड़ी टक्कर दे रहा। प्रिंसिपल संदीप पांडेय ने स्कूल की सूरत बदलकर रख दी। यहा गुरुजन नौनिहाल में शिक्षा की ललक पैदा करके ज्ञानवान बना रहे है। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अभिनव पहल ष्बेस्ट स्कूल आफ द वीकष् मुहिम के तहत इस सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का खिताब इसी स्कूल को दिया गया। प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में शिक्षकों ने भौतिक परिवेश को आकर्षक बनाने और कला शिक्षण में परिश्रम करते हुए स्कूल में शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने में अहम योगदान दिया है। साथ ही शिक्षकों ने साथ मिलकर स्थानीय लोगों को भी जोड़ने में अहम योगदान दिया। विद्यालय में आडियो.वीडियो के जरिए पढ़ाई होती है। वर्ष 2018 में सहायक अध्यापक पद पर संदीप पांडेय का चयन हुआ। चयन के बाद इंण् प्रधानाध्यापक संदीप पाण्डेय के प्रयासों ने विद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचायाए जिसके लिए उनको पूर्व में भी डीएम ने पुरस्कृत किया। आज कायाकल्प के लगभग सभी बिंदुओं से संतृप्त है। पीएस सोनौरी में दिव्यांग शौचालयए कैंपस इंटरलॉकिंगए आकर्षक चहार दीवारी ए टायलीकरणए आदि सभी सुविधाओ से सुसज्जित हैं। शिक्षकों के सार्थक अभिनव प्रयासोए शैक्षिक नवाचारोंए से विद्यालय नित नए कीर्तिमान कायम कर रहा। स्मार्ट कक्षा में प्रोजेक्टर से पढ़ाई होती है। प्रत्येक कक्षा की दीवाले आकर्षक टीएलएम से परिपूर्णए बाला पेंटिंग विद्यालय की विशेषता है। विद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन हेतु समस्त स्टाफद्वारा अतिरिक्त समय भी दिया जाता है। पढ़ाई लिखाई के साथ आधारभूत संरचनाओं में बदलाव के अलावा दूसरी गतिविधियों में भी इस स्कूल के नौनिहालो को भाग लेने का मौका मिल रहा है। इंण् प्रधानाध्यापक संदीप पांडेय पूरे क्षेत्र में संपूर्ण क्षेत्र की शिक्षा का जिम्मा लेने के कारण उन्हें सम्मान प्राप्त है। प्रधानए एसएमसी और अभिभावकों द्वारा भी विद्यालय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा। दिन की शुरुवात बच्चे माइक पर प्रार्थना सभा के साथ हीए कवितापट्ए ज्ञानपट के साथ अपना भविष्य संवार रहे हैं। शनिवार को बाल सभा होती है। विद्यालय की प्रति क्षेत्र के लोगों का बहुत सम्मान है।

संपत्ति बंटवारे को लेकर हुए विवाद में किया जानलेवा हमला

बरेली। संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के बाद छोटे भाई पर बड़े भाई ने अपने दामाद और बेटे के साथ मिलकर जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बहाली थाने के गांव रिछा निवासी 50 वर्षीय अकील अहमद पुत्र छोटे को आज सुबह इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके घर वालों ने बताया कि अकील का अपने बड़े भाई सगीर अहमद से मकान के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है आज सुबह भी दोनों पक्षों में इसी बात को लेकर विवाद हो गया।

राष्ट्रीय लोधी महासभा ने कमिश्नर एन बी एस राजपूत का जोरदार किया स्वागत

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

धौरहरा क्षेत्र के सिसैया चौराहे के एक बाग में लोधी समाज की बैठक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के ज्वाइंट सिक्रेटरी एन बी एस राजपूत जी रहे। कार्यक्रम का आयोजन देवेश लोधी और बैजनाथ लोधी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पहले राष्ट्रीय लोधी महासभा की टीम जिलाध्यक्ष रतीराम लोधी व महामंत्री ओमप्रकाश लोधी ने मुख्य अतिथि का स्वागत सिसैया चौराहे से पहले ही जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एन बी एस जी ने बताया कि समाज के पिछड़े पन का मूल कारण है शिक्षा समाज को चाहिए कि बच्चों को अच्छी सी अच्छी शिक्षा दिलाना चहिये बच्चों को इंटरमीडिएट से पहले मोबाइल लेकर न दें और उदाहरण देते हुए अपनी शिक्षा के बारे में बताया कि विद्यार्थी जीवन से कमिश्नर तक कैसे सफर तय किया कार्यक्रम में मैधावी छात्रों को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक तिलहर रोशन लाल वर्माए अर्चना वर्मा महापोर सहजहांपुर रिटायर्ड आई जी के पी सिंहए रेखा वर्मा विधायक विधुना औरैयाए शारदा प्रसाद लोधी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष आदि लोगों ने संबोधन किया। इस दौरान हरी राम लोधीए उत्तम लोधीए जगदीश प्रसाद लोधीए योगेन्द्र प्रताप लोधीए सतीश लोधीए राजेन्द्र सिंह राजपूतए विनोद लोधी अध्यापक गया प्रसाद लोधीए उद्देश्य लोधीए अनीता राजपूतए मौजी लाल लोधी संतोष लोधी आदि समाज के काफी संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

सड़क किनारे मिले गौवंशीय पशुओं के मिले अवशेष, जमकर हंगामा

संवाददाता। बरेली

गोवंशीय पशुओं का वध कर गौतस्करों ने अवशेष हाईवे किनारे फेंक दिए मौके पर पहुंचे हिन्दूवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने जकर हंगामा किया पुलिस ने मामला शांत कराया औरअवशेषों को गड्ढा खोदकर दबाने के बाद अज्ञात तस्करों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी ।देवरनियां थाना क्षेत्र के सेमी खेड़ा में हाईवे किनारे रविवार सुबह ग्रामीणों ने प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष देखे और हिन्दू संगठन के पदाधिकारी को सूचना दी जानकारी पर कई हिन्दू संगठन के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए उन्होंने लगातार हो रही गौवंश की हत्या को लेकर चिंता जताकर हंगामा कर दिया घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों को जल्द ही गोकशी करने वाले तस्करों को गिरफ्तार करने का आश्वसन देकर शांत कराया ग्रामीणों ने बताया कि अवशेष दो से ज्यादा गोवंश के है पशु तस्करों ने प्लास्टिक के कट्टे के साथ ही कुछ अवशेष हाइवे किनारे फेंक दिए पुलिस ने गोवंश के सभी अवशेषों को मिट्टी में दबाने के बाद अज्ञात तस्करों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी । ज्ञात हो कि बीते गुरुवार को देवरनिया-बहेड़ी बॉर्डर के पास मगरी नवादा में बहगुल नदी के पास के गोवंश के अवशेष बरामद हुए थे तब भी लोगों ने चिंता जताकर हंगामा किया था जबकि पुलिस काफी देर तक सीमा विवाद में उलझी रही बाद में जांच देवरनियां इंस्पेक्टर को सौंपी गई थी मामले की शिकायत ट्वीट पर भी की गई थी।

इज्जतनगर थाने में इंस्पेक्टर से गाली गलौज

बरेली। थाने में मकान के खरीदने के विवाद में दो पक्षों बीच चल रही बातचीत में इंस्पेक्टर क्राइम राघवेंद्र सिंह दोनों पक्षों की सुनवाई कर रहे थे इस बीच एक पक्ष आग बबूला हो गया वह दूसरे पक्ष के साथ गाली गलौज और मारपीट को उतारू हो गया इंस्पेक्टर क्राइम ने उसको शांत करने की कोशिश की तो युवक ने इंस्पेक्टर के साथ भी गाली गलौज शुरू कर दी इसके बाद उसे गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी ।बारादरी थाना क्षेत्र के संजय नगर की रहने वाली रत्नेश पत्नी दुर्गेश कुमार ने पिछले दिनों थाने में एक प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें उसने कहा था कि अशोक विहार के रहने वाले मनोज शर्मा पुत्र कुंवर सिंह ने अपने मकान का उनसे बयाना लिया था बयान लेने के बाद वह मकान नाम नहीं कर रहे हैं।

दुर्घटना का कारण बना हुआ है नगर पंचायत भवन

संवाददाता। सिंगाही खीरी

नगर पंचायत का भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। लगभग 67 साल पूर्व बने नगर पंचायत भवन की दीवारें दरक चुकी हैं। भवन की छतों में कई स्थानों पर छत का पपरा टूटा हुआ है। बारिश के दिनों में छत से टपकते हुए पानी से फाइलों को बचाना पड़ता है। जर्जर भवन में छत से गिरता पपरा कभी भी कर्मचारी या फिर आम कस्बेवासी के लिए दुर्घटना का कारण बन सकता है। दरअसल वर्ष 1955 में नगर पंचायत गठन किया गया। उसके पूर्व क़स्बे में पंचायत भवन कार्यालय हुआ करता था। इसके बाद वर्ष 1955 में नगर पंच कार्यालय बनने की शुरूआत हुई। नगर पंचायत के दर्जे में समय दर सयम वृद्धि होती गई। इसके बाद नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा दे दिया गया। बीतते वक्त के साथ नगर पंचायत का दर्जा तो बढ़ता गया लेकिन इमारत जर्जर होती चली गई। सूबे में सत्ता परिवर्तन के बाद वर्ष 2017 में नगर पंचायत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की योजना भी शामिल हुई। परिवर्तन के साथ लोगों में क़स्बे के बदलाव की उम्मीद जगी वहीं कर्मचारियों ने आश लगाई कि नगर पंचायत कार्यालय के भवन की भी सूरत भी बदलेगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालात यह हो गए हैं कि बारिश के दिनों में कार्यालय में टपकती छत के कारण कर्मचारियों को बैठने में मुश्किल होती है। वर्तमान में नगर पंचायत कार्यालय की दीवारें कई जगहों से दरक चुकी है। छत में पड़ छड़े भी पूरी तरह से जंग खा चुकी हैं। ऐसे में जर्जर भवन में कर्मचारियों और आमजन के साथ दुर्घटना की आशंका बनीं रहती है। अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार मिश्रा ने बताया कि नगर पंचायत भवन की समय-समय पर मरम्मत कराई जाती है। नगर पंचायत की जर्जर बिल्डिंग को लेकर चेयरमैन द्वारा शासन को पत्र भेजा गया है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिससे जर्जर भवन तोड़कर नई इमारत जल्द ही बनाई जाएगी।

सृजन ने कांवड़ियों के लिए किया विशाल भंडारे का आयोजन

संवाददाता। बरेली

रविवार को सृजन वैलफेयर सोसाइटी ने मिनी बाई पास पर जहां से ब्रजघाट और हरिद्वार से कांवड़िए अधिक संख्या में भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए जल लेकर आते हैं,के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया। सोसाइटी अध्यक्ष डॉ दीक्षा सक्सेना ने बताया कि हर रविवार सोसाइटी कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन लगातार कर रही है। लेकिन आज क्योंकि सावन का आखिरी रविवार है, इसलिए विशाल भंडारे का आयोजन सृजन वैलफेयर द्वारा किया जा रहा है। सावन में भगवान भोलेनाथ के भंडारे का विशेष महत्व है। कांवड़िए तो हैं ही भगवान भोलेनाथ का रूप। इसीलिए भंडारे के रूप में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए प्रसाद रुपी भंडारा सोसाइटी आज कर रही है। भंडारा 11रू30 से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलता रहता है।जितने ज्यादा लोग और कांवड़िए प्रसाद रुपी भोजन करके आज जाएंगे, उतना ही पुन्य लाभ हम सभी भोले के भक्तों को मिलेगा।सोसाइटी सदस्य रविन्द्र शर्मा के अनुसार इस तरह के आयोजन करके मन को बहुत शांति मिलती है। इसीलिए हर साल सोसाइटी भंडारा जरूर करती है। सोसाइटी इस बात का भी ध्यान रखती है कि लोग भंडारे के बाद झूठे दोने कूड़ेदान में ही डालें।यदि गल्ती से कोई कांवड़िआ सड़क पर झूठे दोने फेंक देता है तो सोसाइटी सदस्य खुद ही सफाई सेवा कार्य में लग जाते हैं।

पुलिस ने किया गोलीकांड का खुलासा महिला समेत तीन शूटर किये गिरफ्तार

●पति के उत्पीड़न से त्रस्त पत्नी ने 8 लाख में शार्प शूटरों दी थी सुपारी

●घायल पति अस्पताल में मौत से कर रहा संघर्ष

संवाददाता। उरई, जालौन

पति के द्वारा उत्पीड़न करना एक पत्नी को इतना नागवार गुजरा कि उसने अपने पति की हत्या की शाजिश रच डाली। पत्नी अंजलि ने 8 लाख रुपए की भारी भरकम रकम देकर शार्प शूटरों को हायर किया। जिसके बाद शूटरों ने महिला के पति को गोली मार दी। महिला का पति अभी भी अस्पताल में मौत से जूझ रहा है। वहीं पुलिस ने जब इस मामले की पड़ताल की तो मामले से पर्दा उठ गया। पुलिस ने महिला व तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। उरई कोतवाली क्षेत्र के तुलसी नगर में 12 अगस्त को सुबह 5 बजे टहलने निकले संजय राजपूत को दो बाइको पर सवार चार नकाबपोश युवकों ने घेरकर गोली मार दी। संजय को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे कानपुर रेफर कर दिया गया।

इसके बाद पुलिस ने शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। साथ ही कई लोगों से पूछताछ भी की। इसके बाद जब पुलिस ने संजय की पत्नी से पूछताछ की मामले से पर्दा उठ गया। मामले का खुलासा करते हुए जालौन के एएसपी असीम चौधरी ने बताया कि संजय की मारपीट और उत्पीड़न से तंग आकर उसकी पत्नी ने हत्या की साजिश रची थी। कालेज के समय अपने साथ पढ़ने वाले एक साथी से कॉन्टेक्ट कर उसने 8 लाख रुपए में शार्प शूटरों को हायर किया। जिसके बाद शूटरों ने उसके पति को गोली मार दी थी। एएसपी ने बताया कि इस मामले में शामिल चार अन्य लोग फरार हैं। जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

भारतीय संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत भाषा आवश्यकः रामभद्राचार्य

संवाददाता। चित्रकूट

संस्कृत विभाग द्वारा जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत महोत्सव व्याख्यान माला का शुभारंभ रविवार को विश्वविद्यालय के अष्टावक्र सभागार में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नयी दिल्ली के कुलपति प्रो0 मुरली मनोहर पाठक ने अपने उदबोधन में कहा कि संस्कृत भाषा देववाणी के रूप में प्रतिष्ठित है। अत: दैवीय गुणों के आधान के लिए हमें संस्कृत भाषा को जानना बहुत आवश्यक है। हमारा सम्पूर्ण ज्ञान-विज्ञान वेदों, उपनिषदों में निहित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के जीवनपर्यन्त कुलाधिपति पद्मविभूषण राघवीयो जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने की। उन्होने संस्कृत भाषा को संस्कार की भाषा बताया कि ''भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा'' भारतीय संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत भाषा आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि श्रीतुलसीपीठ सेवा न्यास के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास ने संस्कृत भाषा में तिहित गुरू महिमा का विस्तार से वर्णन किया। जरादि राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 शिशिर कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संस्कृत को महान भारतीय परम्परा से युक्त बताया।

गरीब कल्याण को समर्पित हैं सरकार की योजनाएंः पटेल

●चित्रकूट सांसद ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

●पाठा क्षेत्र के गांवों में हुआ जन चौपाल का आयोजन

संवाददाता। चित्रकूट

बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने रविवार को मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद करने के लिए रुकमा खुर्द, ददरी माफी,लंका पुरवा व कर्का पड़रिया के झिलंग पुरवा में चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान सांसद ने ग्रामीणों को केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा संचालित लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके अलावा चौपाल में आये जनता की समस्याओं का अधिकारियों से वार्ता कर त्वरित निदान किया।

रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार गरीबों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार द्वारा कोराना वैश्विक महामारी के समय से देश के करोडों परिवारों को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसके अलावा पीएम किसान सम्मान निधि देकर देश के करोड़ो अन्नदाताओं का सम्मान बढ़ाने के साथ-साथ आय दोगुनी करने की दिशा में निरन्तर काम किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक पुरवा तथा मजरा में विद्युतीकरण एवं उज्जवला योजना से मुफ्त गैस सिलेंडर बांट कर करोडों घरों में खुशहाली लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

सांसद श्री पटेल ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से गरीब कन्याओं की शादी कराया ऐतिहासिक कार्य किया है। इसके अलावा सरकार द्वारा दिव्यांग पेंशन, वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन को एक हजार रूपये प्रति माह कर गरीबों की बड़ी मदद करने का काम किया है। इसके साथ ही सरकार द्वारा महिला समूह के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रही है। वहीं दूसरी तरफदेश के वैज्ञानिक चंद्रयान-3 को चंद्रमा तक पहुंचाकर देश को वैश्विक पटल पर गौरवांन्वित किया है।

नर्मदेश्वर महादेव की स्थापना कलश यात्रा में लगे जयकारे

रूरा, कानपुर देहात। कस्बे में आस्था के पुराने शक्ति केन्द्रों में शुमार होने वाली पाथामाई मॅदिर प्रॉगण में भगवान देवाधिदेव महादेव के नर्मदेश्वर महादेव स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में रविवार को पाथामाई मॅदिर से बालाजी धाम तक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में महिलायें मंगलगान करती हुयी धनीरामपुर स्थित बालाजी धाम पहुॅची वहॉ से फिर वापस पाथामाई मॅदिर पहुॅची, कलश यात्रा से पूर्व वैदिक मंत्रोचार के मध्य हवन पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलश यात्रा में प्रमुख रूप से चैयरमैन रामजी गुप्ता, अकबरपुर ब्लाक प्रमुख आशीष मिश्रा, अनुपम बाजपेई, मोनू गुप्ता व्यापार मण्डल, भाजपा नेताा रविशशि द्विवेदी, आदि मौजूद रहे।

विवाहिता ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर दी जान

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के जौहर डगराहा गांव में विवाहिता ने घर के पास फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। जानकारी के अनुसार कविता(30) की शादी पॉच वर्ष पूर्व जौहर डगराहा निवासी श्यामसुन्दर के साथ हुयी थी, शनिवार को अज्ञात कारणों से उसने घर के पास ही स्थित खण्डहरनुमा स्थान पर फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका के 4 वर्षीय मासूम पुत्र कुंज है। बुरा थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

रक्तदान करने वाले 38 लोगों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

जालौन, उरई। एक बार रक्तदान करने से आप तीन लोगों का जीवन बचा सकते हैं। रक्तदान से बढ़कर कोई कोई दान नहीं है क्योंकि आप ऐसा करके आप किसी का जीवन बचा रहे हैं। यह बात कोतवाली में आयोजित रक्तदान शिविर में सीओ रविंद्र गौतम ने कही। इस दौरान 2 महिलाओं समेत 38 महादानियों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया। जिन्हें प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। रक्तकोष जिला पुरुष चिकित्सालय की ओर से कोतवाली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सीओ रविंद्र गौतम व कोतवाल विमलेश कुमार ने फीता काटकर किया गया। इस दौरान प्रभारी रक्तकोष डॉ. अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि रक्त को कृत्रिम रूप से बनाया नहीं जा सकता है। यह इंसान के शरीर में स्वयं ही बनता है इसकी आपूर्ति का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान शरीर से अतिरिक्त आयरन निकालने का बेहतरीन तरीका है। साथ ही रक्तदान से कोलेस्ट्रोल भी घटता है। जिससे हृदयाघात का खतरा भी कम हो जाता है।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर कराई पति की हत्या, पुलिस ने किया मामले का खुलासा

●पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

●तीन दिन पूर्व हुई हत्या का किया पर्दाफ़ाश

संवाददाता। बांदा

तीन दिन पूर्व हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त होने वाला तमंचा और कारतूस भी बरामद किए है। एक आरोपी फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। आपको बता दें कि 23 अगस्त की रात बिसंडा थाना क्षेत्र के गांव कैरी में बाल करण पटेल की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह रात में अपने घर के आंगन में सो रहा था। इसकी जानकारी सुबह परिजनों ने पुलिस को दी थी। परिजनों का कहना था कि हत्यारों की दहशत की वजह से वह रात भर घर के अंदर छुपे रहे। आज पुलिस टीम ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बाल करण पटेल की पत्नी संतोषिया और बालकरण पटेल के दुश्मन राजकुमार को उसके एक अन्य साथी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक बाल करण पटेल ने अपने गांव के ही राजाराम पटेल की गोली मारकर अक्टूबर 2005 में हत्या की थी। उसके बाद वह जेल चला गया था। और इसी साल फरवरी में बाल करण पटेल जेल से रहा को होकर गांव आया था। पुलिस के मुताबिक उसकी पत्नी संतोषिया का उसके दुश्मन राजकुमार पटेल से ही प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसको लेकर दोनों में अक्सर विवाद होने लगा और आरोपी पत्नी संतोषिया और राजकुमार पटेल ने अपने साथी रामनरेश और राजेश के साथ मिलकर इस हत्या का ताना-बाना बुना और रात के समय बाल करण पटेल की हत्या कर दी। एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि मृतक बाल करण पटेल की पत्नी संतोषिया और राजकुमार पटेल और रामनरेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्विक न्यूज

चोरी के माल सहित चोर गिरफ्तार

मौदहा, हमीरपुर। अपराध पपपअंकुश लगाने के मकसद से पुलिस ने चेकिंग अभियान में दो चोरों को चोरी का माल बरामद कर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताते चले की नगर में लगातार हो रही चोरियों पर पुलिस के द्वारा छापेमारी व सड़क में चेकिंग अभियान की जा रही थी जिसमें नगर के पाटनपुर तिराहे में उपनिरीक्षक रवी मेहता व कांस्टेबल अमरेश सिंह ने नंदराम उर्फनंदन किशोर पुत्र संतोष प्रजापति व विजय कुमार पुत्र सतीश निवासी मराठी पूरा को संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया उनकी जामा तलाशी में दो बैटरी ई रिक्शा की बोरे में भर कहीं बेचने की फिराक में जा रहे थे जिनको गिरफ्तार आईपीसी की धारा 379,411 जेल भेज दिया है।

सपा नेता के संरक्षण में खनन संचालक ने की अभद्रता

फतेहपुर। कल्याणपुर क्षेत्र में खनन कर रहे कुछ लोगों की सूचना पर पहुचें प्रशासनिक अधिकारी से अभद्रता करते हुए आधा दर्जन लोग भाग निकले। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने वाहन जब्त कर कार्रवाई शुरू की है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के भावपुर गांव में देर रात हो रहे अवैध खनन की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। छापा मारने गई प्रशासनिक टीम से खनन संचालक एवं एक एक सपा नेता ने अभद्रता करते हुए पलटवार हो गया। मौके से पलटवार हुआ खनन संचालक व एक सपा नेता जेसीबी डंपर सहित टीम ने खनन संचालक एवं सपा नेता की वेगनर कार, एक स्कूटी सहित दो युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पीएचसी में मिलीं एक्सपायरी तिथि की दवाएं

मौदहा, हमीरपुर। सीएमओ हमीरपुर इन दिनों लगातार स्वास्थ्य व्यवस्था को पुख्त दुरुस्त बनाने के मकसद से ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित प्राथमिक अस्पतालों का निरीक्षण कर जमीनी हकीकत जानने का प्रयास कर रहे हैं क्षेत्र में अरतरा गांव में पीएचसी अस्पताल में शनिवार को निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी डेट की दवाएं मिलने पर खासी नाराजगी व्यक्त की और कोविड हाल के निर्माण कार्य में लगाई जा रही सामग्री घटिया स्तर की होने के कारण ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही के लिए कहा इस संबंध में अरतरा अधीक्षक डॉक्टर आरिफपरवेज ने बताया की निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर मे कुछ दवाएं न लिखी होने के कारण तथा कुछ दवाएं एक्सपायरी डेट की होने पर नाराजगी जताई व चेतावनी जारी करते हुए बताया कि दोबारा ऐसी गलती ना हो।

कोरी समाज के शिवस्वरूप जिलाध्यक्ष व गोवर्धन महामंत्री

फतेहपुर। मां भुइया देवी मंदिर के वीरांगना झलकारी बाई सामुदायिक मिलन केंद्र पर रविवार को कोरी समाज की जिला कार्यकारिणी का गठन व शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें शिवस्वरूप को जिलाध्यक्ष व गोवर्धन लाल को महामंत्री नियुक्त किया गया। अन्य पदों पर भी पदाधिकारियों का चयन हुआ। सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जिला कार्यकारिणी में शिवस्वरूप जिलाध्यक्ष, गोवर्धनलाल व सुरेंद्र कुमार महामंत्री, राम सजीवन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राज कुमार, राकेश कुमार व राम औतार उपाध्यक्ष, बीपी कमल कोषाध्यक्ष, कमलेश कुमार, लाल सिंह व हरि प्रसाद को मंत्री, धर्मराज को संगठन मंत्री, धुब्बू लाल को आडीटर, सुदामा प्रसाद को मीडिया प्रभारी व रमेश चंद्र अनुरागी को प्रचार मंत्री की कमान सौंपी गई।

दुकानदार को मारपीट कर घायल किया

मौदहा, हमीरपुर। तीन दबंग लोगों से सामान के पैसे मांगने पर दुकान मालिक को भरी पड गया दुकानदार को मारपीट कर घायल कर दिया पुलिस ने तहरीर के आधार पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच प्रारम्भ कर दी है। सिसोलर थाना क्षेत्र के लेवा निवासी अंशु चौहान की दुकान सिसोलर के मौदहा निकास में ब्रेकरी की दुकान है ब्रेकरी संचालक ने बताया कि बीते शाम वह अपनी दुकान में बैठा था तभी गांव के मनीष यादव अरुण यादव अंकित यादव निवासी गाण सिसोलर दुकान में आए और ब्रेकरी का सामान लेकर पैसा देने में आनाकानी करने लगे जिसका ब्रेकरी संचालक ने विरोध किया तो गाली गलौज कर अभद्रता करते हुए मारपीट कर लहुलुहान कर दुकान में रखा सामान भी तहस नहस कर दिया।

वृक्ष धरा के आभूषण हैं, इन्हें संरक्षित करें: प्रमोद झा

●पौधरोपण कर एसडीएम ने दिलाया संरक्षण का संकल्प

संवाददाता। राजापुर, चित्रकूट

जहां एक ओर पूरे प्रदेश में वन महोत्सव के तहत वृक्षों के रोपण का कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं राजापुर तहसील में एलएनटी के प्रोजेक्ट मैनेजर जितेन्द्र तिवारी की मौजूदगी में लगभग दो दर्जन वृक्षों का रोपण किया गया। जिसकी शुरुआत एसडीएम प्रमोद झाँ व तहसीलदार संजय अग्रहरि तथा एलएनटी की टीम द्वारा तहसील परिसर में बने हनुमान उपवन के मैदान में फलदार, छायादार तथा औषधीय गुणों से युक्त वृक्षों का रोपण वृहद रूप से किया गया। राजापुर तहसील के उपजिलाधिकारी प्रमोद झां के अथक प्रयास एवं जन सहयोग से 2022 में हनुमान वाटिका उपवन बनवाया गया था जहां हर वर्ष वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है। शनिवार के दिन लगभग दो दर्जन वृक्षों का रोपण किया गया। एलएनटी के प्रोजेक्ट मैनेजर जितेंद्र तिवारी ने कहा कि वृक्षों के माध्यम से शुद्ध वायु, जलवायु तथा पर्यावरण को शुद्ध बनाने में वृक्षों की एक अहम भूमिका होती है, अशुद्ध पर्यावरण और जलवायु मानव जीवन के मस्तिष्क को छोटा करते हुए गलत प्रभाव डालता है और मानव जीवन की तरह वृक्षों को भी पालने पोसने की जरूरत है।

कोटा कंदैला गांव की गौशाला में भूख-प्यास से तड़प रहे गौवंश

चित्रकूट। मानिकपुर क्षेत्र में गौवंशों को लेकर प्रधान व सचिव की लापरवाही सामने आई है। गौवंशो को लेकर सरकार चाहे जितने भी दावे व वायदे कर ले, जमीनी हकीकत में प्रधान-सचिव सरकार के दावों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। रविवार को मानिकपुर ब्लाक के कोटा कदैला की गौशाला का मामला सामने आया है। कड़क धूप में गौवंश ताले के अंदर भूखे-प्यासे तड़प रहे हैं। देखभाल करने वाला कोई नहीं है। इन्हें बाहर ले जा चराने को भी कोई जिम्मेदार नहीं है। इससे गौवंश भूख, प्यास व धूप में तड़प रहे हैं। इन सब लापरवाही का जिम्मेदार कौन है।

बुजुर्ग की हत्या के मामले में पांच आरोपी पुलिस हिरासत में

कुरारा, हमीरपुर। क्षेत्र के दो दिन पहले जमीनी विवाद के चलते हुई बुजुर्ग की लाठी डंडों से पीटकर हत्या के बाद शव को ट्रैक्टर से कुचलने के मामले में पुलिस ने खुलासा कर पांच हत्याभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। क्षेत्र के गिमुहा गांव निवासी मान सिंह यादव (75) 24 अगस्त को कुसमरा गांव से दोपहर में आटा पिसा कर अपने घर जाते समय रास्ते में रोककर आरोपियों ने डंडे से पीटपीट कर हत्या करने के बाद शव को ट्रैक्टर से कुचल दिया था।

जिसमें पुलिस ने पांच आरोपियों गिमुहा गांव निवासी करिया उर्फ धनीराम , कप्तान पुत्र करिया, जुग्गी रैदास पुत्र कमल, उपदेश रैदास पुत्र रामधनी, टिरॉ यादव पुत्र कुंदन यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। एक आरोपी भूप सिंह पुत्र धनीराम घटना के बाद से फ़रार चल रहा है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए थाना पुलिस द्वारादबिश दी जा रही है।

पेज एक का शेष

चांद पर...

के दौरान भारत ने जी-20 को और ज्यादा समावेशी मंच बनाया है। भारत के निमंत्रण पर ही अफ्रीकी संघ भी जी-20 से जुड़ा और अफ्रीका के लोगों की आवाज दुनिया के इस अहम मंच तक पहुंची। प्रधानमंत्री ने इस दौरान हर घर तिरंगा अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि देशवासियों के प्रयास ने वास्तव में इसे हर मन तिरंगा अभियान बना दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान जहां कई रिकॉर्ड बने, वहीं करोड़ों की संख्या में तिरंगे खरीदे गए। मोदी ने बताया कि डाकघरों से 1.5 करोड़ तिरंगे बेचे गए, जिससे कामगारों, बुनकरों और खासकर महिलाओं की सैकड़ों करोड़ रुपए की आय भी हुई है। उन्होंने कहा कि इस बार तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने वालों की संख्या पिछले साल के 5 करोड़ के मुकाबले 10 करोड़ को भी पार कर गई। प्रधानमंत्री ने मेरी माटी, मेरा देश अभियान का जिक्र करते हुए विश्वास जताया कि देशवासियों के प्रयास से यह अभियान भी सफल होगा। सावन महीने की पूर्णिमा के दिन विश्व संस्कृत दिवस मनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज लोगों में संस्कृत को लेकर जागरूकता और गर्व का भाव बढ़ा है। देश में डेयरी क्षेत्र के विकास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र ने महिलाओं के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि देश की अनेक डेयरी सामूहिक प्रयासों से आधुनिक सोच के साथ विकसित हो रही हैं। उन्होंने गुजरात की बनास डेयरी, वाराणसी दुग्ध संघ, केरल की मालाबार दुग्ध संघ डेयरी का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने चीन में संपन्न वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के विजेता खिलाड़ियों की सफलता को रेखांकित हुए कहा कि हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो जैसे धरती से जुड़े हुए खेलों में भारत को कभी पीछे नहीं रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि खेलकूद को लेकर देश के युवाओं और परिवारों में पहले जो धारणा थी वह अब बदली है और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता उन्हें प्रेरित कर रही है। मोदी ने कहा कि 1959 से लेकर अब तक जितने भी वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए हैं, उनमें जीते सभी पदकों को जोड़ दें तो भी यह संख्या 18 तक ही पहुंचती है। उन्होंने कहा, इतने दशकों में सिर्फ 18, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 26 पदक जीत लिए। प्रधानमंत्री ने इन खेलों के पदक विजेताओं में से कुछ के साथ बातचीत की और उन्हें सफलता पर बधाई दी। इस संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने अपने संघर्ष की कहानियां बताईं और अनुभव भी प्रधानमंत्री से साझा किए। प्रधानमंत्री ने अगले महीने शुरू हो रहे त्योहारों के मौसम का भी जिक्र किया और देशवासियों को रक्षाबंधन की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर देशवासियों से स्थानीय उत्पादों को महत्व दिए जाने के लोकल फॉर वोकल अभियान को भी याद रखने की अपील की।

मेट्रो के...

(मेट्रो) जी राम गोपाल नाइक ने कहा कि घटना के संबंध में भारतीय दंड संहिता समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। दीवारों को ऐसे नारों से रंगने वाले संदिग्ध की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह नारे रविवार तड़के दीवारों पर लिखे गए, जब मेट्रो ट्रेन सेवाएं और स्टेशन बंद थे। सूत्रों का कहना है कि एसएफजे का संचालन अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले कुछ कट्टरपंथी सिख करते हैं। इस संगठन को भारत सरकार ने वर्ष 2019 में गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून के तहत प्रतिबंधित कर दिया था। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले इसी साल की शुरुआत में गणतंत्र दिवस से पहले भी पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पीरागढ़ी में दीवारों पर पेंट से खालिस्तान जिंदाबाद जैसे राष्ट्र विरोधी और खालिस्तान समर्थित नारे लिखे जाने के संबंध में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने इस संबंध में आईपीसी की धारा 153 बी और 120 बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

शोभा यात्रा...

लिए रविवार को चंडीगढ़ में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर के साथ बैठक की। हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड ने नूंह में आयोजित होने वाली प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा परीक्षा को स्थगित करने की रविवार को घोषणा की। सोमवार को होने वाली यह परीक्षा अब चार सितंबर को होगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) ममता सिंह ने रविवार को कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं। नूंह में एक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, अर्धसैनिक बलों की 24 कंपनी के अलावा हरियाणा पुलिस के 1,900 कर्मी तैनात किए गए हैं। सरकार ने पहले ही 26 से 28 अगस्त तक मोबाइल इंटरनेट बंद करने की भी घोषणा की हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि केएमपी एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यातायात की आवाजाही जारी रहेगी।

मुंबई बैठक...

तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी। नीतीश कुमार ने पटना में कहा, 'हम मुंबई में आगामी बैठक के दौरान अगले साल के आम चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और कई अन्य एजेंडों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कुछ और राजनीतिक दल हमारे गठबंधन में शामिल होंगे। मैं चाहता हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अधिक से अधिक पार्टियां एकजुट हों। मैं उस दिशा में काम कर रहा हूं...मुझे अपने लिए कोई इच्छा नहीं है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने भी पिछले हफ्ते संकेत दिया था कि ऐसी संभावना है कि दो दिवसीय बैठक में नए राजनीतिक दल, खासकर पूर्वोत्तर भारत से, भाग लेंगे। संजय राउत ने कहा कि भारत (गठबंधन) के लोगो का अनावरण (बैठक के दौरान) किया जाएगा। इसके लिए चर्चा चल रही है। हम 140 करोड़ भारतीयों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। लोगो देश, इसकी एकता का प्रतीक होगा और आवश्यक ऊर्जा को प्रतिबिंबित करेगा देश को एकजुट रखने के लिए जरूरी है। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस मीडिया और प्रचार का काम संभालेगी, जबकि एनसीपी परिवहन का ख्याल रखेगी और शिवसेना प्रत्येक समिति में इन दलों के दो नेताओं के साथ ठहरने के इंतजामात देखगी। प्रबंधन की देखरेख कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा, नसीम खान और वर्षा गायकवाड़ कर रहे हैं, जबकि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण आयोजन समिति के प्रभारी होंगे। बैठक के विवरण की घोषणा के लिए बृहस्पतिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस निर्धारित की गई है।

पश्चिम बंगाल...

पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल जब्त कर लिया है। हमारी फोरेंसिक टीम जांच कर रही है और जानकारी ले रही है। पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा में मई में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में इसी तरह के विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। रविवार को हुए विस्फोट के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। भाजपा ने इस घटना की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराने की मांग की जबकि टीएमसी ने भाजपा से इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करने को कहा। भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य बारूद के भंडार में तब्दील हो गया है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों की कोई निगरानी नहीं की जा रही है। इन पटाखा फैक्टरी को स्थानीय टीएमसी नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। भाजपा ने यह भी दावा किया कि स्थानीय विधायक एवं राज्य के खाद्य मंत्री रथिन घोष के समर्थन से फैक्टरी सुचारू रूप से संचालित की जा रही थी।भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने इस घटना की एनआईए जांच की मांग करते हुए कहा, टीएमसी शासन के तहत, पश्चिम बंगाल बम बनाने की फैक्टरी और आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बन गया है और केवल एनआईए जांच से ही सच्चाई सामने आ सकती है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पिछले साल अवैध पटाखा कारखानों में कम से कम छह ऐसे विस्फोट हुए हैं। उन्होंने कहा, अवैध पटाखा कारखानों में हुए विस्फोटों में बच्चों समेत कई लोगों की मौत हो चुकी है। बाद में पता चला कि इन कारखानों में बम बनाए जा रहे थे। बंगाल में ए बम बनाने का उद्योग टीएमसी, गुंडों और पुलिस की सांठगांठ के कारण फल-फूल रहा है। भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए टीएमसी के नेता कुणाल घोष ने कहा, भाजपा को अपनी गिद्ध वाली राजनीति बंद करनी चाहिए। वे गिद्धों की तरह हैं जो किसी के मरने का इंतज़ार कर रहे हैं ताकि वे आकर शव को नोच सकें। उन्हें निष्कर्ष पर पहुंचना बंद करना चाहिए और पुलिस को जांच पूरी करने देना चाहिए। भाजपा के आरोप को खारिज करते हुए राज्य के खाद्य मंत्री रथिन घोष ने आरोप लगाया कि अवैध कारखाने के पीछे इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) है। मंत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि प्रशासन को इस अवैध फैक्टरी के बारे में कोई जानकारी थी। मैंने सुना है कि मुर्शिदाबाद के आईएसएफ कार्यकर्ता ने यहां एक संपत्ति किराए पर ली थी और अवैध फैक्टरी संचालित कर रहा था। आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि फैक्टरी का मालिक टीएमसी का सदस्य है और उसे वहां फैक्टरी संचालित करने में पूरा संरक्षण प्राप्त है। सिद्दीकी ने कहा, मालिक टीएमसी का व्यक्ति है और उसे इस अवैध फैक्टरी को संचालित करने में पूरा समर्थन प्राप्त था। टीएमसी के राज्यसभा सदस्य शांतनु सेन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि राज्य सरकार ने एक एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया है, जिसने पिछले कुछ महीनों में ऐसी कई अवैध पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने कहा, अगर कुछ इकाइयां अभी भी अवैध रूप से संचालित की जा रही हैं, तब उन्हें भी जल्द ही नष्ट कर दिया जाएगा। सेन ने कहा कि कई बार ऐसी पटाखा फैक्टरी के खिलाफ कार्वाई से स्थानीय लोगों का गुस्सा भी भड़क जाता है क्योंकि हजारों लोग आजीविका के लिए इन पर निर्भर होते हैं। लेकिन हम अवैध पटाखों के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। पटाखा निर्माताओं के संगठन सारा बांग्ला आतश बाजी उन्नयन समिति के अध्यक्ष बबला रॉय ने कहा कि अवैध फैक्टरी में प्रतिबंधित हाई-डेसीबल चॉकलेट बम या पटाखे बनाए जा रहे थे।

एक बार...

क्षेत्र में उनकी यात्रा साहस से भरी है। उन्होंने कहा कि एक लेखक जो श्री राम और सीता को भाई-बहन के रूप में चित्रित कर आलोचकों को एक पंक्ति में खड़ा करता है, वह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि वाल्मिकी रामायण, रामचरित मानस और कंबा रामायण के अलावा, महाकाव्य के अन्य सभी रूप पाठकों के बीच कोई दिलचस्पी नहीं जगा पाए। यही बात रामानुजन को दूसरों से अलग बनाती है।

अमेरिका और भारत के साथ मजबूत रणनीतिक संबंधों के पक्ष में रामास्वामी

● कहा, भारत के साथ मजबूत संबंध चीन से आर्थिक स्वतंत्रता घोषित करने में अमेरिका की मदद कर सकते हैं

भाषा। डेस मोइनेस

अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल विवेक रामास्वामी का मानना है कि भारत के साथ मजबूत संबंध अमेरिका को चीन से आर्थिक स्वतंत्रता घोषित करने में मदद करेंगे। रामास्वामी ने अंडमान सागर में सैन्य संबंध समेत भारत के साथ मजबूत रणनीतिक संबंधों की भी वकालत की। रामास्वामी (38) राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल रिपब्लिकन पार्टी के सबसे कम आयु के दावेदार हैं। वह इस समय आयोवा की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। आयोवा में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार चुनने के वास्ते प्राइमरी चुनाव की प्रक्रिया 15 जुलाई से शुरू होगी। रामास्वामी ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, अमेरिका और भारत के मजबूत संबंध चीन से स्वतंत्रता घोषित करने में मददगार हो सकते हैं। अमेरिका आज चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर है, लेकिन भारत के साथ मजबूत संबंधों से चीनी संबंधों से आजादी घोषित करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, अमेरिका को अंडमान सागर में सैन्य संबंध समेत भारत के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध भी रखने चाहिए। यदि आवश्यक हुआ तो भारत मलक्का जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर सकता है, जहां से वास्तव में चीन को अधिकतर पश्चिम एशियाई तेल की आपूर्ति मिलती है। इसलिए, अमेरिका-भारत संबंधों में ए सुधार के वास्तविक क्षेत्र हैं। रामास्वामी ने एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि यह अमेरिका के लिए अच्छा होगा और यही कारण है कि मैं इसे ध्यान में रखकर नेतृत्व करूंगा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के दावेदारों की पहली बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अरबपति भारतीय-अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है। उन्हें लोकप्रियता रेटिंग संबंधी सर्वेक्षणों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद दूसरा स्थान मिला है। भारतीय मीडिया के साथ पहले संवाद में रामास्वामी भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों के मजबूत समर्थक नजर आए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि वह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) भारत के लिए एक अच्छे नेता रहे हैं और मैं भारत एवं अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हूं। रामास्वामी ने कहा, अमेरिकी विदेश नीति की प्रमुख चुनौती यह है कि हम मातृभूमि की रक्षा नहीं कर रहे। हम ऐसे युद्ध लड़ रहे हैं, जो अमेरिकी हितों को आगे नहीं बढ़ाते और हम मातृभूमि को वास्तव में असुरक्षित बना रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि यूक्रेन में संलिप्तता जारी रखना अमेरिका के लिए एक गलती है। इससे अमेरिका के राष्ट्रीय हित नहीं पूरे होते। रामास्वामी ने कहा, मुझे लगता है कि इसके विपरीत इससे वैश्विक मंच पर अमेरिकी विश्वसनीयता को वास्तव में नुकसान होगा। अमेरिका को कम्युनिस्ट चीन पर ध्यान देने की जरूरत है।

रूसी जांच समिति ने प्रिगोझिन की विमान दुर्घटना में मौत होने की पुष्टि की

भाषा। मास्को

रूस की जांच समिति ने पुष्टि की है कि निजी सैन्य संगठन वैगनर के प्रमुख एवगेनी प्रिगोझिन की एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई है। समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने रविवार को एक बयान में कहा कि फॉरेंसिक जांच के बाद, दुर्घटनास्थल पर मिले सभी 10 शवों की पहचान की गई। बयान में इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई कि दुर्घटना का कारण क्या हो सकता है। रूस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि प्रिगोझिन (62) और उनके शीर्ष सहयोगियों को लेकर जा रहा एक निजी विमान मॉस्को के उत्तर पश्चिम में बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच रास्ते में विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सभी सात यात्रियों और चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सत्ता को चुनौती देने वाले सशस्त्र विद्रोह का प्रिगोझिन के नेतृत्व करने के दो महीने बाद यह घटना घटी थी। अमेरिका के शुरुआती खुफिया आकलन ने निष्कर्ष निकाला गया था कि जानबूझकर किए गए विस्फोट के कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। रूस ने इस निष्कर्ष को खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से झूठ बताया था। शुरुआती खुफिया आकलन का वर्णन करने वाले पश्चिमी देशों के अधिकारियों में से एक ने कहा कि यह निर्धारित करता है कि प्रिगोझिन को लक्षित किया गया था।

क्विक न्यूज

फ्लोरिडा के स्टोर में श्वेत हमलावर ने की गोलीबारी, तीन अश्वेत लोगों की मौत

जैकसनविले (अमेरिका)। अमेरिका के फ्लोरिडा में जैकसनविले के एक स्टोर में शनिवार को एक श्वेत व्यक्ति ने गोलीबारी कर तीन अश्वेत लोगों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। स्थानीय शेरिफ ने इस हमले को नस्लवाद से प्रेरित बताया है। शेरिफ टी के वाटर्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, उसे (हमलावर को) अश्वेत लोगों से नफरत थी। इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि हमलावर किसी बड़े समूह का हिस्सा था। वाटर्स ने बताया कि हमलावर ने डॉलर जनरल स्टोर में हमला करने के लिए एक पिस्तौल और एक एआर-15 अर्द्धस्वचालित राइफल का इस्तेमाल किया। गोलीबारी अपराह्न दो बजे से ठीक पहले एडवर्ड वाटर्स यूनिवर्सिटी के पास एक डॉलर जनरल में हुई। एडवर्ड वाटर्स यूनिवर्सिटी ऐतिहासिक रूप से अश्वेत समुदाय का एक छोटा विश्वविद्यालय है। हमलावर ने एक पत्र छोड़ा है, जिसके आधार पर जांचकर्ताओं का मानना है कि उसने जैकसनविले में एक वीडियो गेम प्रतियोगिता के दौरान एक अन्य बंदूकधारी द्वारा किए गए हमले की घटना के पांच साल पूरे होने के मौके पर गोलीबारी की। उस हमले में भी बंदूकधारी ने दो लोगों की हत्या करने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। शेरिफ वाटर्स ने बताया कि हमलावर पड़ोसी क्ले काउंटी से आया था और हमले से कुछ समय पहले अपने पिता को एक संदेश भेजा था जिसमें लिखा था कि वह अपना कंप्यूटर देखें। उन्होंने बताया कि हमलावर के पिता को कंप्यूटर पर कुछ लेख मिले और परिवार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी, लेकिन गोलीबारी इससे पहले ही शुरू हो चुकी थी। इस हमले ने अश्वेत अमेरिकियों को निशाना बनाकर अतीत में किए गए हमलों की दुखद यादों को ताजा कर दिया है और इससे समुदाय में भय पैदा होने की आशंका है। इससे पहले 2022 में न्यूयॉर्क के बफेलो में एक श्वेत हमलावर ने अश्वेतों को निशाना बनाकर किए हमले में 10 लोगों की हत्या कर दी थी।

म्यांमा ने विपक्षी संगठनों का समर्थन करने पर ईस्ट तिमोर के राजनयिक को निष्कासित किया

बैंकॉक। म्यांमा की सैन्य सरकार ने ईस्ट तिमोर के वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिया है। ईस्ट तिमोर की सरकार के म्यांमा के मुख्य विपक्षी संगठनों के साथ बैठकें करने के बाद यह कदम उठाया गया है। म्यांमा के विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि ईस्ट तिमोर ने म्यांमा की नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट के साथ बातचीत की है, जो एक फरवरी, 2021 को सेना द्वारा आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के बाद खुद को देश के वैध शासन के रूप में देखती है। नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट सैन्य शासन के विरोधियों के लिए एक शीर्ष संगठन के रूप में भी कार्य करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने म्यांमा के सबसे बड़े शहर यांगून में ईस्ट तिमोर दूतावास के प्रभारी राजदूत को एक सितंबर से पहले देश छोड़ने के लिए कहा है। ऐसा माना जाता है कि प्रभारी राजदूत सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद म्यांमा से निष्कासित होने वाले पहले विदेशी राजनयिक हैं। कई देशों ने म्यांमा के साथ अपने संबंधों का दर्जा घटाया है और राजदूतों के स्थान पर नंबर दो राजनयिक को वहां तैनात किया है। एशिया के सबसे नए देश ईस्ट तिमोर ने म्यांमा के सैन्य शासकों की मुखर आलोचना की है और विपक्ष के प्रति समर्थन दिखाया है। जुलाई में, ईस्ट तिमोर के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्टा ने नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट के विदेश मंत्री जिन मार आंग को ईस्ट तिमोर के प्रधानमंत्री जानाना गुसमाओ के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया था।

यूक्रेन ने हवा में दो विमानों के टकराने से हुई तीन पायलटों की मौत के मामले की जांच शुरू की

कीव। यूक्रेन प्रशासन ने हवा में दो लड़ाकू विमानों के टकराने से हुई तीन पायलटों की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। यूक्रेन के वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इहनात ने रविवार को यूक्रेनियाई टीवी से कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जांच में कितना वक्त लगेगा। वायुसेना के टेलीग्राम पृष्ठ के अनुसार, दो एल-39 प्रशिक्षण सैन्य विमान शुक्रवार को यूक्रेन के पश्चिमी ज्यतोमिर क्षेत्र में लड़ाकू मिशन के दौरान आपस में टकरा गए थे। दुर्घटना में मारे गए तीन पायलटों में एंड्री पिलश्चिकोव भी शामिल हैं। पिलश्चिकोव अपने उपनाम जूस के नाम से जाने जाते हैं और यूक्रेन द्वारा एफ-16 लड़ाकू विमानों की खरीद की वकालत की थी। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शनिवार की रात अपने संबोधन में एंड्री पिलश्चिकोव को श्रद्धांजलि दी और उन्हें देश के लिए बड़ा मददगार यूक्रेनी अधिकारी बताया। यूक्रेन की वासिल्कीव टैक्टीकल एविएशन ब्रिगेड ने दुर्घटना में मारे गए दो अन्य पायलटों की पहचान रविवार को बताई, उनके नाम हैं... वियाचेस्लाव मिंका और सेरी प्रोकाजिन। इस बीच रूसी बलों ने रात में क्रूज मिसाइलों से यूक्रेन के मध्य और उत्तरी क्षेत्रों को निशाना बनाया। यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को बताया कि उनसे चार मिसाइलों को मार गिराने में सफलता हासिल की। यूक्रेन के गृह मंत्रालय ने कहा, राजधानी के आसपास के कीव क्षेत्र में आसमान से गिरते मलबे के कारण करीब दर्जन भर मकानों को नुकसान पहुंचा है और दो लोग घायल हुए हैं। रूस में रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की सीमा से लगे ब्रांस्क और कुर्स्क क्षेत्रों में दो ड्रोन मार गिराने की बात कही। मंत्रालय ने कहा कि ड्रोन रूसी धरती पर आतंकवादी हमलों के एक और प्रयास के तहत कीव प्रशासन द्वारा लॉन्च किए गए थे। हालांकि, कुर्स्क के गवर्नर रोमन स्टारोवोइट ने बताया कि एक ड्रोन प्रांतीय राजधानी में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत से टकराया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रक्षा मंत्रालय के दावे के अनुसार ड्रोन को हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा मार गिराया गया था या वह इमारत को निशाना बना रहा था। स्टारोवोइट ने कहा कि किसी को चोट नहीं आई, लेकिन कई खिड़कियां टूट गईं।

उत्तर कोरिया में कोविड से जुड़ी पाबंदियों में ढील, नागरिकों को स्वदेश लौटने की अनुमति मिलेगी

सियोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि विश्व भर में महामारी की स्थिति में सुधार आने के मद्देनजर वह विदेशों में रह रहे अपने नागरिकों को स्वदेश लौटने की अनुमति देगा, क्योंकि देश कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों में ढील दे रहा है।सरकारी मीडिया के जरिए जारी एक संक्षिप्त बयान के मुताबिक, आपातकालीन महामारी रोकथाम मुख्यालय ने कहा है कि उत्तर कोरिया स्वदेश लौटने वाले लोगों को "उचित चिकित्सा निगरानी" के लिए एक सप्ताह पृथकवास में रखेगा। बयान में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि इस घोषणा के बाद उत्तर कोरियाई छात्रों, कामगारों और अन्य लोगों की वापसी हो जाएगी, जिन्हें महामारी के कारण विदेश में रूकना पड़ गया था। इनमें से ज्यादातर लोग चीन और रूस में फंसे हुए हैं। विदेश में रहने वाले कामगार उत्तर कोरिया के लिए विदेशी मुद्रा का एक प्रमुख स्रोत हैं।

सुरक्षाबल महिलाओं को अफगान राष्ट्रीय पार्क में जाने से रोकेंगे: तालिबान

इस्लामाबाद। तालिबान अफगानिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय स्थलों में से एक राष्ट्रीय पार्क बंद-ए-अमीर में महिलाओं को जाने से रोकने के लिए सुरक्षाबलों का इस्तेमाल करेगा। अफगानिस्तान के सदाचार मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि बामियान प्रांत में स्थित बंद-ए-अमीर में जाते समय महिलाएं हिजाब पहनने के सही तरीके को नही अपना रही है। इससे एक सप्ताह पहले मंत्री मोहम्मद खालिद हनाफी ने प्रांत का दौरा किया था और अधिकारियो तथा धार्मिक नेताओं से कहा था कि महिलाएं हिजाब पहनने के सही तरीके का पालन नही कर रही है। हनाफी ने सुरक्षाकर्मियों से महिलाओ को पर्यटन स्थल पर जाने से रोकने के लिए कहा था। हनाफी ने उस समय कहा, महिलाओ के लिए दर्शनीय स्थलो की यात्रा करना जरूरी नही है। मंत्रालय के प्रवक्ता मौलवी मोहम्मद सादिक अकीफ ने हनाफी के बयान पर आधारित एक रिपोर्ट शनिवार रात को साझा की जिसमें हनाफी के आदेश का पालन करने के लिए सुरक्षाबलों, धर्मगुरुओं और बुजुर्गों की मदद की बात शामिल है। अकीफ की रिपोर्ट के अनुरूप, बामियान में मंत्री के भाषण की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर साझा की गई। हालांकि, अकीफ रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए उपलब्ध नही थे। बामियान में बंद-ए-अमीर पर्यटकों को आकर्षित करने वाला एक बड़ा केंद्र है। इसे वर्ष 2009 मे देश का पहला राष्ट्रीय पार्क बनाया गया जहां हर साल हजारो पर्यटक पहुंचते है।

सिंगापुर में भारतीयों ने श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती मनाई

सिंगापुर। सिंगापुर मे भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अम्बुले ने कहा कि श्री अरबिंदो का जीवन आज हर किसी के लिए प्रेरणा है। अम्बुले सिंगापुर मे स्वतंत्रता सेनानी और दार्शनिक श्री अरबिदो की 150वी जयंती मनाने के लिए उनके अनुयायियो के साथ एक सेमिनार मे शामिल हुए। तीन घंटे के सेमिनार का विषय, "ह्यूमैनिटी यूनिटी एंड इंडिविजुअल ग्रोथ : अ जर्नी ऑफ डेस्टिनी इन द लाइट ऑफ श्री अरबिंदो" था, जिसमे विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और सिंगापुर इंडियन फाइन आर्ट्स सोसाइटी के कलाकारो ने रंगारंग प्रस्तुति दी। श्री अरबिदो के करीब 120 अनुयाई भी सेमिनार मे शामिल हुए। इसका आयोजन सिंगापुर की 51 साल पुरानी श्री अरबिदो सोसाइटी ने किया था। अंबुले ने श्री अरबिदो के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महान दार्शनिक, योगी और कवि किस तरह आज हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। श्री अरबिदो वर्ष 1910 मे पुडुचेरी चले गए थे और खुद को साधना के लिए समर्पित कर दिया था।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने आपूर्तिकर्ता का आईटी सिस्टम हैक होने के बाद सुरक्षा बढ़ाई

लंदन। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा है कि उसने अपने अधिकारियों और कर्मचारियो का विवरण रखने वाली एक कंपनी का डेटा हैक होने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस बल ने शनिवार देर रात कहा कि उसके एक आपूर्तिकर्ता की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में सेंधमारी हुई। पुलिस बल ने कहा कि कंपनी की अधिकारियो के नाम, रैंक, फोटो, और पेरोल नंबर तक पहुंच थी लेकिन पते, फोन नंबर या वित्तीय विवरण जैसी व्यक्तिगत जानकारी नही थी। पुलिस बल ने कहा कि वह यह समझने के लिए कंपनी के साथ काम कर रहा है कि क्या मेट्रोपॉलिटन पुलिस डेटा से संबंधित कोई सुरक्षा उल्लंघन हुआ है और मामले को राष्ट्रीय अपराध एजेंसी के पास भेज दिया गया है। अधिकारियो के संघ मेट्रोपॉलिटन पुलिस फेडरेशन ने कहा कि डेटा मे सेंधमारी से चिंताएं पैदा हुई है। फेडरेशन के उपाध्यक्ष रिक प्रियर ने कहा, यह चौका देने वाला सुरक्षा उल्लंघन है जो कभी नही होना चाहिए था।

सुनक जघन्य हत्याओं के दोषियों के लिए उम्रकैद को अनिवार्य बनाएंगे

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की योजना देश में सख्त नए कानून लाने की है, जिसका मतलब होगा कि जघन्य हत्याओं के दोषियों को जीवन भर जेल में रहना पड़ेगा। ऐसे मामलों में दोषियों को पैरोल पर, या जल्द रिहा करने पर विचार किए जाने की कोई संभावना नहीं होगी। सुनक (43) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जीवन का अर्थ जीवन है और न्यायाधीशों को सबसे बर्बर प्रकार की हत्या करने वाले अपराधियों को अनिवार्य उम्रकैद का आदेश देने की आवश्यकता होगी। नया कानून कुछ सीमित परिस्थितियों को छोड़कर, न्यायाधीशों से उम्रकैद का आदेश देने की कानूनी अपेक्षा रखेगा। सुनक ने कहा, मैंने हाल में सामने आए अपराधों की क्रूरता पर जनता के भय को साझा किया है। लोग सही ही अपेक्षा करते हैं कि सबसे गंभीर मामलों में, इस बात की गारंटी होनी चाहिए कि जीवन का अर्थ जीवन होगा। वे सजा दिए जाने में ईमानदारी की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, सबसे वीभत्स प्रकार की हत्याएं करने वाले जघन्य अपराधियों के लिए उम्रकैद का अनिवार्य आदेश लाकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वे कभी आजाद न हों। यह कदम ऐसे वक्त उठाया जा रहा है, जब कुछ दिन पहले उत्तरी इंग्लैंड के एक अस्पताल में सात नवजात शिशुओं की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद नर्स लुसी लेटबी को उम्रकैद की सजा दी गई थी। ब्रिटेन के वैधानिक प्रावधान मृत्युदंड की अनुमति नहीं देते हैं, इसलिए सबसे कड़ी सजा के रूप में उम्रकैद का प्रावधान है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि वह घोषित परिवर्तनों के लिए उचित समय पर कानून बनाएगी। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के बाद अगले महीने संसद का सत्र शुरू होगा। ब्रिटेन के न्याय मंत्री एलेक्स चाक ने कहा, जहां हत्या में यौन या परपीड़क व्यवहार शामिल हो, वहां अब हत्यारों के लिए उम्रकैद की उम्मीद की जाएगी। यह महत्वपूर्ण कानून परिवर्तन यह सुनिश्चित करेगा कि सबसे बुरे लोग अब अपना शेष जीवन जेल में बिताएंगे।

सुनक को भारत के साथ एफटीए में पत्नी के इंफोसिस शेयरों पर सवालों का करना पड़ सकता है सामना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पत्नी अक्षता मूर्ति के अनुमानित 50 करोड़ पाउंड के इंफोसिस शेयरो को लेकर पारदर्शिता संबंधी कुछ सवालो का सामना करना पड़ सकता है। एक खबर मे यह कहा गया है। अखबार द ऑब्जर्वर का दावा है कि विपक्षी दल लेबर पार्टी और व्यापार विशेषज्ञ पूर्ण वित्तीय प्रभाव पर सवाल उठा रहे है क्योंकि अक्षता के पिता नारायण मूर्ति द्वारा सह-स्थापित बेंगलुरु से संचालित सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी इंफोसिस को ऐसे किसी भी व्यापार समझौते से लाभ होगा। भारत और ब्रिटेन एफटीए पर बातचीत कर रहे है और इस संबंध मे वार्ता 12वे दौर मे है। सुनक अगले महीने जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप मे भारत की अपनी पहली यात्रा की तैयारी कर रहे है। लेबर पार्टी के सांसद और हाउस ऑफ कॉमन्स बिजनेस एंड ट्रेड सलेक्ट कमेटी के अध्यक्ष डैरेन जोन्स ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री को हाल मे पता चला, यह जरूरी है कि वह किसी भी हित की उचित घोषणा करें। मुझे उम्मीद है कि वह भारत व्यापार समझौते के संबंध मे भी ऐसा करेंगे। यह कमेटी एफटीए वार्ता की समीक्षा कर रही है। इस सप्ताह की शुरुआत मे, ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने एक जांच की अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमे कहा गया कि सुनक अनजाने मे कंपनी कोरू किड्स मे अपनी पत्नी के शेयरो की सही घोषणा करने मे विफल रहे थे, जो सरकार की बजट नीति से लाभान्वित होने वाली थी। ब्रिटिश भारतीय नेता सुनक (43) ने भ्रम के कारण अनजाने मे उल्लंघन के लिए माफी मांगी और मामला बंद कर दिया गया। ऑब्जर्वर की खबर के अनुसार, इंफोसिस वीजा व्यवस्था मे बदलाव के माध्यम से अपने हजारो अनुबंध कर्मचारियो के लिए ब्रिटेन तक पहुंच मे सुधार करना चाहती है।

जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति इमरसन मंगागवा ने पुनः चुनाव जीता

भाषा। हरारे

इमरसन मंगागवा को शनिवार को दूसरे और अंतिम कार्यकाल के लिए जिम्बाब्वे का राष्ट्रपति चुना गया। दक्षिणी अफ्रीकी देश में चुनाव के नतीजे उम्मीद से पहले ही घोषित कर दिए गए। परिणाम घोषित होने के कुछ ही समय बाद एक विपक्षी पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि वह इन नतीजों को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि उचित सत्यापन के बिना जल्दबाजी में सब कुछ किया गया। जिम्बाब्वे चुनाव आयोग ने राजधानी हरारे में देर रात घोषणा की कि मंगागवा को 52.6 प्रतिशत, जबकि मुख्य विपक्षी नेता नेल्सन चामीसा को 44 प्रतिशत मत मिले हैं। यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के चुनाव पर्यवेक्षकों की ओर से मतदान की तैयारी में गड़बड़ी और चामीसा के समर्थकों के खिलाफ भय का माहौल बनाने को लेकर सवाल उठाए गए हैं, जिसके मद्देनजर नतीजों की जांच की जा सकती है। मतदान प्रक्रिया केवल एक दिन बुधवार को होनी थी, लेकिन मतपत्रों की छपाई में देरी और अन्य समस्याओं के कारण यह बृहस्पतिवार को भी जारी रही। यूं तो चुनाव परिणाम की घोषणा के लिए सोमवार का दिन तय किया गया था, लेकिन मतदान खत्म होने के दो दिन बाद समय से पहले शनिवार को ही नतीजे जारी कर दिए गए। चामीसा की सिटीजन्स कोएलिशन फॉर चेंज पार्टी के प्रवक्ता प्रॉमिस मकवाननजी ने कहा, हम उचित सत्यापन के बिना जल्दबाजी में घोषित किए गए इन परिणाम को अस्वीकार करते हैं। इस संबंध में आगे हम जो भी कदम उठाएंगे, उसके बारे में नागरिकों को जरूर अवगत कराया जाएगा। सत्तारूढ़ जेडएएनयू-पीएफ पार्टी ने यह चुनाव जीतकर राष्ट्रपति पद अपना कब्जा बरकार रखा है।

जंगल में आग को बुझाने में 600 दमकल गाड़ियों के साथ बारिश वाले विमान लगे

भाषा। एथेंस

बारिश कराने वाले विमानों और हेलीकॉप्टरों के बेड़े के साथ कई यूरोपीय देशों के जवानों समेत 600 से अधिक दमकल वाहन यूनान के तीन जंगलों में लगी आग पर काबू पाने के लिए जद्दोजहद में हैं। इनमें से दो जंगल पिछले कई दिनों से धधक रहे हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि देश के उत्तरपूर्वी क्षेत्रों - एवरोस और एलेक्जेंड्रोपोलिस - के जंगलों में लगी जबरदस्त आग के कारण करीब 20 लोगों की मौत हो चुकी है। आग नौवें दिन भी जारी रही। उन्होंने बताया कि यह आग यूरोपीय संघ के किसी देश में लगी अब तक की सबसे बड़ी जंगल की आग में से एक है। इस दावानल ने जंगल के एक बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया है और एलेक्जेंड्रोपोलिस शहर के बाहरी इलाकों में घरों को जला दिया है। दमकल विभाग ने बताया कि रविवार को 295 दमकलकर्मी, सात विमान और पांच हेलीकॉप्टर आग पर काबू पाने में लगे हुए थे। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस आपातकालीन प्रबंधन सेवा ने रविवार को बताया कि जंगल की आग ने 77,000 हेक्टेयर (770 वर्ग किलोमीटर) भूमि को झुलसा दिया है और 120 सक्रिय हॉटस्पॉट बन गए हैं। कॉपरनिकस यूरोपीय संघ के अंतरिक्ष कार्यक्रम का पृथ्वी अवलोकन घटक है और मैपिंग डेटा प्रदान करने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करता है। यूनान की राजधानी के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर, एक और बड़ी जंगल की आग कई दिनों से धधक रही है, जिससे घर झुलस गए हैं और एथेंस के पास आखिरी हरे क्षेत्रों में से एक, माउंट परनिथा पर राष्ट्रीय उद्यान में आग लग गई है। दमकल विभाग ने कहा कि 260 अग्निशामक, एक विमान और तीन हेलीकॉप्टर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। तीसरी बड़ी जंगल की आग शनिवार को एंड्रोस के साइक्लेडिक द्वीप पर शुरू हुई और रविवार को भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

इमरान से गुम गोपनीय दस्तावेज पर जेल में हुई पूछताछ

भाषा। इस्लामाबाद

● एक रैली में एक दस्तावेज़ लहराया था

पाकिस्तान की शीर्ष जांच एजेंसी ने गोपनीय दस्तावेज के गलत उपयोग को लेकर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में अटक जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से पूछताछ की। यह बात रविवार को मीडिया में आई खबरों में कही गई। खान ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेज के गुम होने की बात स्वीकार की। 70 वर्षीय खान इस महीने की शुरुआत में भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद वर्तमान में तीन साल कैद की सजा काट रहे हैं। उक्त दस्तावेज वही दस्तावेज़ था जिसका उल्लेख खान ने पिछले साल प्रधानमंत्री के पद से उन्हें हटाने के लिए अमेरिका समर्थित साजिश के सबूत के रूप में लंबे समय तक किया। खान ने अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने से कुछ दिन पहले एक रैली में एक दस्तावेज़ लहराया था और कहा था कि यह विदेशी साजिश का सबूत है। इस मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान से पूछताछ अमेरिका में देश के दूतावास से एक गोपनीय राजनयिक संदेश की सामग्री को सार्वजनिक करने को लेकर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किए जाने के कुछ दिन बाद हुई है। मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की आतंकवाद रोधी शाखा (सीटीडब्ल्यू) ने शनिवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात की। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, एफआईए सूत्रों ने कहा कि एफआईए के उपनिदेशक अयाज खान के नेतृत्व में छह सदस्ईय संयुक्त जांच दल ने अटक जेल के उपाधीक्षक कार्यालय में खान से एक घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। द न्यूज अखबार की खबर के अनुसार, पूछताछ के दौरान खान ने दस्तावेज गुम होने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें याद नहीं आ रहा है कि उन्होंने यह कहां रख दिया। खान ने इस बात से भी इनकार किया कि उन्होंने पिछले साल अपनी सरकार के सत्ता से हटने से कुछ दिन पहले एक जनसभा में साजिश के सबूत के तौर पर जो कागज लहराया था, वह राजनयिक दस्तावेज था। अखबार ने खान के हवाले से कहा, मैंने जनता के सामने जो कागज दिखाया वह कैबिनेट बैठक के विवरण थे, वह कोई राजनयिक दस्तावेज नहीं था। जांच एजेंसी ने जांच के बाद राजनयिक दस्तावेज के दुरुपयोग और इसके गलत इस्तेमाल में उनकी जानबूझकर संलिप्तता का पता चलने के बाद खान और पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।प्राथमिकी में यह भी कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव आजम खान, पूर्व योजना मंत्री असद उमर और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका जांच के दौरान निर्धारित की जाएगी।खान के करीबी सहयोगी कुरैशी को पुलिस ने 19 अगस्त को यहां उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था और शनिवार की पूछताछ के दौरान खान से कुरैशी के खुलासों के बारे में पूछताछ की गई थी। कथित दस्तावेज में अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों और तत्कालीन पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान के बीच एक बैठक का विवरण था। अमेरिकी अधिकारियों में दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डोनाल्ड लू भी शामिल थे। अमेरिकी मीडिया समूह द इंटरसेप्ट द्वारा गोपनीय दस्तावेज की एक कथित प्रति के प्रकाशन के बाद क्रिकेटर से नेता बने खान निशाने पर आ गए थे। वहीं, शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की पूर्ववर्ती सरकार के कई लोगों ने इसके लीक होने में भूमिका के लिए खान पर निशाना साधा था।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिकी विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन नौसैनिकों की मौत, 20 घायल

कैनबरा। उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के एक द्वीप पर रविवार को अमेरिकी मरीन कोर का एक विमान बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें तीन नौसैनिकों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गए। इस संबंध में जारी एक बयान के अनुसार, मेलेविले द्वीप पर तीन नौसैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है तथा विमान में सवार 23 में से पांच सैनिकों को गंभीर स्थिति में इलाज के लिए 80 किलोमीटर दूर डार्विन शहर ले जाया गया। बेल बोइंग वी-22 ऑस्प्रे टिल्ट्रोटर विमान स्थानीय समयानुसार सुबह करीब साढ़े नौ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बयान में कहा गया कि दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि रविवार को उत्तरी ऑस्ट्रेलियाई द्वीप पर दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी मरीन कोर के विमान में सवार 23 नौसैनिक घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। उत्तरी क्षेत्र के पुलिस आयुक्त माइकल मर्फी ने दुर्घटना के लगभग छह घंटे बाद कहा कि घायलों में से पांच को अस्पताल में इलाज के लिए मेलविले द्वीप से 80 किलोमीटर (50 मील) दूर डार्विन शहर ले जाया गया।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम हिस्से में सड़क हादसे में छह की जान गई

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम हिस्से में एक वाहन के पुल के नीचे गिर जाने से उसमें सवार दो महिलाओं समेत छह यात्रियों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा के मानसेहरा जिले में शनिवार को यह हादसा तब हुआ है जब 13 यात्रियों को ले जा रहे इस वाहन पर से चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पलट कर नीचे गहरे नाले में गिर गई।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री मुकेश कुमार शर्मा संपत्ति भाग संख्या के मालिक हैं नगर पालिका की दुकान संख्या 93 और 94, वर्तमान संख्या 108, क्षेत्रफल 84.03 वर्ग मीटर, राइट गंज गरबी, तहसील और जिला, गाजियाबाद, यूपी में स्थित हैं, मालिक पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 01.11.2022 के माध्यम से दस्तावेज़ संख्या 11872 के रूप में श्रीमती सौभाग्यवती, श्रीमती मंजू शर्मा, श्री राकेश शर्मा, श्रीमती द्वारा निष्पादित नीलम शर्मा, श्री अजय शर्मा ने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री मुकेश कुमार शर्मा के पक्ष में, और उसी संपत्ति को आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है, जिसका पंजीकरण है। पता एक्सप्रेस ज़ोन, 8 वीं मंजिल वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे गोरेगांव (पूर्व) मुंबई 400063 और शाखा का पता लाजपत नगर, नई दिल्ली। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के स्वामित्व, बंधक के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते हैं, अन्यथा दावा के अनुसार दावा कर सकते हैं। पूर्वोक्त के रूप में माना जाएगा उपरोक्त संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य।
HARIOM SHARMA (ADVOCATE)
Enrl.No. D/5976/2019
Ch. No 409, Western Wing
Tis Hazari Court Delhi
Mob. 7011049293

प्रधानमंत्री ने क्रिप्टोकरेंसी पर वैश्विक ढांचे एआई के नैतिक उपयोग का किया आह्वान

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को क्रिप्टोकरेंसी पर एक वैश्विक ढांचे और कृत्रिम मेधा (एआई) के नैतिक उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित बी20 समिट इंडिया-2023 में अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता सेवा दिवस मनाने और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग की मौजूदा प्रथा को छोड़कर ग्रीन क्रेडिट को अपनाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि भारत हरित क्रेडिट के लिए एक वैश्विक ढांचा तैयार कर रहा है और उद्योग जगत के दिग्गजों को धरती के अनुकूल व्यवसाय और जीवन शैली अपनानी चाहिए।

मोदी ने जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा क्षेत्र के संकट, खाद्य आपूर्ति शृंखला में असंतुलन, जल सुरक्षा से संबंधित मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे मामलों का व्यवसाय पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा, क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी एक चुनौती है। इस मामले में अधिक से अधिक एकजुटता की जरूरत है। मुझे लगता है कि इस बारे में एक वैश्विक ढांचा तैयार करना चाहिए, जिसमें सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा के संबंध में भी इसी तरह के दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने कहा, आज दुनिया एआई को लेकर बहुत उत्साह दिखा रही है, लेकिन इसके बीच कुछ नैतिक विचार भी हैं। कौशल और पुन: कौशल के संबंध में एल्गोरिदम पूर्वाग्रह और समाज पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता जताई जा रही है। इन मुद्दों को भी हल किया जाना चाहिए। मोदी ने उद्योग जगत और सरकारों से एआई के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें उन अड़चनों को समझना होगा, जो विभिन्न क्षेत्रों में पैदा कर सकती हैं। इस समस्या को वैश्विक ढांचे के तहत हल करना होगा। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से पारंपरिक नजरिए पर फिर से विचार करने और ब्रांड तथा बिक्री से आगे सोचने के लिए कहा। उन्होंने कहा, एक कारोबार के रूप में, हमें ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर भी ध्यान देना होगा, जो हमें दीर्घकालिक रूप से फायदा पहुंचाए।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि व्यवसायों को अधिक से अधिक लोगों की क्रय शक्ति में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आत्मकेंद्रित नजरिए से सभी को नुकसान होगा। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि महत्वपूर्ण पदार्थ और दुर्लभ धातुओं की असमान उपलब्धता है, जबकि इनकी जरूरत सभी को है। मोदी ने कहा, जिनके पास ए हैं, यदि वे इन्हें वैश्विक दायित्व के रूप में नहीं देखते हैं, तो यह उपनिवेशवाद के एक नए मॉडल को बढ़ावा देगा।

रोजगार मेले के तहत नवनियुक्त कर्मियों को 51 हजार नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे मोदी

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 लाख कर्मियों की भर्ती के लिए अभियान रोजगार मेला के तहत सोमवार को 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन युवाओं को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के मुताबिक, सोमवार को रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में केंद्रीय गृह मंत्रालय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल , असम राइफल्स, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल , भारत तिब्बत सीमा पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ-साथ दिल्ली पुलिस में कर्मियों की भर्ती कर रहा है। देशभर से चुने गए नए कर्मी केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठनों में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी), सब-इंस्पेक्टर (जनरल ड्यूटी) और नॉन-जनरल ड्यूटी कैडर पदों जैसे विभिन्न पदों पर शामिल होंगे।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे में सप्ताह में 29 घंटे पढ़ाई का प्रस्ताव

नई दिल्ली (भाषा)। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ) तैयार किया है जिसमें स्कूलों में अब सप्ताह में 29 घंटे की पढ़ाई का प्रस्ताव किया गया है। स्कूलों में सोमवार से शुक्रवार तक पांच से साढ़े पांच घंटे की पढ़ाई होगी और इसमें बच्चों को फ्री टाइम भी दिया जाएगा जिसमें वे अपने मन के अनुसार काम कर सकेंगे। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे के तहत स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों के लिए वैश्विक मानकों के आधार पर पढ़ाई के घंटे निर्धारित किए गए हैं। स्कूलों के लिए प्रस्तावित पढ़ाई के नए कार्यक्रम में बच्चों को पठन- पाठन के दबाव से राहत देने की कोशिश की गई है। स्कूलों में अब सप्ताह में 29 घंटे की पढ़ाई का प्रस्ताव किया गया है जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक पांच से साढ़े पांच घंटे की पढ़ाई होगी। महीने में दो शनिवार को भी कुछ घंटे की पढ़ाई होगी तथा रविवार को छुट्टी रहेगी। एनसीएफ में बच्चों के सम्पूर्ण विकास

अंतरराष्ट्रीय मानकों पर जोर

एवं उपयुक्त माहौल में पढ़ाई के लिए पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया अपनाने का सुझाव देते हुए इसमें शिक्षकों से पठन पाठन में किसी विषय को समझाने के लिए परिचय, बोध, अभ्यास, प्रयोग और प्रसार को शामिल करने को कहा गया है।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली समिति द्वारा तैयार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा 2023 के अनुसार पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया के तहत पांच चरणों में अदिति (परिचय), बोध (विषय की समझ), अभ्यास, प्रयोग और प्रसार शामिल हैं।

इसमें कहा गया है कि अदिति के स्तर पर शिक्षक अपने छात्रों के साथ संवाद एवं सम्पर्क स्थापित करके नए विषय पेश कर सकते हैं। बोध के स्तर पर बच्चे नाटक,चर्चा, पुस्तक पाठ, पूछताछ आदि के जरिए शिक्षकों के मार्गदर्शन में विषयों को समझने का प्रयास करेंगे। अभ्यास के स्तर पर कौशल के जरिए बार बार प्रयास करके विषयों एवं सिद्धांतों को समझने एवं समझाने और प्रयोग चरण के तहत विभिन्न संसाधनों के जरिए सीखे गए विषयों के बारे में बेहतर समझ बनाई जाएगी। पंचपदी प्रक्रिया के तहत प्रसार चरण के अंतर्गत छात्रों के विषयों के बारे में अधिक समझ हासिल करने को महत्व दिया गया है। इसमें मित्रों के साथ बातचीत, एक दूसरे को नई कहानियां बताकर, नए गाने गाकर, नई किताबें पढ़कर, नया खेल खेलकर विषयों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।एनसीएफ में कहा गया है कि भारतीय परंपरा में मानव के विकास में पंचकोश विकास एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और बच्चे का पूरा आधार ही इस पर निर्भर करता है। इसका मुख्य आयाम बच्चों का शारीरिक, प्राणमय, मानसिक, बौद्धिक और चेतना संबंधी विकास है।

त्विक न्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने वात्सल्य पीठ की आधारशिला रखी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को जैन श्वेतांबर तेरापंथ की मुख्य साध्वी कनकप्रभा की याद में यहां वात्सल्य पीठ की आधारशिला रखी। छतरपुर में जैन तेरापंथी भवन परिसर में पीठ की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने लोगों से साध्वी कनकप्रभा द्वारा दिखाई गई राह पर चलने का आह्वान किया। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ज्ञान, स्पष्ट समझ और अनुभवों के कारण उनके प्रत्एक शब्द में मनुष्य को बदलने की ताकत थी। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ने किया था।

सोनिया गांधी ने श्रीनगर की डल झील में तैरते उद्यानों का दौरा किया

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर की निजी यात्रा पर आईं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को श्रीनगर में डल झील में प्रसिद्ध तैरते उद्यानों का दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों बताया कि सोनिया दिन निकलने के साथ ही शिकारा (एक प्रकार की नाव) में सवार होकर तैरते उद्यानों पर पहुंचीं। लद्दाख की अपनी आठ दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद राहुल गांधी भी इस समय कश्मीर में हैं। उन्होंने भी शनिवार को तैरते उद्यानों का दौरा किया था। सोनिया ने बाद में डल झील के किनारे स्थित निशात और शालीमार मुगल गार्डन का दौरा किया।

इंफाल में अज्ञात लोगों ने तीन मकान जलाए, पुलिसकर्मियों की बंदूकें छीनी

इंफाल (भाषा)। मणिपुर की राजधानी इंफाल के न्यू लाम्बुलाने इलाके में रविवार दोपहर अज्ञात लोगों ने खाली पड़े तीन मकानों में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद, लोग मौके पर एकत्र हो गए और इलाके में तैनात राज्य और केंद्रीय सुरक्षा बलों से उन्हें क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने बताया कि बाद में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में, अज्ञात लोगों ने शनिवार देर रात करीब दो बजे पूर्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक के. राजो के आवास की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों से तीन हथियार छीन लिए। पुलिस ने बताया कि घटना इंफाल पश्चिम जिले में इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद बिजॉय गोविंदा इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों ने सुरक्षाकर्मियों से एके सीरीज की दो राइफलें और एक कार्बाइन छीन ली। अधिकारियों ने बताया कि घटना की वजह रही परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस बीच, पुलिस ने हथियार बरामद करने और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए कई अभियान शुरू किए हैं।

कोलकाता के पूजा पंडालों का विषय इस साल चंद्रयान-3 और रैगिंग-विरोधी संदेश होगा

कोलकाता (भाषा)। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के उपलक्ष्य में पूरे देश में जश्न का सिलसिला जारी रहने के बीच शहर की एक दुर्गा पूजा समिति ने फैसला किया है कि उसके पंडाल का डिजाइन लैंडर विक्रम पर आधारित होगा, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 23 अगस्त को उतरा था। एक अन्य पूजा समिति अपने पंडाल का विषय रैगिंग की बुराइयों को बनाएगी और इस तरह की दादागीरी के प्रति बिल्कुल बर्दाश्त न करने का संदेश देगी। उत्तरी कोलकाता के सीताराम घोष स्ट्रीट में पल्लीर जुबक बृंदा क्लब ने विक्रम की एक विशाल आकार की अनुकृति बनाने पर काम शुरू कर दिया है, जो इसके पंडाल के रूप में काम करेगा। पूजा समिति के प्रवक्ता ने रविवार को कहा, पूजा आने दीजिए, आगंतुक देखेंगे कि मां दुर्गा लैंडर विक्रम मॉडल पर बैठी हैं, जो चंद्रमा की सतह से समानता दर्शाते हुए जमीन पर स्थित होगा। उन्होंने कहा कि आयोजक चंद्रयान अभियान से जुड़े इसरो के एक वैज्ञानिक के पिता से पूजा का शुभारंभ कराएंगे। उन्होंने कहा, यह इसरो के प्रति हमारा अभार होगा। दक्षिण कोलकाता स्थित नाकतला उद्यान संघ अपने पंडाल का विषय रैगिंग की बुराइयों और समाज से इस खतरे को खत्म करने के उपाय पर आधारित होगा। पूजा समिति के सदस्य अंजन समद्दार ने कहा, यादवपुर विश्वविद्यालय के एक छात्र की कथित तौर पर रैगिंग और वरिष्ठों द्वारा दैहिक शोषण के कारण हुई मौत ने हम सबको हिला दिया है। हमारा पूजा पंडाल शैक्षिक संस्थानों में किसी भी प्रकार की रैगिंग और दादागीरी को रोकने के संदेश को उजागर करेगा।

गंगोत्री राजमार्ग का 100 मीटर हिस्सा भूधंसाव की चपेट में, वाहनों के आवागमन पर रोक

उत्तरकाशी (भाषा)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में चिन्यालीसौड़ में रविवार को ऋषिकेशगंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 100 मीटर हिस्से के जबरदस्त भूधंसाव की चपेट में आने से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है। पुलिस ने बताया कि राजमार्ग पर भूधंसाव होने से पुलिस प्रशासन एवं सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। भूधंसाव से झील के तटवर्ती क्षेत्र में रह रहे क्षेत्रवासी भी दहशत में आ गए हैं। पिछले लंबे समय से इस स्थान पर भूधंसाव हो रहा था लेकिन शनिवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि टिहरी बांध की झील का जलस्तर जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है, इसके तटवर्ती क्षेत्र में भूधंसाव बढ़ रहा है। रविवार को टिहरी बांध की झील का जलस्तर लगभग 822.14 मीटर तक पहुंच गया है। झील का जल स्तर बढ़ने से शनिवार रात को वाल्मीकि मोहल्ले के समीप जबरदस्त भूधंसाव होने से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 94 का लगभग 100 मीटर हिस्सा झील में समाने के कगार पर आ गया है। इससे वाल्मीकि मोहल्ला, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जखवाडी मोहल्ला,जोगथ रोड ,बिजल्वाण व रमोला मोहल्ला , आर्च ब्रिज से पीपल मंडी, आर्च ब्रिज से चिन्यालीसौड़, हडियारी, बंधानगांव मोटर मार्ग सहित झील के अनेक तटवर्ती क्षेत्र भी भूधंसाव की जद है। गौरतलब है कि 25 अगस्त को बीआरओ के सहायक अभियंता विनोद कुमार देवड़ी, टीएचडीसी इंडिया के अपर महाप्रबंधक दिनेश शुक्ला, उप प्रबंधक अतुल बहुगुणा आदि अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया था।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में मिलेंगे 1,250 रुपएः चौहान

भोपाल (भाषा)। मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से करीब तीन महीने पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राज्य की महिलाओं को तोहफा देते हुए हाल ही में शुरू की गई महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि 1,000 रूपए से बढ़ाकर 1,250 रुपए प्रतिमाह करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यहां जंबूरी मैदान में रक्षाबंधन के पावन पर्व के आलोक में आयोजित लाड़ली बहना सम्मलेन को संबोधित करते हुए सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने एवं इस महीने 450 रुपए में भरा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर देने समेत कई ऐलान किए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के मद्देनजर आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र महिलाओं के खाते में सिंगल क्लिक से कुल 312.64 करोड़ रुपए की राशि अंतरित कर उन्हें राखी का विशेष उपहार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र महिलाओं से कहा, आज अभी इसी क्षण से सिंगल क्लिक से लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर उपहार के रुप में 250 रुपए दिए हैं।

हिन्दू जागरण मंच ने देहरादून में अवैध रूप से संचालित मस्जिद, मदरसे को सील करने की मांग की

देहरादून (भाषा)। हिंदू जागरण मंच ने उत्तराखंड सरकार से पिछले 13 वर्षों से यहां एक आवासीय कॉलोनी में कथित तौर पर अवैध रूप से संचालित मदरसे और मस्जिद को तत्काल सील करने की मांग की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषांगिक संगठन हिंदू जागरण मंच की उत्तराखंड इकाई के सह संयोजक मुकेश आनंद ने चेतावनी दी कि अगर मस्जिद और मदरसे को जल्द सील नहीं किया गया तो इसके खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि देहरादून के जिलाधिकारी ने आवासीय कॉलोनी में स्थित इस मस्जिद को सील करने के आदेश दिया था लेकिन मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सीलिंग की कार्वाई को रोक दिया। इस मुद्दे को लेकर हिंदू जागरण मंच लंबे समय से आंदोलन कर रहा है। गत शुक्रवार को भी उन्होंने इस मुद्दे को लेकर राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि आवासीय उपयोग के लिए आवंटित फ्लैटों में धार्मिक गतिविधियां न चलाई जाएं और सीलिंग में कथित तौर पर रोड़ा अटकाने वाले एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया को तत्काल बर्खास्त किया जाए। आनंद ने बताया कि डालनवाला में इस मस्जिद एवं मदरसे के संचालन को लेकर कॉलोनी के निवासी कई सालों से अधिकारियों से लेकर नेताओं तक से शिकायत कर चुके हैं। हांलांकि, उन्होंने बताया कि मुस्लिम समुदाय ने एक हलफनामे के जरिए एमडीडीए को बताया है कि वह इन फ्लैटों से धार्मिक गतिविधियों का संचालन नहीं करेगी। आनंद ने दावा किया कि इन फ्लैटों के आसपास रहने वाले एकदो परिवार इन्हीं गतिविधियों के चलते वहां से अन्यत्र पलायन भी कर चुके हैं।

भारत 2047 में दुनिया का नेतृत्व करेगा : धनखड़

भाषा। जयपुर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि युवा पीढ़ी की प्रतिबद्धता, दिशात्मक दृष्टिकोण और समाज के प्रति सेवा भाव के परिणामसवरूप भारत 2047 तक दुनिया में शीर्ष पर होगा। झुंझुनू जिले के सैनिक स्कूल में एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2047 में जब देश स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा तो वह दुनिया का नेतृत्व कर रहा होगा।

धनखड़ ने कहा, आप देश का भविष्य हैं, आप इस देश को आकार देंगे। लेकिन बच्चों आप भाग्यशाली हैं। आप भाग्यशाली हैं कि आप ऐसे समय में यहां हैं जब भारत अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, भारत का उत्थान अजेय है, जब हम 2047 में अपनी आजादी की शताब्दी मनाएंगे तो हम दुनिया में पहले स्थान पर होंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा, और यह संभव कैसे होगा? आप लोग इसे संभव बनाएंगे। आपकी प्रतिबद्धता, आपका दिशात्मक दृष्टिकोण, समाज के प्रति आपकी सेवा भारत को हमेशा गौरवान्वित करेगी। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का हवाला देते हुए कहा, धनखड़ ने कहा कि इतिहास रचा गया। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग हुई। सफल लैंडिंग। इतिहास रचा गया।धनखड़ ने विद्यार्थियों से कहा कि वे असफलताओं से कभी ना डरें। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चन्द्रयान-2 की विफलता का उदाहरण देते हुए धनखड़ ने कहा कि तब लैंडिंग सही नहीं थी लेकिन प्रधानमंत्री ने मिशन में 96 प्रतिशत सफलता के लिए इसरो को बधाई दी। उन्होंने कहा, असफलता से कभी ना डरें। असफलता का डर आपकी ताकत को काफी कम कर देता है।

तिरुवनंतपुरम में मंदिर में पूजा करते इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ

होटल में आग लगने से तीन लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज ईस्ट इलाके में रविवार दोपहर एक होटल में आग लग जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। नगर निकाय के एक अधिकारी ने दावा किया कि अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने को लेकर इस होटल को नोटिस जारी किया गया था और उसे इस मामले में अदालत में भी घसीटा गया था। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि अपराह्न एक बजकर 10 मिनट पर प्रभात कॉलोनी स्थित पांच मंजिला गैलेक्सी होटल की तीसरी मंजिल पर आग लग गई, जिससे कुछ कमरों तथा सीढी, लॉबी जैसी जगहों पर बिजली के तार, अन्य उपकरणों, एसी, पर्दे, गद्दे, लकड़ी के फर्नीचर आदि जल गए। उन्होंने कहा, रूपल कांजी (25), किशन (28) और कांतिलाल गोरधन वारा (48) को अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अल्फा वखारिया (19) और मंजूला वखारिया (49) घायल हैं।

अजित पवार ने शरद पवार के गढ़ बारामती में शक्ति प्रदर्शन किया

बारामती (भाषा)। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल होने के बाद शनिवार को पहली बार बारामती पहुंचे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार का क्षेत्र में भव्य स्वागत हुआ। बारामती राकांपा प्रमुख शरद पवार का गढ़ कहलाता है। महाराष्ट्र विधानसभा में अजित पवार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। सफेद कुर्ता-पायजामा और पगड़ी पहनकर बारामती पहुंचे अजित पवार पर फूलों की बारिश की गई और उन्हें एक बड़ी माला भेंट की गई। वह एक वाहन में रोड शो का नेतृत्व करते हुए रैली स्थल तक पहुंचे।रैली में अजित पवार ने कहा कि भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल होने का एकमात्र कारण राज्य का विकास था। उन्होंने देश में कई परियोजनाओं को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। अजित पवार ने पिछले महीने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर सभी को चौंका दिया था। उनके साथ राकांपा के आठ बागी विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। अजित पवार ने रैली में किसी का नाम लिए बिना कहा, मैं बारामती के लोगों का भरोसा नहीं तोड़ूंगा। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की सरकार में शामिल होने का एकमात्र कारण महाराष्ट्र का विकास था। मैं कभी किसी का अपमान नहीं करना चाहता था, मैंने तो बस सच्चाई को स्वीकार किया है। बारामती से विधायक पवार ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में इतना शानदार स्वागत नहीं देखा। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री मोदी जैसा मेहनती कोई और नेता नहीं है। अजित पवार ने कहा, भारत ने (जवाहरलाल) नेहरू जी को उनके नेतृत्व कौशल के लिए स्वीकार किया। लोग इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेई को भी उनके गुणों के लिए पसंद करते थे। मनमोहन सिंह जी ने दस साल तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन वह कम बोलते थे।

प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में मददगार साबित हो सकता है दालचीनी

भाषा। हैदराबाद

दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले मसालों में शामिल दालचीनी और उसके सक्रिय घटक प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में मददगार साबित हो सकते हैं। एक ताजा अध्ययन में यह दावा किया गया है। हैदराबाद में स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) द्वारा किए गए अध्ययन में चूहों को खाने में दालचीनी और उसके सक्रिय घटक... सिनामाल्डिहाइड और प्रोसायनिडिन बी2.. दिए गए और शुरूआती स्तर के प्रोस्टेट कैंसर पर उनका प्रभाव निरोधात्मक रहा। इस अध्ययन का शीर्षक है प्रोस्टेट कैंसर विकसित होने के खतरे का सामना कर रहे चूहों पर दालचीनी और उसके बायोएक्टिव कंपोनेंट का कीमोप्रिवेंटिव प्रभाव।

स्टालिन ने कैग रिपोर्ट को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

तिरुवरुर (भाषा)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना की। नरेन्द्र मोदी सरकार की निंदा करते हुए उन्होंने पूछा कि कैग के निष्कर्षों के आलोक में प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार के बारे में बोलने का कौन सा नैतिक अधिकार है। स्टालिन ने रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता एम सेल्वाराज की शादी में कहा, मैं जानना चाहता हूं कि भ्रष्टाचार के बारे में बोलने का प्रधानमंत्री के पास कौन सा नैतिक अधिकार है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में केंद्र सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार की पहचान की गई है। उन्होंने कहा, कैग केंद्र सरकार के अधीन काम करता है और वह सरकार के कामकाज पर हर साल रिपोर्ट तैयार करता है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने मारी गयी छात्रा के घर का दौरा किया

सिलीगुड़ी (भाषा)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने रविवार को सिलीगुड़ी के माटीगाड़ा इलाके में मारी गई एक लड़की के घर का दौरा करने के बाद कहा कि कन्या के जीवन के बिना कन्याश्री कार्यक्रम का क्या मतलब। नेपाली-माध्यम से पढ़ाई कर रही कक्षा 11वीं की छात्रा का स्कूल से घर लौटते समय आरोपी ने अपहरण कर लिया था और उसे एक खंडहर घर में ले गया। आरोपी ने लड़की के कथित यौन उत्पीड़न का प्रयास किया, जिसका उसने पुरजोर विरोध किया और अंतत: आरोपी ने कथित तौर पर पत्थर से प्रहार कर लड़की की हत्या कर दी। लड़की का शव सोमवार शाम को मिला और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अधिकारियों ने भी लड़की के घर का दौरा किया और कहा कि वे दोषियों को कठोर सजा सुनिश्चित कराने के वास्ते हरसंभव मदद करेंगे। राज्यपाल ने दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता के साथ माटीगाड़ा इलाके के तुम्बाजोट में लड़की के घर का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बोस ने उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। एक वीडियो में, लड़की की मां को राज्यपाल से यह कहते हुए देखा जा सकता है कि उनकी बेटी ने स्कूल की पोशाक पहनी हुई थी, इसके बावजूद आरोपी अपराध करने से नहीं रुका। लड़की की मां ने कहा, अगर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो ऐसी घटनाएं दोबारा हो सकती हैं।

अमित शाह ने कांग्रेस, एआईएमआईएम और बीआरएस को 4जी, 3जी और 2जी पार्टी करार दिया

भाषा। हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिवारवादी राजनीति को लेकर कांग्रेस, एआईएमआईएम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तंज कसते हुए उन्हें क्रमश: 4जी, 3जी और 2जी पार्टी करार दिया।

शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस आरोप पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने कहा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गुप्त सहमति है और वे चुनाव के बाद हाथ मिलाएंगे। इसके जवाब में शाह ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में बीआरएस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। खम्मम में रायतु गोसा-भाजपा भरोसा रैली में शाह ने कहा कि भ्रष्ट और दमनकारी मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, जिसे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का समर्थन प्राप्त है। शाह ने कहा, कांग्रेस एक 4जी पार्टी है- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा जी, राजीव जी और अब राहुल गांधी, यह चार पीढ़ियों की पार्टी है। केसीआर की पार्टी 2जी पार्टी है और ओवैसी की पार्टी 3जी पार्टी है।

शाह ने कहा, ना 2जी आएगा, ना 3जी आएगा और ना ही 4जी आएगा। अब कमल की बारी है। शाह ने आरोप लगाया कि बीआरएस ने अलग राज्य के गठन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले कई लोगों के सपनों को बर्बाद कर दिया। शाह ने विश्वास जताते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा तेलंगाना में सरकार बनाएगी।

चोट के भयावह दौर में घबरा गया : श्रेयस

कहा-करियर को लेकर चिंतित हो गए था

भाषा। चेन्नई

पीठ की चोट से जूझने वाले भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का दर्द अक्सर असहनीय हो जाता था और जब दर्द कम होने का नाम नहीं लेता था तो वह अपने करियर को लेकर चिंतित हो जाते थे। ऑपरेशन करवाने से पहले अय्यर दर्द से इतना परेशान हो जाते थे कि वह खुद नहीं समझ पा रहे थे कि वह किस दौर से गुजर रहे हैं। यह 28 वर्षीय बल्लेबाज अब चोट से उबर गया है और उन्होंने एशिया कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। अय्यर ने चोट के दिनों के अपने संघर्ष को याद करते हुए बीसीसीआई से कहा, यह वास्तव में स्लिप डिस्क था जिससे मेरी तंत्रिका दब रही थी और दर्द पांव की छोटी उंगली तक जा रहा था। यह भयावह दौर था। यह असहनीय दर्द था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि मैं किस दौर से गुजर रहा हूं। इस बल्लेबाज को तब अहसास हुआ कि इस दर्द से निजात पाने का एकमात्र उपाय ऑपरेशन है। उन्होंने कहा, मैं उस स्थिति में पहुंच गया था जहां मुझे अहसास हुआ कि अब मुझे ऑपरेशन करवाना ही होगा। फिजियो और विशेषज्ञों ने मुझसे कहा कि ऑपरेशन करवाना बेहद जरूरी है। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने अपने साथियों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने मुश्किल दौर में उनका साथ दिया और टीम में वापसी पर उन का तहेदिल से स्वागत किया। अय्यर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो टीम में शामिल होकर और चारों तरफ खुशनुमा चेहरे देखकर बहुत खुशी हो रही है और मैं वापसी करके रोमांचित हूं। अय्यर ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के रूप में खेला था। इसके बाद चोट के कारण वह आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की अगुवाई भी नहीं कर पाए थे। अय्यर ने कहा कि ऑपरेशन करवाने का उनका फैसला सही था क्योंकि अभी उन्हें लंबे समय तक क्रिकेट खेलना है। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे लगा कि ऑपरेशन करवाना ही सबसे अच्छा फैसला होगा और मैं इस फैसले से वास्तव में खुश था। ऑपरेशन के बाद सर्जन ने भी कहा कि यह बहुत अच्छा फैसला था। अय्यर ने कहा कि ऑपरेशन के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बिताए दिन उनके लिए कड़ी परीक्षा जैसे थे। उन्होंने कहा, यह कड़ी परीक्षा का दौर था तथा फिजियो और ट्रेनर मेरी मजबूत वापसी को लेकर आश्वस्त थे। लेकिन अपने मन में मैं दर्द महसूस कर सकता था। उस समय मैं इस बात को लेकर बेखबर था कि मैं इस परीक्षा में खरा उतर पाऊंगा या नहीं। लेकिन कुछ समय बाद दर्द कम होने लगा और मेरे पांव की ताकत लौटने लगी। अय्यर आगामी वनडे विश्वकप को ध्यान में रखकर एशिया कप में दमदार वापसी करना चाहते हैं लेकिन वह बहुत आगे के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और वर्तमान में जीना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अभी मेरे लिए यही महत्वपूर्ण है कि मैं वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करूं और अपनी दिनचर्या सही रखूं। मैं इस बारे में नहीं सोचना चाहता हूं कि आगे क्या होगा और अतीत में क्या हुआ। अय्यर ने कहा, जहां तक तैयारियों की बात है तो मैंने अपने साथियों के साथ दो दिन बहुत अच्छा अभ्यास किया और यह प्रतिस्पर्धी था। इसलिए मैं अभी हर पल का लुत्फ उठा कर खुश हूं।

एएफसी अंडर-23 क्वालीफायर्स शिविर में पहुंचे 28 में से 12 फुटबॉलर

भाषा। नई दिल्ली

एएफसी अंडर-23 चैंपियनशिप क्वालीफायर से पहले भुवनेश्वर में लगाए गए राष्ट्रीय शिविर में 28 में से केवल 12 फुटबॉलर ही पहुंचे हैं तथा इससे चिंतित मुख्य कोच क्लिफोर्ड मिरांडा ने क्लबों से खिलाड़ियों को छोड़ने की अपील की है। टूर्नामेंट छह सितंबर से चीन के डालियान में शुरू होगा। भारतीय टीम को चार सितंबर को रवाना होना है। भारत को ग्रुप जी में यूएई, मालदीव और चीन के साथ रखा गया है। उसका पहला मैच छह सितंबर को मालदीव से होगा। उसके बाद भारतीय टीम नौ सितंबर को मेजबान चीन और 12 सितंबर को यूएई से भिड़ेगी। मिरांडा ने भुवनेश्वर से पीटीआई से कहा, मेरे पास अभ्यास शिविर के लिए केवल 12 खिलाड़ी पहुंचे हैं। बाकी खिलाडियों को उनके क्लबों ने नहीं छोड़ा है। मैं असमंजस की स्थिति में हूं। उन्होंने कहा, केवल पांच (छह) क्लब ने अपने खिलाड़ियों को शिविर में भाग लेने की अनुमति दी है। अन्य क्लबों का कहना है कि वे ऐसा केवल फीफा विंडो (4-12 सितंबर) के दौरान करेंगे।

मामूली झड़प के चलके भारतीय निशानेबाज को विश्व चैंपियनशिप से बाहर किया गया

भाषा। नई दिल्ली

भारत के चोटी के पिस्टल निशानेबाज अंकित तोमर को अपने साथी निशानेबाज के साथ मामूली झड़प के कारण टीम की रवानगी से एक सप्ताह पहले बाकू में चल रही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के भारतीय दल से हटा दिया गया था। उनके पिता ने रविवार को यह जानकारी दी। देश के प्रमुख सेंटर फायर पिस्टल निशानेबाज 21 वर्षीय तोमर को सात अगस्त को तब इस बारे में पता चला जब उन्होंने देखा कि अजरबैजान के बाकू शहर को रवाना होने वाले निशानेबाजों की सूची में उनका नाम नहीं है। विश्व चैंपियनशिप 14 अगस्त को शुरू हुई थी और यह एक सितंबर तक चलेगी।

तोमर को जुलाई में दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के दौरान मामूली झड़प का खामियाजा भुगतना पड़ा। सोनीपत के रहने वाले इस निशानेबाज ने जूनियर चैंपियनशिप में कमलजीत और संदीप विश्नोई के साथ मिलकर 50 मीटर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। जब तोमर ने प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप के लिए सूची में अपना नाम नहीं देखा तो उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया, आपको सूचित कर दिया गया है कि जब तक (एनआरएआई) की अनुशासन समिति का अंतिम फैसला नहीं आ जाता तब तक आपको किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तोमर ने एनआरएआई से अनुशासन समिति की सुनवाई जल्द से जल्द करवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा था, यह मेरे भविष्य का सवाल है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि कल फैसला कर लें क्योंकि टीम की रवानगी में बहुत कम समय बचा है। तोमर ने एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया को भेजे गए ई-मेल में लिखा, मैं बाकू में खेलना चाहता हूं क्योंकि यह मेरे भविष्य से जुड़ा है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। आप मेरा स्कोर देख सकते हैं। एनआरएआई ने इस निशानेबाज को कारण बताओ नोटिस जारी किया लेकिन तोमर के पिता दविंदर कुमार ने कहा कि उनके बेटे को अभी तक सुनवाई के लिए नहीं बुलाया गया है जिससे वह परेशान और निशानेबाजी में अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। दविंदर ने कहा, यह अनुशासनहीनता का मामूली मामला था जिसकी मेरे बेटे को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है और उसे विश्व चैंपियनशिप की टीम से बाहर कर दिया गया। वह सेंटर फायर पिस्टल में देश का नंबर एक निशानेबाज है और अगर वह जाता तो स्वर्ण पदक जीत सकता था। बाकू में हमने इस स्पर्धा में केवल कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, जूनियर टीम के साथ गए कोच ने भी अपना पद छोड़ दिया है क्योंकि वह एनआरएआई को यह समझाने का प्रयास कर रहे थे कि यह मामूली घटना थी।

भारत टेंट पेगिंग विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद तीसरे स्थान पर रहा

जॉर्ज (दक्षिण अफ्रीका)। भारत की पांच सदस्यीय टेंट पेगिंग टीम ने दक्षिण अफ्रीका में आयोजित विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। टेंट पेगिंग घुड़सवारी के मान्यता प्राप्त 10 खेलों में से एक है। इसमें घुड़सवार का उद्देश्य भाले या तलवार की मदद से मैदान पर रखे सामान (रिंग, नीबू या लकड़ी के चौकोर टुकड़े) को भेद कर लक्ष्य की ओर ले जाना होता है। टेंट पेगिंग का यह चौथा विश्व कप है और टूर्नामेंट में इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय टेंट पेगिंग टीम इससे पहले के दो सत्र में छठे और सातवें स्थान पर रही थी। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक तीन दिनों तक चले इस प्रतियोगिता के लिए नौ देशों ने क्वालीफाई किया था। भारतीय टीम कोच कर्नल एसएस सोलंकी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता के पहले दिन चौथे स्थान पर थी।

पंजाब सरकार 1800 से अधिक खिलाड़ियों को देगी नगद पुरस्कार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार पिछले पांच वर्षों से इंतजार कर रहे 1807 खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इन पदक विजेता खिलाड़ियों की खेल मंत्रालय ने सूची तैयार की है। इन खिलाड़ियों को 2017 से पुरस्कार राशि से वंचित रखा गया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान 29 अगस्त को बठिंडा में खेदां वतन पंजाब दियां के दूसरे पत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। इन खिलाड़ियों में कुल 5.94 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बांटी जाएगी। खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि इन खिलाड़ियों में वे खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया।

मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी: रेलवे ने नौसेना को हराया

चेन्नई। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) ने रविवार को यहां मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल ए के मैच में भारतीय नौसेना को 4-1 से हराया। रेलवे की तरफ से दर्शन गावकर (24वें और 53वें मिनट) ने दो जबकि युवराज वाल्मिकी (22वें) और प्रताप लाकड़ा (39वें) ने एक-एक गोल किया। नौसेना की तरफ से एकमात्र गोल सुशील धनवार ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने पूल बी के मैच में भारतीय वायु सेना को 2-1 से हराया। पूल बी के एक अन्य मुकाबले में इंडियन आर्मी रेड ने तमिलनाडु हॉकी यूनिट को 3-0 से पराजित किया।

मुंबई सिटी एफसी को हराकर मोहन बागान डूरंड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की मौजूदा चैंपियन मोहन बागान सुपरजायंट्स ने रविवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल के चौथे क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई सिटी एफसी को 3-1 से हराया। मोहन बागान के लिए जेसन कमिंग्स, मनवीर सिंह और अनवर अली ने गोल किए जबकि मुंबई की टीम के लिए जॉर्ज पेरेरा डियाज ने सांत्वना गोल किया। मोहन बागान के सामने सेमीफाइनल में एफसी गोवा की चुनौती होगी।

भारत शतरंज के स्वर्ण युग में प्रवेश कर चुका है, जल्द ही 100 जीएम होंगे

भाषा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा कि भारतीय शतरंज स्वर्ण युग में प्रवेश कर चुका है और देश में जल्द ही 100 से अधिक ग्रैंडमास्टर (जीएम) होंगे। भारतीय शतरंज की बात की जाए तो इससे वर्षों तक पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद का दबदबा रहा है। लेकिन पिछले दशक में इसमें बदलाव आया है क्योंकि अब प्रज्ञाननंदा, डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी जैसे युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर काफी तेजी से प्रगति कर रहे हैं। कपूर ने पीटीआई से कहा, पहले एक ही खिलाड़ी विशी (आनंद) था लेकिन मेरा मानना है कि अब भारत में शतरंज का स्वर्ण युग शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, आनंद खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं। वह भारतीय शतरंज का चेहरा हैं। लेकिन अब हमारे पास कई चेहरे होंगे जो भारतीय शतरंज के लिए बहुत अच्छा होगा।

धरती से जुड़े खेलों में भारत को कभी पीछे नहीं रहना चाहिए: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन में संपन्न वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के विजेता खिलाड़ियों की सफलता को रेखांकित हुए रविवार को कहा कि हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो जैसे धरती से जुड़े हुए खेलों में भारत को कभी पीछे नहीं रहना चाहिए। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 104वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलकूद को लेकर देश के युवाओं और परिवारों में पहले जो धारणा थी वह अब बदली है और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता उन्हें प्रेरित कर रही है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में इस साल देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने 11 स्वर्ण सहित 26 पदक जीतकर इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। मोदी ने कहा कि 1959 से लेकर अब तक जितने भी वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए हैं, उनमें जीते सभी पदकों को जोड़ दें तो भी यह संख्या 18 तक ही पहुंचती है। उन्होंने कहा, इतने दशकों में सिर्फ 18, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 26 पदक जीत लिए। प्रधानमंत्री ने इन खेलों के पदक विजेताओं में से कुछ के साथ बातचीत की और उन्हें सफलता पर बधाई दी। इस संवाद के दौरान असम के एथलीट अमलान ने प्रधानमंत्री से पूछा कि उन्हें कौन सा खेल सबसे अच्छा लगता है। इसके जवाब में मोदी ने कहा, खेल की दुनिया में भारत को बहुत खिलना चाहिए और इसलिए मैं इन चीजों को बहुत बढ़ावा दे रहा हूं। लेकिन हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो ए हमारी धरती से जुड़े हुए खेल हैं। इनमें तो हमें, कभी, पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनके अलावा तीरंदाजी और निशानेबाजी में देश के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मोदी ने कहा, मैं देख रहा हूं कि हमारे युवाओं में भी और यहां तक कि परिवारों में भी खेल के प्रति पहले जो भाव था, वह अब नहीं है। पहले तो बच्चा खेलने जाता था तो रोकते थे और अब बहुत बड़ा वक्त बदला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता युवाओं और परिवारों को प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा, हर खेल में जहां भी हमारे बच्चे जा रहे हैं, कुछ न कुछ देश के लिए करके आते हैं। और ए खबरें आज देश में प्रमुखता से दिखाई भी जाती हैं, बताई जाती हैं और स्कूल व कॉलेजों में भी चर्चा में रहती हैं। तीरंदाजी में पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की प्रगति से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। इस पर प्रगति ने कहा कि वह स्वयं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की पैदल चाल खिलाड़ी प्रियंका ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की और कहा कि पहले वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स जैसी स्पर्धाओं की देश में इतनी पूछ नहीं थी लेकिन अब इसे समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमने इतने पदक जीते हैं तो काफी अच्छा लग रहा है कि ओलंपिक की तरह, इसको भी इतना बढ़ावा मिल रहा है। इस संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने अपने संघर्ष की कहानियां बताईं और अनुभव भी प्रधानमंत्री से साझा किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार जीत से एशिया कप में मिलेगी मदद : बाबर

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का मानना है कि अफगानिस्तान के खलाफ एक दिवसीय श्रृंखला मे 3-0 से मिली एकतरफा जीत टीम को प्रेरित करने के साथ बुधवार से शुरू हो रहे एशिया कप से पहले जरूरी लय प्रदान करेगी। एशिया कप का आयोजन 30 अगस्त से श्रीलंका और पाकिस्तान मे होगा। एशिया कप से पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए एकदिवसीय श्रृंखला मे 3-0 से सूपड़ा साफ किया। पाकिस्तान ने शनिवार को यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले मे अफगानिस्तान को 59 रनों से हराया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आजम के हवाले से कहा, हम रोमांचित होकर एशिया कप का इंतजार कर रहे है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला मे जीत हमे प्रेरित करेगी। उन्होने कहा, अफगानिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करना आसान नही था। सबको पता है कि स्पिन गेंदबाजी की अनुकूल स्थितियों मे वे शानदार प्रदर्शन करते है। इस श्रृंखला से मिली लय एशिया कप के दौरान हमे आत्मविश्वास प्रदान करेगी।

करीम जनत की छह साल बाद अफगानिस्तान की वनडे टीम में वापसी

काबुल। ऑलराउंडर करीम जनत ने रविवार को छह साल बाद अफगानिस्तान की वनडे टीम मे वापसी की जबकि बाएं हाथ के बल्लेबाज नजीबुल्लाह जादरान को भी आगामी एशिया कप के लिए 17 सदस्ईय टीम मे शामिल किया गया। बाएं हाथ के बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका मे होने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट मे अफगानिस्तान की टीम की अगुवाई करेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ हाल मे समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद सलीम सफी और अब्दुल रहमान को टीम मे बरकरार रखा गया है लेकिन फरीद अहमद और वफादार मोमांद को बाहर कर दिया गया है। ऑलराउंडर अज़मतुल्लाह उमरज़ई को चोटिल होने के कारण टीम मे नही लिया गया है। पच्चीस वर्षीय जनत ने 2017 मे जिंबाब्वे के खिलाफ हरारे मे वनडे मे पदार्पण किया था लेकिन इसके बाद उन्होने एक भी वनडे मैच नही खेला। हालांकि उन्होने एक टेस्ट और 49 टी20 मैचों मे अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम इस प्रकार है: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, गुलबदीन नैब, राशिद खान, अब्दुल रहमान, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम सफी, फजल हक फारूकी।

घरेलू परिस्थितियों में भारत के पास विश्व कप जीतने का बड़ा मौका: मिताली

श्रीनगर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने रविवार को कहा कि पुरुष टीम के पास इस साल के अंत मे घरेलू परिस्थितियो मे आईसीसी विश्व कप जीतने का एक बड़ा मौका होगा। इस वैश्विक प्रतियोगिता का आगाज पांच अक्टूबर से होगा। भारतीय टीम 1983 और 2011 के बाद तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने के मकसद से टूर्नामेंट मे उतरेगी। महिला प्रीमियर लीग फाइनल के लिए यहां पहुंची मिताली ने कहा, एक भारतीय क्रिकेट प्रशंसक के रूप में, मै चाहूंगी कि भारत फाइनल खेले। यह एक बड़ा अवसर है. हम मेजबान देश है और परिस्थितियाँ हमारे पक्ष में है। उन्होंने कहा, टीम अगर अच्छा प्रदर्शन करती है तो हमें विश्व कप जीतने का एक और मौका मिलेगा। महिला एकदिवसीय मे सबसे ज्यादा 7805 रन बनाने वाली इस पूर्व दिग्गज ने कहा कि घाटी मे क्रिकेट के विकास की काफी संभावना है। उ

विश्व कप से पहले एशिया कप में होगी गेंदबाजों की परीक्षा: अकरम

दुबई। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने रविवार को कहा कि आगामी एशिया कप मे वनडे विश्वकप से पहले उपमहाद्वीप के गेंदबाजो की 50 ओवर के प्रारूप के लिए तैयारियो की परीक्षा होगी। एशिया कप बुधवार से शुरू होगा जिसका पहला मैच मुल्तान मे पाकिस्तान और नेपाल के बीच खेला जाएगा लेकिन सभी की निगाहे भारत और पाकिस्तान के बीच कैंडी में दो सितंबर को होने वाले मैच पर टिकी है। अकरम ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारो से कहा, चाहे वह भारत हो या पाकिस्तान या फिर श्रीलंका, सभी यह परखना चाहेंगे कि क्या गेंदबाज 10 ओवर करने मे सक्षम है या नही क्योंकि इन दिनों उन्हें प्रति मैच चार ओवर करने की आदत पड़ी हुई है। एशिया कप पिछले साल टी-20 प्रारूप मे खेला गया था लेकिन इस बार इसे 50 ओवरो के प्रारूप मे आयोजित किया जा रहा है। अकरम ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया। उन्होने कहा, एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) का 50 ओवरों के प्रारूप मे एशिया कप का आयोजन करना अच्छा विचार है क्योंकि इसके ठीक बाद विश्वकप आयोजित किया जाएगा। अकरम ने किसी भी टीम को खिताब का प्रबल दावेदार बताने से इंकार कर दिया लेकिन कहा कि प्रतएक टीम के लिए राह आसान नही होगी।

भारतीय महिला टीम ने एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में थाईलैंड को 5-4 से हराया

भाषा। सालालाह (ओमान)

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में जीत की लय जारी रखते हुए तीसरे मुकाबले में थाईलैंड को 5-4 से पराजित किया। भारत के लिए कप्तान नवजौत कौर ने पहले मिनट में, मोनिका दिप्पी टोप्पो ने पहले और सातवें मिनट में, महिमा चौधरी ने 20वें मिनट में और अजमिना कुजुर ने 30वें मिनट में गोल दागे। थाईलैंड की ओर से पीरिस्रम अनोंगनाट ने तीसरे मिनट में, औंजल नाथाकर्ण ने 10वें और 14वें मिनट में और सुवापट कोंथोंग ने 19वें मिनट में गोल किए। भारत ने शनिवार की रात टूर्नामेंट के दूसरे मैच में जापान पर 7-1 से जीत दर्ज की थी। टीम ने शुक्रवार को अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया को 7-2 से हराकर की थी। रविवार को भारत ने शुरु से ही थाईलैंड की रक्षापंक्ति पर दबाव बना दिया। नवजोत ने पहले ही मिनट में मैदानी गोल के जरिए टीम को बढ़त दिला दी। भारत ने समय बर्बाद किए बिना इसी मिनट में मोनिका के मैदानी गोल से बढ़त दोगुनी की। दो मिनट बाद कप्तान अनोंगनाट की बदौलत थाईलैंड का पहला गोल हुआ। मोनिका ने जल्द ही अपना दूसरा गोल कर भारत का स्कोर 3-1 कर दिया। पहले हाफ में पांच मिनट बचे थे कि नाथाकर्ण ने गोल कर थाईलैंड को वापसी कराने का प्रयास किया। पहले हाफ में एक मिनट का समय बचा था और नाथाकर्ण ने अपनी टीम को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। दूसरे हाफ में भारत ने आक्रामक होते हुए गेंद पर कब्जा बनाए रखा और थाईलैंड के सर्कल में सेंध लगाना जारी रखा, विशेषकर बाईं ओर से। पर इसका फायदा नहीं मिला और चार मिनट बाद थाईलैंड ने कोंथोंग के गोल से बढ़त बना ली। जल्द ही भारत ने महिमा चौधरी के गोल से स्कोर बराबर किया। मैच खत्म होने में पांच मिनट बचे थे और मोनिका ने बाईं ओर से मौका बनाते हुए शॉट लगाया।

भारत ने सैफ अंडर-16 चैंपियनशिप के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की

भाषा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अगले महीने खेली जाने वाली सैफ चैंपियनशिप के लिए रविवार को 23 सदस्यों वाली भारत की अंडर-16 टीम की घोषणा की। भारत के पुरुष अंडर-16 मुख्य कोच इश्फाक अहमद ने 1-10 सितंबर तक भूटान के थिंपू में होने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम का चयन किया। टीम का चयन एक महीने तक श्रीनगर में लगी अभ्यास शिविर के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। भारत नेपाल और बांग्लादेश के साथ ग्रुप ए में है, जबकि ग्रुप बी में भूटान, मालदीव और पाकिस्तान की टीमें शामिल हैं। प्रत्एक ग्रुप से से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। एआईएफएफ ने कहा, प्रशिक्षण शिविर जुलाई में श्रीनगर में शुरू हुआ था। इसमें देश के पांच क्षेत्र पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और उत्तर-पूर्व में व्यापक स्काउटिंग (प्रतिभा खोज) के बाद 50 से अधिक संभावित खिलाड़ियों को चुना गया। उन्होंने कहा, अहमद ने श्रीनगर में एक महीने से अधिक के प्रशिक्षण के बाद 23 सदस्ईय टीम का चयन किया।

भारतीय टीम: गोलकीपर: रोहित, अहेइबाम सूरज सिंह और अरुष हरि। डिफेंडर: नगारियांबम अभिजीत, मोहम्मद कैफ, याईफारेम्बा चिंगखम, उशम थौंगाम्बा, वुमलेनलाल हैंगशिंग, चिंगथम रेनिन सिंह और करिश सोरम। मिडफील्डर: न्यूटन सिंह, कंगुजाम योइहेनबा मेइतेई, लेविस जांगमिनलुन, बॉबी सिंह, अब्दुल सलहा, नगमगौहौ मेट, विशाल यादव, मानभाकुपर मलंगियांग और एमडी अरबाश। फॉरवर्ड: निंगथौखोंगजाम ऋषि सिंह, अहोंगशांगबाम सैमसन, लायरेंजाम भरत और एयरबोरलांग खरथांगमाव।

वोवीनाम में यूपी को 4 स्वर्ण व 2 रजत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश वोवीनाम टीम के खिलाड़ियों ने गुवाहाटी के नेहरू स्टेडियम में आयोजित 12वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण 2 रजत पदक और 5 कांस्य पदक हासिल किये। यह जानकारी वोवीनाम संघ के सचिव प्रवीण गर्ग ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश टीम में जूनियर फाइट ग्रुप में विश्वजीत यादव ने 64 किलोग्राम भार वर्गए अखिल अग्रहरि ने 60 किलोग्राम ए सीनियर वर्ग में मनीष सिंह 80 किलोग्राम फैसल जफर ने 85 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक और मोनिका सिंह ने 40 किलो व जितेंद्र कुमार ने 70 किलो में रजत पदक जबकि सब जूनियर वर्ग में अवरिल दत्त तिवारी 24 किलोए अमूल्य पांडे 28 किलोए अनुभव सोनी 40 किलोए मुस्कान राजपूत 45 किलो और अदिति दत्त तिवारी 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सफल हुए। प्रतियोगिता में 21 प्रदेशों से 550 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया और आयोजक असम ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया जबकि मणिपुर टीम ने दूसरा और महाराष्ट्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ को चौथा स्थान प्राप्त हुआ और उत्तर प्रदेश टीम पांचवें स्थान पर रही। असम खेल मंत्री नंदिता गोर्लोसा ने समापन अवसर पर विजेता टीम को चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। असम टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए असम में आयोजित आगामी राष्ट्रीय खेलों में वोवीनाम खेल को सम्मिलित किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं असम भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जयंत कुमार दास, राष्ट्रीय महासचिव पप्पू खान, टेक्निकल डायरेक्टर देवेन मोयरंगथम ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किये।

न्यूनतम निवेश के कारण शतरंज व्यावहारिक करियर का विकल्प लेकिन पूर्ण समर्पण की जरूरत

भाषा। कोलकाता

अंतरराष्ट्रीय शतरंज में प्रतिभावान किशोर आर प्रज्ञानानंदा और डी गुकेश की आश्चर्यजनक प्रगति ने कई माता-पिता को इस खेल को अपने बच्चो के लिए एक करियर विकल्प के रूप मे गंभीरता से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया है। टूर्नामेंट मे बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जब प्रज्ञानानंदा फिडे विश्व कप के फाइनल मे पहुंचे तो उन्होने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। शतरंज वास्तव मे सबसे कम खर्चीले खेलो मे से एक है। इसके लिए शुरुआती निवेश 50 रुपए से भी कम का होता है। शतरंज मे महारत हासिल करने की यात्रा हालांकि इतनी आसान नही है। इसके लिए अनगिनत घंटो के अभ्यास और वर्षो के समर्पण की जरूरत होती है। ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म पाने वाले भारत के शुरुआती खिलाड़ियो मे शामिल और भारतीय प्रशिक्षक आयोग के मौजूदा अध्यक्ष प्रवीण थिप्से कहा शतरंज मे महाराथ हासिल करना आसान नही है।

जीपीबीएल के टलने से उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ियों को होगा आर्थिक नुकसान

भाषा। नई दिल्ली

अनुभवी एचएस प्रणय के विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक पर भारत में खुशी का माहौल है तो वहीं दूसरी तरफ ग्रैंड प्रिक्स बैडमिंटन लीग (जीपीबीएल) के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद देश के 60 से अधिक शटलर अपने कौशल दिखाने और कुछ जरूरी पैसे कमाने के अवसर से वंचित हो गए हैं। दो सप्ताह तक चलने वाली इस लीग में 15 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग लेने वाले थे जिसका आगाज रविवार (27 अगस्त) को होना था।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने हालांकि लीग के संचालन के लिए आवश्यक अनुमति नहीं दी। इस वजह से कई खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट गए जिसके बाद इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। बीएआई का प्रमुख आयोजन प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) कोविड-19 महामारी के बाद से नहीं हो रहा है ऐसे में देश के दूसरी और तीसरी पंक्ति के खिलाड़ियों के लिए जीपीबीएल कमाई का अच्छा मौका था। इस कमाई से खिलाड़ी दुनिया भर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने के साथ अपने खेल में सुधार करने के लिए निवेश कर सकते थे। देश के एक सीनियर खिलाड़ी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि बीएआई इतना खेल विरोधी क्यों है और खेल के प्रसार को प्रतिबंधित क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा, युवा खिलाड़ियों के लिए अपने सपनों को जीवित रखना बहुत मुश्किल है। शीर्ष खिलाड़ियों को बीएआई द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है और यह बहुत अच्छी बात है लेकिन बाकी खिलाड़ियों का क्या होगा। उन्होंने कहा, अभी बहुत सारे अखिल भारतीय रैंकिंग टूर्नामेंट हैं। लेकिन विजेता को टैक्स के बाद बहुत कम रकम मिलती है। ऐसी प्रतियोगिताओं में प्रवेश शुल्क 2000 रुपए है, युगल में उपविजेता को 9000 रुपए और विजेता को 15000 रुपए मिल रहें।